जडेजा ने सीएसके की कप्तानी छोड़ी, बाकी मैचों में धोनी...
11

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

10
सुपरस्टार के साथ किया बॉलीवुड में डेब्यू, ब्लॉकबस्टर हुई फिल्म...

वर्ष : 12, अंक : 39, पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 01 मई से 15 मई 2022 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

ख़ास ख़बर

पूर्वोत्तर में हिंदी को अनिवार्य करने के कदम का विरोध

अगरतला। त्रिपुरा के 56 सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के समूह रोमन स्क्रिप्ट फॉर कोकबोरोक-चोबा (आरएसकेसी) ने देश के पूर्वोत्तर राज्यों में हिंदी को दसवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय बनाने के कदम का विरोध किया है। आरएसकेसी के अध्यक्ष बिकाश रॉय देबबर्मा ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, आरएसकेसी न तो हिंदी के खिलाफ है और न ही देवनागरी लिपि के ही। लेकिन, यह सामान्य रूप से पूर्वोत्तर राज्यों और विशेष रूप से त्रिपुरा में हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि को जबरदस्ती थोपने का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, भाषा राज्य का विषय है और आरएसकेसी की राय है कि पूर्वोत्तर में हिंदी को अनिवार्य बनाना संवैधानिक प्रावधान से स्पष्ट विचलन के अलावा और कुछ नहीं है।

कांग्रेस ने मेवानी मामले में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी की असम पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी के मामले में न्यायाधीश की तल्ख टिप्पणी का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि अगर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा में किसी तरह नैतिकता बची है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

यूपी में 46 हजार अवैध लाउडस्पीकर हटाए गए

एजेंसी ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अभी तक धार्मिक स्थलों पर बिना अनुमति लगे करीब 46 हजार लाउडस्पीकर हटाए जा चुके हैं और वैध तरीके से लगे करीब 59 हजार लाउडस्पीकर (ध्वनि विस्तारक यंत्र) की आवाज धीमी की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत शनिवार सुबह तक कुल 45,733 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं और 58,861 लाउडस्पीकर की ध्वनि अनुमेय सीमा के भीतर लाई गई। उन्होंने दावा किया कि बिना किसी भेदभाव के सभी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाए जा रहे हैं।

अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने बताया कि धार्मिक स्थलों से अनधिकृत लाउडस्पीकर हटाने और अन्य की आवाज को अनुमेय सीमा के भीतर निर्धारित करने के लिए एक राज्यव्यापी अभियान सोमवार, 25 अप्रैल से शुरू हुआ था।

उन्होंने बताया, इस संबंध में 30 अप्रैल तक जिला स्तर के अधिकारियों से अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी गई थी। अनुपालन रिपोर्ट जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा भेजी जा रही है। अवस्थी ने बताया कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान जारी रहेगा। कार्वाई के बारे में आगे बताते हुए कुमार ने कहा, "जो लाउडस्पीकर हटाए जा रहे हैं, वे अनधिकृत हैं। उन लाउडस्पीकर को अनधिकृत की श्रेणी में रखा गया है जिन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिला प्रशासन की अनुमति लिए बिना लगाया गया है या जितने लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति दी गई है उसके अलावा ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा, इस अभियान के दौरान उच्च न्यायालय के आदेश पर भी गौर किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले हफ्ते वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए दिशा निर्देशों के आधार पर यह कार्वाई की जा रही है। योगी ने कहा था, हर किसी को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था के हिसाब से पूजा और इबादत करने की आजादी है, लेकिन लाउडस्पीकर की आवाज परिसर के बाहर नहीं जानी चाहिए ताकि दूसरे लोगों को कोई परेशानी न हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने अदालतों में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर जोर दिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अदालतों में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि इससे न्याय प्रणाली में आम नागरिकों का विश्वास बढ़ेगा और वे इससे अधिक जुड़ाव महसूस करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से अपील की कि वे जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता दें और उन्हें मानवीय संवेदनाओं के आधार पर कानून के अनुसार रिहा करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यायिक सुधार केवल एक नीतिगत मामला नहीं है।

मोदी ने कहा कि मानवीय संवेदनाओं को सभी चर्चाओं के केंद्र में रखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर जिले में जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति होती है, ताकि इन मामलों की समीक्षा की जा सके और जहां भी संभव हो ऐसे कैदियों को जमानत पर रिहा किया जा सके। उन्होंने कहा, मैं सभी मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से मानवीय संवेदनशीलता और कानून के आधार पर इन मामलों को प्राथमिकता देने की अपील करता हूं। मोदी ने यहां छह साल के अंतराल पर हुए मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एक समूह दो प्रारूपों में कानून बनाने पर विचार कर रहा है - एक विशिष्ट कानूनी भाषा में और दूसरा साधारण भाषा में जिसे आम लोग समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न देशों में प्रचलन में है और दोनों प्रारूपों को कानूनी रूप से स्वीकार्य माना जाता है। अदालती सुनवाई के मुद्दे पर मोदी ने कहा, हमें अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इससे न केवल आम नागरिकों का न्याय प्रणाली में विश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे इससे अधिक जुड़ाव भी महसूस करेंगे।

प्रधानमंत्री के बोलने से पहले, प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण ने कहा कि अदालतों में स्थानीय भाषाओं का इस्तेमाल करने के लिए एक कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि समाचार पत्रों को सकारात्मक शीर्षक मिल गया है।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से न्याय प्रदान करने को आसान बनाने के लिए पुराने कानूनों को निरस्त करने की भी अपील की।उन्होंने कहा, 2015 में, हमने लगभग।,800 कानूनों की पहचान की, जो अप्रासंगिक हो चुके थे। इनमें से, केंद्र के ऐसे।,450 कानूनों को समाप्त कर दिया गया। लेकिन, राज्यों ने केवल 75 ऐसे कानूनों को समाप्त किया है। जब भारत स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, तो एक ऐसी न्यायिक प्रणाली के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जहां न्याय आसानी से उपलब्ध, त्वरित और सभी के लिए हो। हमारे देश में, जहां न्यायपालिका की भूमिका संविधान के संरक्षक की है, वहीं विधायिका नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

खास ख़बर

देश में धूमधाम से मनाई जा रही हनुमान जयंती

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। हनुमान जयंती के मौके पर आज देशभर के कई हिस्सों में हनुमान चालीसा पाठ आयोजन किया जा रहा है। इसमें महाराष्ट्र, यूपी, राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत दूसरे प्रदेशों में भी धार्मिक आयोजन रखे गए हैं। वहीं हनुमान जयंती पर श्रद्धालु जगह-जगह हवन-यज्ञ व भंडारों का आयोजन कर रहे हैं। इसके साथ ही मंदिरों में सुंदर कांड का पाठ व हनुमान चालीसा का जप भी लगातार चल रहा है। बता दें कि वाराणसी के मंदिरों के बाहर और चौराहे पर हनुमान चालीसा अखंड रामायण का पाठ किया जा रहा है। वहीं महाराष्ट्र के पुणे में आज राज ठाकरे हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती में शामिल होंगे। वहीं मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में जुलूस निकाला जाएगा. इसके लिए 16 शर्तें लगाई गई हैं. वहीं राजस्थान में प्रदेश सरकार की ओर से सभी ज़िलों में सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है. वाराणसी में लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ वाराणसी में शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर हिंदूवादी संगठनों की ओर से लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। वाराणसी के स्थानीय लोगों के मुताबिक अपनी संस्कृति और धर्म के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। वहीं हिंदूवादी संगठन हिंदू रक्षा दल ने ऐलान किया है कि वह काशी के मंदिरों को चिह्नित कर वहां लाउडस्पीकर लगाएंगे। साथ ही नमाज के पांचों वक्त हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। वहीं पुणे में मनसे की ओर से हो रहा आयोजन वहीं महाराष्ट्र के पुणे में आज राज ठाकरे पुणे में हनुमान चालीसा का पाठ और महाआरती करेंगे। बता दें कि बीते दिन मनसे की ओर से एक पोस्टर जारी किया गया था. इसमें राज ठाकरे बाल ठाकरे के गेटअप में नजर आ रहे थे. पोस्टर के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी दी गई थी. बता दें कि हाल ही में मुंबई और ठाणे में रैलियों में मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने की राज्य सरकार को चेतावनी दी थी। साथ ही कहा था कि ऐसा नहीं हुआ तो वह लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। धोरों की धरती राजस्थान में प्रदेश सरकार की ओर से हनुमान जयंती के मौके पर सभी जिलों के मंदिरों में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सरकार के सभी मंत्री और विधायक हिस्सा लेंगे। वहीं कई जगह मंत्री शोभायात्रा भी निकाल रहे हैं।

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में संगठित रूप से गोहत्या करने वाला गैंग पकड़ा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए शाहदरा इलाके से गोहत्या के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुलासा किया है कि उक्त गिरोह को सड़कों पर घूमने वाली गायों को अपना निशाना बनाता था और उन्हे उठाकर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर उन्हे काटकर उनका मांस बेचता था। पुलिस इस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है और दिल्ली में कौन-कौन लोग गाय का मांस खरीदते थे उन्हे पकड़ने में जुट गई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ की एक टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र में जाल बिछाया और पुस्ता रोड़ पर एक तेज गति से चलती कार को देखा। पुस्ता रोड पर पकड़े जाने के दौरान आरोपियों और पुलिस अधिकारियों के दोनों गुटों में हाथापाई हो गई, जिससे स्पेशल स्टाफ के सब इंस्पेक्टर का दाहिने हाथ में चोट आई है, लेकिन पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए पांच बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए।

शिवपाल यादव की भाजपा में जाने की अटकलें हुई तेज

प्रसपा की कार्यकारिणी व प्रकोष्ठ किये भंग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया (प्रसपा) ने शुक्रवार को अपनी प्रदेश कार्यकारिणी तथा राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक प्रकोष्ठों की सभी कार्यकारिणियों और संपूर्ण प्रवक्ता मंडल को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। इसे शिवपाल यादव के भाजपा में जाने के रूप में भी देखा जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, ''प्रसपा ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी तथा राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक प्रकोष्ठों की सभी कार्यकारिणियों और संपूर्ण प्रवक्ता मंडल को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है।''

समाजवादी पार्टी के नेतृत्व से नाराजगी के बाद प्रसपा मुखिया शिवपाल यादव की भारतीय जनता पार्टी से बढ़ती नजदीकियों के मद्देनजर पार्टी द्वारा उठाए गए इस कदम के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेता दीपक मिश्रा ने इसे सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया बताया है। मिश्रा ने कहा कि सभी ईकाइयां भंग किया जाना विधानसभा चुनाव के बाद की एक सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि, यह कदम इस समय उठाया गया है इसीलिए इसे लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो हफ्ते के अंदर पार्टी की सभी ईकाइयों का पुनर्गठन कर लिया जाएगा। लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो शिवपाल यादव का अब भाजपा में जाना लगभग तय हो गया है बस अब सिर्फ एलान का काम बचा है। गौरतलब है कि वर्ष 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से संगठन और सत्ता पर नियंत्रण के लिए संघर्ष के बाद शिवपाल सिंह यादव ने अलग पार्टी बना ली थी। हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव से ऐन पहले शिवपाल और अखिलेश साथ आए थे और शिवपाल ने सपा के टिकट पर जसवंत नगर विधानसभा सीट से सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था। हालांकि, विधानसभा चुनाव में पार्टी की पराजय के बाद सपा विधायकों की हुई बैठक में नहीं बुलाए जाने से शिवपाल नाराज हो गए और उनकी भाजपा से नजदीकी बढ़ती गई। अखिलेश से दोबारा नाराजगी के बाद शिवपाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और बाद में उन्हें ट्वीटर पर फॉलो करना भी शुरू कर दिया, जिसके बाद शिवपाल के भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई।

आजम खान के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

फिरोजाबाद की एक अदालत ने भड़काऊ भाषण देने के 15 साल पुराने एक मामले में समाजवादी पार्टी के विधायक आजम खान के खिलाफ शुक्रवार को गैर जमानती वारंट जारी किया है। जनपद न्यायालय के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने पूर्व नगर विकास मंत्री आजम खान के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। वारंट में 30 अप्रैल को अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया गया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमरीश त्रिपाठी की अदालत द्वारा जारी आदेश के अनुसार, खान पर वर्ष 2007 में चुनाव के दौरान रसूलपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला हुसैनी में की गई एक जनसभा में उत्तेजक भाषण देने का आरोप लगा था। इसका मुकदमा अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चल रहा था। कथित उत्तेजक सांप्रदायिकता वाले भाषण को लेकर तत्कालीन निर्वाचन अधिकारी ने चार अप्रैल 2007 को रसूलपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

इस मामले में आजम खान ने उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश ले लिया था। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जारी गैर जमानती वारंट में लिखा गया है कि आजम खान की ओर से उनके वकील द्वारा ऐसा कोई आदेश प्रस्तुत नहीं किया गया है जिसमें लिखा हो कि स्थगनादेश की अवधि को बढ़ाया गया है।

राजनीति

- पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, ''प्रसपा ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी तथा राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक प्रकोष्ठों की सभी कार्यकारिणियों और संपूर्ण प्रवक्ता मंडल को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है।

दिल्ली के बापड़ौला में बिजनेस नॉलेज पार्क (केबीआई) की जगह बनेगी आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिटी

अदालत

- 55 एकड़ जमीन पर दो साल में बनकर हो जायेगी तैयार, डीडीसी और ईपीआईपी इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट फाउंडेशन के साथ हुआ करार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में देशी-विदेशी विशेषज्ञों और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर एक आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिटी बनाने की योजना तैयार की है। इसके डीडीसी और ईपीआईपी इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट फाउंडेशन के साथ करार हो चुका है। दिल्ली के बापड़ौला गांव की 55 एकड़ जमीन पर इस आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिटी को बनाया जायेगा। इसे लेकर सरकार ने सलाहकार फर्म के साथ करार किया है, इसके बाद अब निर्माण की दिशा में काम शुरू हो गया है। सरकार का लक्ष्य है कि डेढ़ से दो वर्ष के अंदर इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाने का काम पूरा हो जाए। इसके लिए सरकार प्रत्यक्ष रूप से करीब ढाई हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। पहले यहां बिजनेस नॉलेज पार्क (केबीआई) विकसित किया जाना था, लेकिन अब सरकार चाहती है कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर राजधानी में आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिटी बने। ताकि तेजी से बढ़ रही इलेक्ट्रॉनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल और प्रशिक्षित युवा तैयार हों, इसलिए इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाई जा रही है। इसके लिए बीते दिनों डीडीसी और ईपीआईपी इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट फाउंडेशन के साथ करार हो चुका है। इसके साथ ही सरकार जल्द ही कुछ और कंपनियों व संगठनों के साथ करार करने जा रही है, जिसके जरिए उत्पाद के डिजाइन, निर्माण, बिक्री, मरम्मत व अन्य सेवाओं के लिए निवेश आकर्षित किया जाएगा।

रानीखेड़ा में विनिर्माण केंद्र का काम अटका

मुंडका के रानीखेड़ा में 147 एकड़ जमीन पर विश्वस्तरीय विनिर्माण केंद्र बनाने का काम फिर अटक गया है। दिल्ली स्टेट इंडस्ट्री एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कूड़ा निस्तारण से जुड़ा मामला एनजीटी में लंबित है, जिसके चलते निर्माण कार्य रुक गया है। कूड़ा संबंधी जिम्मेदारी डीडीए के कार्य क्षेत्र में आती है। जब तक एनजीटी से अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सकता है।

शर्मनाक! पंजाबी बाग में लापता बेटी को खोज रही मां हुई गैंगरेप की शिकार

मदद के नाम पर 4 लोगों ने किया रेप, पुलिस ने चार घंटे बाद 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। पंजाबी बाग में अपनी लापता बेटी को ढूंढने निकली एक महिला को अंजान लोगों की मदद उस समय भारी पड़ गई जब आरोपियों ने महिला को धोखे से एक मकान में ले जाकर चार लोगों ने उसके साथ सामूहिक गैंगरेप किया। पुलिस को घटना की सूचना शुक्रवार सुबह महिला ने होश में आने के बाद दी। पंजाबी बाग थाना पुलिस ने महिला शिकायत पर सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए चार घंटे बाद ही 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पास के ही एक रेस्तरां में वेटर का काम करते थे।

पुलिस के अनुसार 36 वर्षीय पीड़िता मूल रूप से नेपाल की रहने वाली है। वह पति व बच्चों के साथ पंजाबी बाग में रहती है। गुरुवार रात महिला की 17 वर्षीय नाबालिग बेटी बिना कुछ बताए घर से कहीं चली गई थी। महिला उसे ढूंढने के लिए घर से निकली तो एक रेस्तरां के बाहर चार लोग खड़े थे जिन्होने महिला को परेशान देख मामला पूछा और उसकी बेटी को ढूंढने में मदद का भरोसा दिलाया। इसी बीच आरोपी नाबालिग को ढूंढने के बहाने उसे मादीपुर के एक मकान में ले गए। वहां आरोपियों ने उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाई जिसे पीने के बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ी। इसके बाद उन चारों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। और फरार हो गये। पुलिस ने कहा कि सुबह जब उसे होश आया तो उसे अपने साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की वारदात का पता चला। इसके बाद उसने शुक्रवार सुबह एक पीसीआर कॉल कर घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि महिला की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवीन सिंह (28), बिश्व मोहन आचार्य (26) और अक्षय तनेजा (30) के रूप में हुई है। ये सभी पास के एक रेस्तरां में वेटर के रूप में काम करते थे। हालांकि अभी भी एक आरोपी फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

अलीगढ़ में महिला से ऑटो में रेप

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/अलीगढ़/यूपी/भावना शर्मा/- अलीगढ़ के अकराबाद में गुरुवार देर रात एक महिला से ऑटो में दो आरोपियों ने दुष्कर्म किया। 35 वर्षीय पीड़िता मूल रूप से अलीगढ़ की है और दिल्ली के मयूर विहार में रहती है। पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शुभम पटेल ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस अपराधियों की पहचान के लिए वीडियो फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि जब गुरुवार देर शाम महिला यहां उत्तर प्रदेश रोडवेज बस स्टैंड से लगभग 15 किलोमीटर दूर अपने पैतृक गांव जा रही थी तभी अकराबाद थाना क्षेत्र में यह वारदात हुई। महिला की शिकायत का हवाला देते हुए पुलिस ने बताया कि अलीगढ़ बस स्टैंड पर पहुंचने के बाद महिला ने अपने गांव जाने के लिए एक ऑटो-रिक्शा किराए पर लिया जिसके चालक ने उसी गंतव्य के लिए एक और यात्री को बैठा लिया। शिकायतकर्ता के हवाले से पुलिस ने बताया कि ऑटो के शहर के बाहरी इलाके को पार करने के बाद चालक, उसके सहायक और अन्य यात्री ने महिला को लूट लिया और उसका यौन उत्पीड़न किया और उसे सड़क किनारे फेंक दिया।

लोन के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

लोन चुकाने के लिए करते है रिश्तेदारों के पास कॉल, अभद्र भाषा का करते है प्रयोग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। दिल्ली पुलिस ने लोन के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले एक गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऑनलाइन ऐप के जरिए पहले दो महीने के लिए इंट्रेस्ट फ्री लोन देने का वादा करते हैं फिर अगले ही दिन से फोन हैक करके पीड़ित के तमाम रिश्तेदारों और घरवालों को फोन करके उनसे लोन अमाउंट से कहीं ज्यादा रकम वापस मांगते हैं। इन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी दिल्ली, यूपी और हरियाणा के अलग-अलग शहरों से हुई है। पुलिस ने बताया कि कोलकाता के रहने वाले एक शख्स ने 15 मार्च को साइबर क्राइम को शिकायत दी थी कि पिछले कुछ दिनों से उनके रिश्तेदारों और दोस्तों के पास अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय नंबरों से व्हाट्सएप कॉल की जा रही हैं. उन सभी से कहा जा रहा है कि मैंने जो लोन लिया है वो वापस कर दूं जबकि उन्होंने कभी कोई लोन नहीं लिया और फोन करने वाले बेहद अभद्र और अश्लील भाषा का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान दिल्ली पुलिस को पता लगा कि जिन व्हाट्सएप नंबरों से लोगों को कॉल किया जा रहा है वे नंबर धोखाधड़ी से हासिल किए गए हैं। ज्यादातर नंबर असम और पश्चिम बंगाल के इलाकों के ही निकले। आरोपियों तक पहुंचने के लिए, फिर दिल्ली पुलिस ने उनकी लोकेशन ट्रैक की। फिर मनी ट्रांसफर गेटवे के जरिए पुलिस ने आरोपियों का पता लगाया। सबसे पहली गिरफ्तारी सोनू सिंह नाम के एक शख्स की दिल्ली के बिजवासन इलाके से की गई। सोनू की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने फर्रुखाबाद इलाके से विकास सिंह को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से वे मोबाइल फोन भी बरामद किए गए जिनसे आरोपी लोगों को फोन कर धमकी देते हैं। इसके बाद पुलिस ने हरप्रीत और विकास को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने अब तक इस मामले में कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने अपना एक ऐप बना रखा है जिसे डाउनलोड करने पर ऐप पर अलग-अलग तरह की परमिशन मांगी जाती है। यहीं से आरोपी लोगों का नंबर आसानी से निकलवा लेते हैं और उन्हें ठगी का शिकार बनाते हैं। पुलिस के मुताबिक, लोगों से लिया गया पैसा कृष्णा नाम का एक शख्स क्रिप्टो करंसी में बदलकर चीन भेज देता है।

ठगी

- पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान दिल्ली पुलिस को पता लगा कि जिन व्हाट्सएप नंबरों से लोगों को कॉल किया जा रहा है

सांसद हरभजन सिंह का एलान, किसानों की बेटियों की शिक्षा पर खर्च करेंगे अपना वेतन, हर तरफ हो रही तारीफ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। हाल ही में आम आदमी पार्टी की तरफ से क्रिकेट से राजनीति में आए ऑफ स्पिनर एवं राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह ने एक नेक पहल का एलान किया है। अपने एलान में उन्होने कहा कि मैं अपनी सांसद का वेतन किसानों की बेटियों की शिक्षा पर खर्च करना चाहता हूं। हरभजन सिंह ने शनिवार (16 अप्रैल) को ट्वीट करते हुए लिखा, 'बतौर राज्यसभा सदस्य, मैं किसानों की बेटियों की पढ़ाई और सामाजिक कामों के लिए अपनी राज्ससभा की सैलेरी देना चाहता हूं. मैं अपने देश को बेहतर बनाने में योगदान देना चाहता हूं और मैं वह सब कुछ करूंगा, जो मैं कर सकता हूं।' हरभजन सिंह ने पिछले साल 24 दिसंबर को ही क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्हें कई मौकों पर पंजाब में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के साथ देखा गया था। तब कयास लगाए जा रहे थे कि भज्जी जल्द ही कांग्रेस या फिर भाजपा में शामिल हो सकते हैं हालांकि ऐसा नहीं हुआ और उन्होंने आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। बताया जाता है कि भज्जी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के करीबी हैं। हरभजन का क्रिकेटिंग करियर 23 साल का रहा है. फिलहाल वे आईपीएल 2022 सीजन में कमेंट्री कर रहे हैं. दिग्गज स्पिनर रभजन सिंह अपने करियर में 2011 विश्व कप और 2007 टी-20 विश्व कप विजेता टीम के भी सदस्य रहे. उन्होंने 2011 के विश्व कप में 9 विकेट हासिल किए थे और 2007 टी-20 विश्व कप में 7 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई. पंजाब के जालंधर में जन्मे हरभजन ने अपने शानदार करियर के दौरान 103 टेस्ट में 417 विकेट और 236 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 269 विकेट लिए. इनके अलावा उनके नाम 28 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबलों में 25 विकेट भी दर्ज हैं। भज्जी ने आईपीएल में भी 163 मैच खेले, जिसमें 150 विकेट लिए हैं। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के लिए क्रिकेट खेली है।

चुनाव -प्रशांत किशोर के कांग्रेस ज्वाइन करने की भी लगाई जा रही अटकले

2024 के चुनाव को लेकर कांग्रेस का मंथन, प्रशांत किशोर ने दिया प्रेजेंटेशन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर बड़ी तैयारी शुरू करने के संकेत दिये हैं। प्रशांत किशोर ने हाल ही में 2024 के आम चुनाव सहित बड़े चुनावों से पहले कांग्रेस को पुनर्जीवित करने में भूमिका के लिए गांधी परिवार के साथ बातचीत फिर से शुरू की है। कई दौर की बातचीत के बाद दोनों पक्ष पहले भी अलग हो गए थे। पीके के करीबी सूत्रों ने कांग्रेस के इस संस्करण का खंडन किया है कि बातचीत इस साल के अंत में गुजरात चुनाव पर केंद्रित है। सूत्रों की माने तो कांग्रेस नेतृत्व और प्रशांत किशोर मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनाव के खाके पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर कांग्रेस के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने को लेकर अटकलें चल रही हैं। इन अटकलों को आज उस समय और बल मिला जह वह पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ दिल्ली में उनके आवास पर बैठक में शामिल रहे हैं। इस बैठक में केसी वेणुगोपाल भी शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि गुजरात या किसी अन्य राज्य में चुनाव पीके के असाइनमेंट और जिम्मेदारी के अनुरूप हो सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि प्रशांत किशोर की बातचीत केवल गुजरात चुनावों पर काम करने की पेशकश है। सूत्रों का कहना है कि पीके का सलाहकार की भूमिका निभाने के बजाय कांग्रेस में शामिल होना अभी भी एक संभावना मात्र है। हालाकि, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। ममता बनर्जी की बंगाल जीत के हफ्तों बाद पीके और गांधी परिवार के बीच बातचीत टूट गई थी। बंगाल में टीएमसी की जीत में पीके ने रणनीतिकार के रूप में एक बड़ी भूमिका निभाई। बाद में कांग्रेस ने अपने चुनाव अभियानों को संभालने के लिए पीके के एक पूर्व सहयोगी के साथ करार किया। पीके ने हाल के दिनों में कांग्रेस विशेषकर राहुल गांधी पर सार्वजनिक रूप से कटाक्ष किया था। दोनों पक्षों ने पार्टी की हालिया हार के बाद एक और दौर की बातचीत के एक समझौता करने की इच्छा दिखाई है। हालांकि, इस बात की संभावना बहुत अधिक है कि दोनों पक्षों के बीच दूसरे राउंड की वार्ता बेकार हो सकता है।

खास ख़बर

तिलकनगर में सरेआम बीच चौराहे युवक की चाकू से गोदकर हत्या

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में रुपयों के लेनदेन को लेकर एक युवक की सरेआम बीच चौराहे चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को करीब 8 से 10 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया हालांकि, पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। वहीं, अन्य फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। जबकि मृतक के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है और इस मामले से जुड़े मुख्य आरोपियों को नही पकड़नें का भी इल्जाम लगाया है। दरअसल, मृतक रणजीत तिलकनगर के रघुबीर नगर इलाके में परिवार के साथ रहता था। 10 अप्रैल को रुपयों के लेनदेन में रणजीत (28) पर 8 से 10 लोगों ने हमला कर दिया और उसकी चाकू घोंपकर हत्या कर दी। रणजीत के परिवार में पिता सरदार रणबीर सिंह, एक भाई, तीन बहनें और अन्य सदस्य हैं। पुलिस ने बताया कि सरदार रणबीर सिंह नई दिल्ली इलाके में चश्मे बेचने का काम करते हैं जबकि उनका बेटा रणजीत एक फैक्टरी में काम करता था। 10 अप्रैल देर रात को परिवार को सूचना मिली कि घर के पास ही कुछ लड़के रणजीत को पीट रहे हैं। परिवार वहां पहुंचा तो रणजीत वहां खून से लथपथ पड़ा मिला। उसे ऑटो में डालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की छानबीन शुरू की जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान भोलू, गोलू, सौरभ, टिंकू और संजय के रूप में हुई है। भोलू, गोलू और सौरभ सगे भाई हैं जबकि बाकी दोनों इनके चचेरे भाई हैं। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि रुपयों की लेनदेन में आरोपियों ने रणजीत की चाकू घोंपकर हत्या की थी। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन करते हुए अन्य फरार आरोपियों की तलाश भी कर रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की गहराई से जांच में जुट गई है। वहीं, पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस मामले में लापरवाही बरत रही है और इस मामले से जुड़े मुख्य आरोपियों को अभी तक नहीं पकड़ा गया है।

पीएम मोदी ने मोरबी में किया 108 फीट ऊंची हनुमान की मूर्ति का अनावरण

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/ मोरबी/ शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर गुजरात के मोरबी में राम भक्त हनुमान जी की 108 फीट ऊंची मूर्ति का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हनुमान जी अपनी भक्ति से, अपने सेवाभाव से, सबको जोड़ते हैं। हर कोई हनुमान जी से प्रेरणा पाता है। इसलिए एक भारत, श्रेष्ठ भारत के भी हनुमान जी एक अहम सूत्र हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मूर्ति का अनावरण करते हुए कहा कि हनुमान वो शक्ति और संबल हैं जिन्होंने समस्त वनवासी प्रजातियों और वन बंधुओं को मान और सम्मान का अधिकार दिलाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि रामकथा का आयोजन भी देश के अलग-अलग हिस्सों में किया जाता है। भाषा-बोली जो भी हो, लेकिन रामकथा की भावना सभी को जोड़ती है, प्रभु भक्ति के साथ एकाकार करती है। यही तो भारतीय आस्था की, हमारे आध्यात्म की, हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा की ताकत है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे बताया गया है कि हनुमान जी की इस तरह की 108 फीट ऊंची प्रतिमा देश के अलग-अलग कोने में स्थापित की जा रही है। हम पिछले कई वर्षों से शिमला में हनुमान जी की प्रतिमा देख रहे हैं, आज मोरबी में दूसरी प्रतिमा स्थापित हुई है। दो अन्य मूर्तियों को दक्षिण में, रामेश्वरम और पश्चिम बंगाल में स्थापित करने का कार्य चल रहा है। मोरबी में मोदी ने कहा कि सबका साथ, सबका प्रयास का उत्तम प्रमाण प्रभु राम की जीवन लीला भी है। जिसके हनुमानजी बहुत अहम सूत्र रहे हैं। सबका प्रयास की इसी भावना से आजादी के अमृत काल को हमें उज्जवल करना है।

गरीबी कोटे के तहत मिलने वाले पैसे का गबन कर रहे प्राइवेट स्कूल

गरीब बच्चों को नही दी जा रही किताबें व वर्दी, अभिभावक परेशान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली सरकार वैसे तो शिक्षा व स्कूलों को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है। पंजाब में तो आप सरकार ने प्राइवेट स्कूलों पर शिकंजा कसना भी शुरू कर दिया है लेकिन दिल्ली में सरकार के दावे उस समय हवा हवाई होते दिखे जब प्राइवेट स्कूलों की फीस व दाखिले को लेकर चल रही मनमानी की शिकायतों पर सरकार अपना रूख नही स्पष्ट कर पाई। अब प्राइवेट स्कूलों पर सरकार द्वारा गरीबी कोटे के बच्चों के लिए किताबों व वर्दी के पैसे में गबन करने का मामला सामने आया है और दिल्ली सरकार इस पर भी चुप्पी साधे हुए है। इस सारे मामले से जहां गरीब बच्चों की शिक्षा पर सवालिया निशान लग गया है वहीं बच्चों के अभिभावक अपनी शिकायतों को लेकर इधर-उधर ही भटक रहे हैं। यहां बता दें कि दिल्ली में अब पब्लिक स्कूल पूरी तरह से मनमानी पर उतर आये है। दिल्ली में ऐसे अनेकों स्कूल है जो सरकार द्वारा दिए जा रहे पैसे का गबन कर रहे हैं? सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए क़िताब, कापियों और वर्दी के पैसे स्कूलों को देती है। लेकिन स्कूल बच्चों को वर्दी और किताबें मुफ्त नहीं देते हैं। आर्थिक रुप से कमजोर माता-पिता हजारों रुपयों की किताबें, कापियां और वर्दी स्कूल से खरीदने के लिए मजबूर हैं। स्कूल वाले इस तरह बच्चों के नाम पर सरकार द्वारा दिए जा रहे पैसे को हड़प कर अपराध कर रहे हैं। अभिभावकों ने दिल्ली सरकार के उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को ऐसी पुख्ता व्यवस्था करने की मांग की है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चों को वर्दी और किताबें मिल सही से मिल रहे हैं। उन्होने उन शिक्षा अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाया है जिनके क्षेत्र में इस तरह की धोखाधड़ी चल रही है। अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा विभाग के अफसरों कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सरकारी योजना का लाभ उन गरीब बच्चों को मिले जिनके लिए योजना बनाई गई हैं। शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि सरकार पब्लिक स्कूल वालों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को वर्दी, किताबें, कापियां आदि देने के लिए रकम देती है। स्कूल वाले शिक्षा विभाग में उन बच्चों की सूची और बिल भी जमा कराते हैं जिनको वर्दी और किताबें दी गई है। जिसके आधार पर सरकार स्कूल को रकम का भुगतान करती हैं। शिक्षा विभाग के जोन के संबंधित अफसरों का काम होता है कि वह खुद भी बच्चों के अभिभावकों से संपर्क करें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को वर्दी और किताबें स्कूल ने दी हैं या नहीं। शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि कई अफसर अपने कार्य को पूरी गंभीरता और ईमानदारी से करते हैं वह केवल स्कूल द्वारा दिखाए गए रिकार्ड से ही संतुष्ट नहीं होते हैं। स्कूल ने बच्चों को वास्तव में वर्दी और किताबें दी है या नहीं, यह पता लगाने के लिए ऐसे अफसर खुद ही अभिभावकों से संपर्क भी करते हैं। अगर सभी अफसर इसी तरीके से कार्य करें तो सरकार की योजना का लाभ जरुरतमंद बच्चों को मिल सकता है। बच्चों को वर्दी और किताब कापियां नहीं दिए जाने से पता चलता है कि शिक्षा विभाग के अफसरों की लापरवाही या स्कूल वालों से उनकी मिलीभगत के चलते बच्चों को वर्दी और किताबें नहीं मिलती। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के अभिभावक किताबों, कापियों और वर्दी के लिए स्कूल के चक्कर काट रहे हैं। बिना किताबों के वह कैसे बच्चों को पढ़ाएं। हैरानी की बात है कि स्कूल स्टाफ द्वारा प्रिंसिपल का फोन नंबर तक नहीं दिया जाता। ऐसे में परेशान अभिभावक किसके सामने अपनी समस्या रखें। नाम उजागर करने पर उनके बच्चों को स्कूल वाले परेशान कर देंगे इस लिए अभिभावक अपना और बच्चों का नाम उजागर नहीं करना चाहते। अभिभावकों ने बताया कि यह सिलसिला सालों से चल रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की दो बहनों ने भी इस स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई की है। लेकिन कभी भी वर्दी और किताबें स्कूल की तरफ से नहीं दी गई थी। अभिभावकों ने सरकार से इस मामले में व्यापक जांच करने की अपील की है। उनका कहना है कि सरकार पब्लिक स्कूलों के पिछले कुछ सालों में कितने गरीब बच्चों को वर्दी और किताबें दी है इसका रिकॉर्ड तो शिक्षा विभाग को दिया ही गया होगा। शिक्षा मंत्री को उस रिकॉर्ड की जांच करानी चाहिए। उन सभी बच्चों के अभिभावकों से निजी रुप से अफसरों को संपर्क करना चाहिए तभी यह सच्चाई मालूम होगी कि कितने बच्चों को वाकई में वर्दी और किताबें स्कूल से मिली थी। सच्चाई पता लगाने के लिए अफसरों को बारहवीं पास कर चुके इस स्कूल के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उन बच्चों से भी संपर्क करना चाहिए। वह बच्चे अब खुल कर बता सकते हैं कि उनको स्कूल से वर्दी और किताबें मिली थी या नहीं। स्कूलों द्वारा दिखाए गए रिकार्ड में अभिभावकों के हस्ताक्षर की सत्यता की भी जांच करानी चाहिए।

मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को लेकर मनसे ने गृहमंत्री को लिखा पत्र

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

मुंबई/शिव कुमार यादव। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में, नासिक मनसे के जिलाध्यक्ष अंकुश पवार ने मांग की है कि केंद्र को मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए कदम उठाना चाहिए। साथ ही महाराष्ट्र सरकार को मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने और राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का भी निर्देश दिया जाना चाहिए। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को चेतावनी दी है कि वह 3 मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा दें, ऐसा नहीं करने पर मनसे कार्यकर्ता मस्जिदों के बाहर स्पीकर लगाएंगे और हनुमान चालीसा बजाएंगे। राज ठाकरे ने इस मुद्दे को एक सामाजिक करार दिया और कहा कि वह इस विषय पर पीछे नहीं हटेंगे, साथ ही शिवसेना सरकार को जो कुछ भी आप करना चाहते हैं करने की चुनौती दे रहे हैं। मनसे प्रमुख ने कहा, मस्जिदों में लाउडस्पीकर 3 मई तक बंद कर दिए जाने चाहिए, नहीं तो हम हनुमान चालीसा बजाएंगे। यह एक सामाजिक मुद्दा है, धार्मिक नहीं। मैं राज्य सरकार से कहना चाहता हूं, हम इस विषय पर पीछे नहीं हटेंगे, आप जो भी करना चाहते हैं करें।'इसके अतिरिक्त, राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुंबई में मुस्लिम क्षेत्रों में मस्जिदों पर छापे मारने की भी अपील की और कहा कि वहां रहने वाले लोग पाकिस्तानी समर्थक÷हैं। उन्होंने कहा, मैं पीएम मोदी से मुस्लिम झुग्गियों में मदरसों पर छापा मारने की अपील करता हूं। पाकिस्तानी समर्थक इन झोंपड़ियों में रह रहे हैं। मुंबई पुलिस जानती है कि वहां क्या हो रहा है। हमारे विधायक वोट-बैंक के लिए उनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

कश्मीर घाटी में फिर 1990 जैसे हालात बने, कश्मीरी हिन्दूओं को फिर बनाया जा रहा निशाना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

जम्मू-कश्मीर/शिव कुमार यादव/- कश्मीर घाटी में एक बार फिर से हालात बिगड़ने शुरू हो गये है। हालांकि सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से आतंकियों के सफाये में जुटे है लेकिन घाटी में कश्मीरी पंडितों पर आतंकी हमलों की घटनाऐं दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही हैं। जिसे देखते हुए कश्मीरी पंडितों के संगठनों का कहना है कि घाटी में 1990 के दशक जैसी स्थिति वापस आ रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। जम्मू-कश्मीर पीस फोरम और कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने पंडितों को कश्मीर छोड़ने के लिए कहने वाले धमकी भरे पत्रों पर चिंता जताई। जम्मू-कश्मीर पीस फोरम के अध्यक्ष सतीश महलदार ने कहा, ÷पिछले दो दिनों से एक बार फिर कश्मीरी पंडितों को विशेष रूप से लश्कर-ए-इस्लाम द्वारा धमकी भरा पत्र जारी किया गया है, जो सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। हम अपने घरों में भयभीत हैं और डर के माहौल में सांस ले रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और दिल्ली में सभी अधिकारियों और रिश्तेदारों से हम खुद को बचाने की गुहार लगाते हैं। महलदार ने कहा कि मैं मुफ्ती, उलेमा, मौलवी और घाटी के अन्य लोगों से अपील करता हूं कि वे आगे आएं और बहुलवादी समाज को बचाएं। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि बहुलवाद हमारी विरासत है। उन्होंने कुलगाम जिले के एक स्थानीय राजपूत सतीश सिंह की हालिया हत्या का भी जिक्र किया, जिसकी अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि हत्या से कश्मीर में रहने वाले पूरे अल्पसंख्यक समुदाय में खलबली मच गई। 5 अगस्त 2019 के बाद, जब जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया, कश्मीर में गैर-स्थानीय मजदूरों, ड्राइवरों और अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों की रुक-रुक कर हत्याएं देखी गई हैं। हाल के हफ्तों में हमलों के ताजा दौर में दक्षिण कश्मीर के कई हिस्सों में कम से कम सात गैर-स्थानीय मजदूरों को गोली मार दी गई और उन्हें घायल कर दिया गया। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों के प्रवास के मुद्दे पर विवादास्पद बहस छेड़ दी है और यह समुदायों व विचारों का ध्रुवीकरण किया है।

खस की खेती बना रही किसानों को खास, आमदनी जानकर दंग रह जाएंगे आप

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

पटना/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। बिहार के गोपालगंज के किसान पारंपरिक खेती को छोड़ औषधीय पौधों की खेती कर अपना जीवन बदल रहे हैं। आसपास के लोग अब उनकी खेती के तौरतरीकों को देखने लिए भी पंहुचने लगे। गोपालगंज के किसान मेघराज ऐसे किसान है जिन्होने खस की खेती से अपने साथ-साथ इलाके की भी तस्वीर बदल दी है। मेघराज की खेती की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। वही सरकार भी अब क्षेत्र में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं को चला रही है ताकि किसानों को ज्यादा फायदा मिल सके। कोरोना महामारी ने औषधीय पौधों की अहमियत और ज्यादा बढ़ा दी है। यही वजह है कि बाजार में औषधीय पौधों की मांग बढ़ गई है। यह खेती किसानों के लिए लाभ का धंधा साबित हो रही है। बता दें कि पटना/गोपालगंज. सदर प्रखंड के कररिया गांव के रहनेवाले किसान मेघराज प्रसाद खस (औषधीय पौधा) की खेती कर खास बन गए हैं। करीब 20 एकड़ में खस की खेती कर मेघराज सलाना 20 लाख की आमदनी कर रहे हैं। मेघराज उन किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं, जिन किसानों की फसल बाढ़ और ओलावृष्टि में बर्बाद हो जाती है। बाढ़ और सुखाड़ से परेशान किसानों के लिए खस की खेती किसी वरदान से कम नहीं है। आत्मनिर्भर और कुछ अलग करने की सोच ने मेघराज को सफल किसान बनाया। मेघराज ने बताया कि अरुणाचल में एक मित्र के सहयोग से औषधीय पौधे के बारे के जानकारी ली। इसके बाद लखनऊ के सीमैप रिसर्च सेंटर जाकर ट्रेनिंग ली। यहीं से उन्होंने 20 हजार रुपए के 10 हजार बीज खरीदे। शुरुआती दौर में मेघराज ने एक बीघे में खेती की, जिससे एक लाख की आमदनी हुई। देखते ही देखते उन्होंने 20 बीघे में खेती शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि खस की खेती को सूखा-बाढ़ और जंगली जानवरों से कोई नुकसान नहीं होता है। यह फसल विषम माहौल में भी फलती-फूलती है। शून्य से चार डिग्री से लेकर 56 डिग्री तापमान तक में इस पौधे को नुकसान नहीं होता। मेघराज बताते हैं कि खस के पौधे की जड़ से सुगंधित तेल निकाला जाता है जो बहुपयोगी है। खासकर इत्र निर्माण में इसका इस्तेमाल किया जाता है। साबुन, सुगंधित प्रसाधन सामग्री निर्माण में भी इसका इस्तेमाल होता है। मोतिहारी के पिपराकोठी में पेराई कर इसका तेल निकाला जाता है, जिसकी कीमत 17 हज़ार रुपए प्रति लीटर है।

युवक से झपटमारी करना बदमाशों को पड़ा मंहगा, 8 मोबाइल व स्कूटी छोड़ भागे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। वेलकम इलाके में बदमाशों को एक युवक से झपटमारी करना उस समय मंहगा पड़ गया जब युवक ने बिना डरे बहादुरी दिखाते हुए न केवल बदमाशों का सामना किया बल्कि बदमाशों को अपना चोरी का सामान छोड़कर भागने पर विवश होना पड़ा। हालांकि एक बदमाश को मौके पर पकड़ भी लिया गया था लेकिन वह भी अपने आप को छुड़ाकर फरार हो गया। इस दौरान बदमाश स्कूटी व आठ मोबाइल छोडक़र मौके से फरार हो गए। सूचना के आधार पर मौके पर पंहुची पुलिस ने 8 मोबाइल व स्कूटी को जब्त कर लिया है। जानकारी के मुताबिक प्रथम पांचाल परिवार के साथ शाहदरा इलाके में रहता है और पढ़ाई करता है। प्रथम 12 अप्रैल को वेलकम इलाके में टहल रहा था। तभी स्कूटी सवार दो बदमाश आए और उसके हाथ से मोबाइल झपटने का प्रयास करने लगे, मगर मोबाइल झपट नहीं पाए। प्रथम ने बदमाशों को पीछा किया और बदमाशों को पकडऩे लगा। इस दौरान बदमाश स्कूटी लेकर गिर गए। एक बदमाश तुरंत मौके से भाग गया। जबकि दूसरे बदमाश को पकड़ लिया। बदमाश के पास एक पन्नी में मोबाइल फोन थे। वह किसी तरह अपने को छुड़ाकर वहां से भाग गया। सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्कूटी व पन्नी में रखे आठ मोबाइल फोन को जब्त कर लिए है। पुलिस अधिकारियों ने युवक के साहस की प्रशंसा की है।

केजरीवाल का बड़ा एलान, वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों को भी मिलेगा तीर्थयात्रा का लाभ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राजधानी में वृद्धाश्रमों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को भी मुफ्त में तीर्थयात्रा पर भेजेगी। केजरीवाल ने यहां पूर्वी दिल्ली के कांति नगर में राजधानी के चौथे वृद्धाश्रम 'बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर वरिष्ठ नागरिक गृह' के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारे बुजुर्गों को कभी भी अपना घर नहीं छोड़ना पड़ेगा, लेकिन अगर किसी कारणवश उन्हें ऐसा करना पड़े, तो हम उनका पूरा ध्यान रखेंगे और साथ ही उन्हें खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। हम उन्हें यहां घर जैसा माहौल देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अभी चार वृद्धाश्रम हैं, इसके अलावा पांच और जल्द ही बनकर तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर इन नौ वृद्धाश्रम में एक हजार वरिष्ठ नागरिकों के रहने की व्यवस्था होगी। श्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा पर भेजती है। यह यात्रा 2020 और 2021 में महामारी के प्रकोप के कारण आयोजित नहीं की जा सकी, लेकिन अब इसे फिर से शुरू कर दिया गया है। हम वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा पर भेजेंगे। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ''दिल्ली में आज से 'बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर वरिष्ठ नागरिक निवास' नाम से शानदार सीनियर सिटीजन होम की शुरुआत हुई। जिन बुजुर्गों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, उनका ख्याल हम रखेंगे, उन्हें सम्मान की जिंदगी देंगे। इस निवास में उनके लिए सारी सुविधाएं एकदम फ्री होंगी।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक सरकार के खर्चे पर तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए पांचवां वृद्धाश्रम तीन महीने के भीतर पश्चिम विहार इलाके में बनकर तैयार हो जाएगा।

आरोप भीड़भाड़ वाले मेट्रो स्टेशनों पर लोगों को निशाना बनाती थी गैंग की महिलाऐं

दिल्ली पुलिस ने किया महिला जेबकतरी गैंग का पर्दाफाश, 6 आरोपियों को पकड़ा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल मेट्रो यूनिट पुलिस ने मेट्रो और भीड़-भाड़ वाली जगहों में लोगों की जेब कतरने वाले महिला गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह की 6 अपराधियों को चोरी व जेबकतरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लक्ष्मी, पूजा, शशि, वर्षा, आंचल और यमुना के रूप में की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि और मामलों का खुलासा हो सके। डीसीपी मेट्रो जितेंद्र मणि ने बताया कि 30 मार्च को, दिल्ली के द्वारका निवासी रोहित राज ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके माता-पिता से मेट्रो लिफ्ट में उनका बटुआ लूट लिया गया। पीड़िता ने अपनी पुलिस शिकायत में कहा कि उसके माता-पिता और भाई 30 मार्च को ट्रेन में चढ़ने के लिए आनंद विहार मेट्रो स्टेशन पहुंचे थे। चार से पांच महिलाओं का एक गिरोह उनके साथ लिफ्ट में चढ़ा और बैगेज बैग से पर्स निकाल लिया। बटुए में एक लाख रुपये की दो सोने की चेन, साथ ही आधार, पैन और डेबिट कार्ड के साथ-साथ कुछ नकदी भी थी। डीसीपी मेट्रो जितेंद्र मणि ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज का निरीक्षण किया गया और पूछताछ के दौरान सहेजा गया, और शिकायतकर्ता के पीछे एक समूह में पांच से छह संदिग्ध महिलाएं देखी गईं। डीसीपी जितेंद्र मणि ने कहा कि स्पेशल स्टाफ मेट्रो टीम के सदस्यों की कड़ी मेहनत के कारण आरोपी महिलाओं को सीसीटीवी फुटेज में पहचाना गया। जितेंद्र मणि ने यह भी कहा, 'एक विशेष स्टाफ टीम ने तुरंत कार्रवाई की और हरिद्वार में इस मामले में निरीक्षण अधिकारी के साथ स्थान पर छापा मारा। सीसीटीवी फुटेज और कॉल रिकॉर्ड विवरण के आधार पर, उत्तराखंड के हरिद्वार से चार संदिग्ध महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 30,000 रुपये की नकदी भी बरामद की गई।' अतिरिक्त पूछताछ के बाद, आरोपियों ने मेट्रो, ट्रेनों, स्टेशनों, बस स्टॉप, और खचाखच भरे साप्ताहिक बाजारों में चोरी करना स्वीकार किया है। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध बेरोजगार हैं और कम आय वाले परिवारों से आते हैं। आरोपियों में से दो लक्ष्मी और वर्षा पहले से ही विभिन्न आपराधिक मामलों में शामिल रही है।

खास ख़बर

एकीकृत निगम से एमसीडी के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का रास्ता होगा साफ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। बीते करीब दो दशकों से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे निगम के कच्चे कर्मचारियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आ रही है। अब तक निगम कर्मियों को अपनी मांगों के लिए कभी दिल्ली सरकार तो कभी एमसीडी से लड़ना होता था लेकिन अब एकीकृत निगम बन जाने पर एमसीडी में कर्मचारियों के साथ होने वाली राजनीति पर पूर्ण रूप से विराम लग जायेगा और इसके लिए सिर्फ और सिर्फ एमसीडी ही उनकी मांगों के लिए उत्तरदायी होगा। हालांकि अभी तक एमसीडी यह कहकर कर्मचारियों की मांगों को टाल देती थी कि उनके हाथ में कुछ नही है यह दिल्ली सरकार का काम है। केंद्र सरकार ने दिल्ली के तीनों निगमों के एकीकरण की योजना बना कर उन एमसीडी कर्मचारियों को लाभ पंहुचाया है जो एमसीडी व दिल्ली सरकार की राजनीति में वर्षों से पिस्ते चले आ रह थे। बता दें कि एकीकृत निगम को लेकर जो नया बिल तैयार हो चुका है, उसमें निगम के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का अधिकार केवल निगम के पास होगा। अब उसमें दिल्ली सरकार का रोल खत्म कर दिया गया है। नए बिल के तहत सफाई कर्मचारी, डीबीसी कर्मचारी, सीएफडब्लू, नाला बेलदार, चौकीदार, स्कूली आया, जैसे ग्रुप डी कर्मचारियों की वैकेंसी भरना या फिर पद सृजन करने का काम सीधे-सीधे नगर निगम के हाथ में हुआ करेगा। उधर फंड की बात करें तो दिल्ली सरकार से एमसीडी का जो हिस्सा अब तक आता रहा है वो आगे भी जारी रहेगा। लेकिन कई योजनाओं के तहत जो फंड केंद्र से दिल्ली सरकार से होकर निगम तक आया करता था वो भविष्य में सीधे एमसीडी को मिला करेगा। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा के अनुसार जो नया बिल तैयार हुआ है। उसमें स्कीम के तहत केंद्र सरकार से आने वाले फंड सीधे एमसीडी तक पहुंचा करेंगे। अब तक यह फंड दिल्ली सरकार से होकर नगर निगम में पहुंचा करते थे और कई बार दिल्ली सरकार इन फंडों को रोक भी लेती थी। वही फाइनेंस कमीशन व अन्य समितियों की सिफारिशें भी सीधे केंद्र सरकार की ओर से क्लियर हुआ करेंगी। इससे दिल्ली सरकार और एमसीडी का अब तक का झगड़ा समाप्त हो जाएगा। वही पद सृजन व रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया में भी बदलाव देखने को मिलेगा। अब तक पद सृजन को लेकर फाइल दिल्ली सरकार से पास होने के लिए जाया करती थी। जिसकी वजह से एमसीडी शासन व प्रशासन अपनी ओर से यही दलील देता रहा कि उनके हाँथ में पद सृजन का अधिकार नहीं। एकीकृत निगम में यह अधिकार केवल एमसीडी के पास होगा जिसकी वजह से निगम कर्मी अपनी मांग मजबूती से रख सकेंगे।

रोहतक के बाद अब गुरूग्राम में कैश वैन से एक करोड़ की लूट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/गुरूग्राम/शिव कुमार यादव। हरियाणा में बदमाशों के हौंसले इतने बुलंद है कि वो एक बाद एक वारदात को अंजाम दे रहे है और पुलिस को उन्हे पकड़ने के लिए ईनाम राशि को बढ़ाना पड़ रहा है। रोहतक लूट का मामला अभी शांत भी नही हुआ था कि बदमाशों ने गुरूग्राम में दिन दहाड़े एक करोड़ रूपये की लूट की वारदात को अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि जब वारदात हुई उस वक्त कर्मचारी मारुति कंपनी की एजेंसी से पैसा कलेक्ट करने गये हुए थे और दो कर्मचारी इको वैन में इंतजार कर रहे थे। पुलिस इस मामले में जांच में जुट गई है। गुरुग्राम में सदर थाने से महज 100 मीटर दूरी पर गुरुग्राम-सोहना रोड पर सोमवार दोपहर को कुछ बदमाशों ने कैश कलेक्शन करने वाली एस एंड आईबी कंपनी के कर्मचारियों की आंखों में मिर्ची डालकर एक करोड़ नकदी लूट ली। बताया जा रहा है कि सुबह से कर्मचारियों ने 11 कंपनियों से कैश कलेक्शन किया था। कलेक्शन के बाद कर्मचारी नकदी को सेक्टर-53 एचडीएफसी बैंक में जमा करते हैं। बताया जा रहा है कि जब वारदात हुई उस वक्त कर्मचारी मारुति कंपनी की एजेंसी से पैसा कलेक्ट करने के लिए इको वैन में इंतजार कर रहे थे। उसी दौरान तीन से चार बदमाश आए और उन्होंने आते ही वैन के चालक रणजीत और कलेक्शन वैन में पीछे बैठे विपिन की आंखों में मिर्च डालकर गन पॉइंट पर एक करोड़ रुपये लूट लिए।

वैज्ञानिक तरीके से बकरी पालन पालन कर पाये दोहरा लाभ- डा. श्रीवास्तव

● उजवा में वैज्ञानिक बकरी पालन प्रशिक्षण कार्य का उद्घाटन एवं व्यवसायिक जैविक खेती प्रशिक्षण का समापन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/शिव कुमार यादव। सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा, दिल्ली के द्वारा वैज्ञानिक बकरी पालन प्रशिक्षण का उद्धाटन एवं व्यवसायिक जैविक खेती के प्रशिक्षण के समापन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में डॉ .ए.के. श्रीवास्तव, कुलपति, उत्तरप्रदेश दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा, उत्तरप्रदेश उपस्थित हुयें। उन्होने कहा कि क्षेत्र के युवा एवं किसान वैज्ञानिक तरीके से बकरी पालन कर दोहरा लाभ उठा सकते है। कार्यक्रम की शुरुआत में डा. पी. के. गुप्ता, अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र व् निदेशक, एन.एच आर. डी. एफ., नई दिल्ली, ने मुख्य अतिथि एवं प्रशिक्षुकों का स्वागत अभिनंदन करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा आयोजित हो रहे व्यवसायिक प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वैज्ञानिक प्रशिक्षण का उद्धघाटन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में हमारे देश में 210 मिलियन टन दूग्ध उत्पादन हो रहा है जिसमें 49 प्रतिशत भैसों एवं 44 से 46 प्रतिशत गायों का योगदान है। डॉ. श्रीवास्तव जी ने प्रशिक्षुकों कौ दूग्ध में उपलब्ध पोषक तत्वों की शरीर में उपयोगिता के संबध में विस्तृत रुप से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में स्वरोजगार एवं कम लागत में अधिक आमदनी के लिए बकरी पालन सर्वोत्तम व्यवसाय है। क्योंकि बकरी पालन मांस व दुग्ध दोनों के लिए सर्वोत्तम है। बकरी के दुग्ध में पाये जाने वाले पोषक तत्व जैसे जिंक, सेलेनियम, कॉपर एवं आयरन अन्य पशुओं की तुलना में अधिक पायी जाती हैं। जिसके पीने से शरीर मे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। वर्तमान में हमारे देश में बकरियों की कुल संख्या 14 करोड़ से अधिक है एवं 34 प्रजातियॉ पंजीकृत है। इसी क्रम में डॉ. श्रीवास्तव ने केन्द्र की इस पहल की प्रसंशा करते हुए प्रशिक्षुकों से बकरी पालन के साथ साथ दुग्ध उत्पादन में मूल्य संवर्धन के लिए आग्रह किया एवं कहा कि बकरी के दूग्ध से हम पनीर व चीज बना सकते है जिसकी वर्तमान में बाजार में बहुत आवश्यकता है। कार्यक्रम के क्रम डॉ. जय प्रकाश विशेषज्ञ 1/4पशुपालन 1/2 ने बकरी पालन प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं आगामी 10 दिनों की प्रशिक्षण की रुपरेखा के बारे में अवगत करवाया। जैविक प्रशिक्षुकों को प्रमाण पत्र कृषि विज्ञान केन्द्र उजवा, दिल्ली के जैविक खेती विषय पर व्यवसायिक प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 25 मार्च से 14 अप्रैल, 2022 तक आयोजित की गई। जिसमें दिल्ली देहात सहित, हरियाणा, उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखंड के 26 प्रशिक्षुकों ने भाग लिया। इसमें भागीदारी करने वाले प्रशिक्षुकों को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रशिक्षित प्रमाण पत्र दिया गया। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षुकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में वापस हमें जैविक खेती की तरफ अग्रसर होने की आवश्कता है क्योंकि वर्तमान में हमें मानकों से अधिक मात्रा में खाद-उर्वरकों का प्रयोग करने लग गये जिससे हमारी मिट्टी की उर्वरकता क्षमता के साथ पानी, भोजन व आसपास का वातावरण भी प्रदुषित हो रहा है। जिसके प्रभाव से विभिन्न बिमारियों का सामना करना पड़ रहा है इसका एकमात्र विकल्प जैविक खेती ही है। कार्यक्रम के क्रम सभी जैविक खेती प्रशिक्षण के प्रशिक्षित सभी प्रशिक्षुकों से प्रतिक्रिया ली गई। कार्यक्रम के शुरुआत में माननीय मुख्य अतिथि के द्वारा केन्द्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों एवं गतिविधियों का भ्रमण किया गया एवं अमूल्य सुझाव दियें। इस कार्यक्रम को सफल करने में डा. ऋतू सिंह, श्री राकेश कुमार, डा..डी. के. राणा, डा. समर पाल सिंह, श्री कैलाश, श्री बृजेश कुमार, श्रीमती मन्जू, श्री आत्माराम, श्री विशाल का सहयोग सहरानीय रहा।

अब ठेके के सिपाही करेंगे सरहदों की चौकीदारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

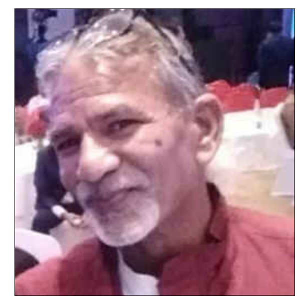

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। देश में ठेकेदारी प्रथा जोर पकड़ती जा रही है। हर क्षेत्र में सरकार निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। यहां तक की अब तो देश में सरहदों की रक्षा के लिए भी ठेके के सिपाहियों को तैनात करने पर विचार किया जा रहा है। यानी की अब देश की सरहदों की रक्षा ठेके के कर्मचारी करेंगे। कॉनफैडरेसन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार की इस नीति पर ऐतराज जताते हुए कहा कि सरकार को सैनिकों के मामले में ये कदम उठाने की बजाये राजनेताओं की पेंशन व सुविधाओं में कटौती करनी चाहिए। जिससे देश पर पड़ने वाला बोझ कम हो सके। सुनने में संविदा शब्द अजीब सा लगे लेकिन अगर ये सही है तो अब भारतीय सेनाओं में संविदा सिपाहियों को कॉनटैक्ट बेस पर तीन सालों के लिए रखा जाएगा व बाद में इनकी सेवा में इजाफा किया जा सकता है। इसका सबसे बड़ा फायदा सरकार को होने जा रहा है। क्योंकि उपरोक्त ठेके पर भर्ती किए गए सैनिकों को रिटायरमेंट व पैंशन जैसी सुविधाएं नहीं देनी पड़ेगी। इस योजना के तहत भर्ती किये गये विशेष रंगरुटों को अग्निवीर का नाम दिया जाएगा। कॉनफैडरेसन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन महासचिव रणबीर सिंह ने एतराज जताते हुए कहा कि यह योजना देश के लिए आत्मघाती सिद्ध हो सकती है। सरकार का थोड़ा सा लालच देश की सुरक्षा के लिए नुकसान दायक भी बन सकता है। उन्होने कहा कि नवनियुक्त अग्निवीरों जिनको तीन साल के लिए ठेके पर भर्ती किया गया हो उनके भरोसे सरहदों की चाक-चौबंद चौकसी सोचकर ही डर लगता है। उन्होने कहा कि सरकार जवानों की पैंशन देने से घबरा गई है। कहीं ये पुरानी पैंशन व्यवस्था को खत्म करने की दिशा में पहला कदम तो नहीं। क्या सरहदों पर खड़े अग्निवीर को अपने भविष्य की चिंता नहीं सताएगी। जब बाजार भाव पर टिकी नई पैंशन के तहत वापस घर जाएगा। कॉनफैडरेसन महासचिव ने लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी से अपील करते हुए कहा कि यह संविदा प्रथा राजनीति में प्रवेश करने वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होनी चाहिए। चुनाव में वही उम्मीदवार लड़े जिसने कम से कम 5 सालों तक भारतीय सेना में कदमताल कर सरहदों की चौकीदारी की हो ताकि उसे राष्ट्रीयता के सही मायनों का पता चल सके इससे ना केवल सेना में भर्ती होने पर एक नई ऊर्जा की अनुभूति का एहसास होगा।

नेहरू युवा केंद्र ने 40 युवा व महिला मंडलों को बांटी खेल सामग्री

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/भावना शर्मा। नेहरू युवा केंद्र जिला दक्षिण-पश्चिम ने सोमवार को नजफगढ़ स्थित कार्यालय में 40 युवा व महिला मंडलों को खेल सामग्री बांटी। इस अवसर पर एनवाईकें की जिला युवा अधिकारी सुश्री अंजली चौधरी व एपीए सुरेन्द्र बोकन ने युवा व महिला मंडलों के सदस्यों व पदाधिकारियों को खेल सामग्री सौंपी। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी सुश्री अंजली ने कहा कि बच्चों की खेलों में रूचि बढ़ाने के लिए एनवाईके हर साल खेल सामग्री का वितरण करता है। उन्होने कहा कि खेल सामग्री के वितरण के साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि इस खेल सामग्री का उचित उपयोग भी हो रहा है या नही। युवा व महिला मंडलों द्वारा इस खेल सामग्री का अपने यहां होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के आयोजनों में करना होता है। अगर कोई कल्ब या मंडल इस संबंध में दिये गये दिशा निर्देशों के खिलाफ काम करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही भी की जाती है। आज जिन मंडलों को खेल सामग्री का वितरण किया गया उसमें वॉलीबाल, फुटबाल, बैडमिंटन रैकेट व शटल, क्रिकेट बैट व गेंद तथा नेट आदि का वितरण किया गया। इस खेल सामग्री को पाकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान छाई हुई थी। बच्चों से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होने बताया कि नेहरू युवा केंद्र से उन्हे बहुत कुछ सिखने को मिलता है। एनवाईके के द्वारा समय-समय पर आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम व स्थानीय समस्याओं से जुड़े मुद्दों पर आयोजित कार्यशाला से बच्चों की प्रतिभा में निखार हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां बच्चे आकर स्थानीय से लेकर राष्टीय मुद्दों तक पर तर्क-वितर्क करते है जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है। बच्चों को खेल सामग्री का वितरण करने के बाद सामूहिक फोटों सेशन में सुश्री अंजली चौधरी ने सभी को बधाई दी।

शाम ए रंगमंच में किया गया अनादरिता का सफल मंचन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दरवाज़े पर एक खट खट और सभी की निगाहें उसी और, ये दृश्य है 9 अप्रैल शनिवार शाम एक नाटक मंचन का जिसको खेला गया संसप्तक के स्टूडीओ आगोन में, ये शाम-ए- रंगमंच को नाम दिया गया अनादरिता नाटक के चार पहलू और एक कविता, नाटककार तोरित मित्रा, निर्देशक रुमा बोस के साथ-साथ 5 निरपेक्ष महिलाएँ, और सब के भीतर का एक डर, अपनी ही मृत शरीर से एक अनोखी बातचीत, कार्यक्रम में पुरज़ोर हिस्सा लेना पहुँची, कार्यक्रम में आमंत्रित मुख्या अतिथि आराधना प्रधान, जोकी मानी जानी फ़ेस्टिवल निर्देशक और संग्रहाध्यक्ष है और साथ ही साथ मासी.इंक की संस्थापक निदेशक भी रह चुकी है। नाटक को सवकुशल बनाने के लिए सबसे बड़ा योगदान रहा नाटक में हिस्सा लेने वाली अभिनेत्रियों में लावण्या मृत का पात्र अपर्णा बनर्जी ने, दीपशिकारा मूर्तदेह को किया कौशिकी देव ने, सावित्री मूर्तदेह में परमा भट्टाचार्य और अनुप्रिया मूर्तदेह के पात्र में दिखायी दी रूबी दासगुप्ता ने के रूप में अपने पात्र निभाये। नाटक का संचालन कर रही रुमा बोस ने कहा कि 'कोरोना महामारी ने हर इंसान के जीवन में एक अनिश्चितता का प्रकोप डाल दिया है जिसकी वजह से उम्मीद की कई किरणे अभी अंधकार में खोयी हुई है, और अब ज़रूरत है की हम अपने अंधकार में उन उम्मीदों को खोजें और उससे एक नयी और उज्जवल किरण प्रज्वलित करें। 'जहां तक बात करें इन नाटकों की तो ये सारें एकल नाटक प्रस्तुति रही, नाटक से पहले कई वर्कशाप का भी प्रबंध किया गया ताकि सभी कलाकार बदलते नाटकों के स्वरूप को और साथ ही साथ समय का सही आँकलन कर सके और उसे अपने यथार्थ जीवन से जोड़ सके। संसप्तक नाट्य दल ने 2016 में एक मूव्मेंट की शुरुआत की थी, जिसको आज सब थियटर आफ डार्क से जानते हैं, इस मूव्मेंट का छठा अध्याय अपॉथीओसिस यानी प्रतिरूप के अंतर्गत इस पूरे कार्यक्रम को संचित किया गया और आंतरिक स्वाधीनता जो इस अध्याय की महत्वपूर्ण कड़ी है उसे इस नाट्य मंचन के हवाले से सामने रखा गया। तोरित मित्रा द्वारा लिखित एक कविताओजोझा पृथ्वी अमादेर बाशभूमि से श्रीमोयी दासगुप्ता ने शुभारंभ किया, फिर कार्यक्रम की श्रेणी में कई एकल नाटक आते गए, जिसका रूप रेखा खिचा अंजोन बोस ने, संसप्तक की शुरुआत 1992 हुई, इसको शुरू किया तोरित मित्रा ने इनके साथ इनके कुछ ख़याल मिज़ाज नाट्यकर्मी भी जुड़े। संसप्तक ने 100 से भी ज़्यादा नाट्य मंचन किया, इसके अलावा वर्कशाप, सेमिनार, कला और थियटर प्रदर्शनी भी आयोजित की, अनादरिता उसी में एक आयोजन है, कार्यक्रम का समापन 10 अप्रैल को सीआर पार्क एच ब्लॉक स्थित स्टूडिओ अगोन में हुआ।

कार्यक्रम

पात्रों ने कई एकल भूमिकाओं के माध्यम से नाटक का मूल स्वरूप दर्शकों के सामने रखा

नार्थ एमसीडी के 250 सफाई कर्मचारी हुए सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। उत्तरी दिल्ली निगम के पूर्व महापौर जय प्रकाश और भाजपा संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने आज हीरा देवी धर्मशाला, डिप्टीगंज, सदर बाजार क्षेत्र में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के 250 सफाई कर्मचारियों को शॉल व मिठाई देकर किया सम्मानित। इस अवसर पर गणमान्य अतिथि व स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे। जय प्रकाश ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारी निगम की रीड की हड्डी है और इन से ही उत्तरी दिल्ली नगर निगम की पहचान है। उन्होंने कहा कि निगम के सफाई कर्मचारी सुबह नागरिकों के उठने से पहले शहर को साफ करने का कार्य करते है तभी हमें सुबह हमारी गलियां व सड़कें साफ मिलती है। उन्होने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारी वो कोरोना योद्धा है जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान उत्तरी दिल्ली के क्षेत्र को साफ व स्वच्छ रखने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के कार्य में सबसे ज्यादा योगदान सफाई कर्मचारियों का होता है और इस सम्मान से सफाई कर्मचारियों को काफी प्रोत्साहन मिलेगा।

स्वागत लखनऊ में चल रहे नेशनल ट्रेनिंग कैंप में 55 किलो भार वर्ग में सभी पहलवानों को मात दे हुई चयनित

एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में 55 केजी में खेलेगी छावला की सुषमा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/भावना शर्मा। नजफगढ़ देहात की बेटी ने 55 किलोभार वर्ग में नेशनल ट्रेनिंग कैंप लखनऊ में अपना लौहा मनवाते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। उसकी इस उपलब्धि पर साई ने सुषमा का मंगोलिया में 19 से 24 अप्रैल तक होने वाली एशियन रेसलिंग चैम्पियनशिप में चयनित किया है। सुषमा सोमवार को मंगोलिया रवाना हो चुकी है जहां वह 55 किलो भारवर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। नजफगढ़ व छावला गांव के ग्रामीणों ने सुषमा को बधाई देते हुए उनका भव्य स्वागत किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सिनियर कोच देवेन्द्र दहिया ने बताया कि नजफगढ़ स्टेडियम की रेसलर सुषमा ने लखनऊ में आयोजित ट्रेनिंग कैंप में 55 किलो भार वर्ग में अपने सभी प्रतिद्वन्दियों को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया था। जिसे देखते हुए सुषमा को मंगोलिया में हो रही एशियन रेसलिंग चैम्पियनशिप के लिए चयनित कर लिया गया है। इसके बाद सुषमा का कॉम्नवेल्थ खेलों में खेलना निश्चित है। यहां बता दें कि सुषमा नजफगढ़ देहात के छावला गांव की रहने वाली है। वह अभी पढ़ रही है और नजफगढ़ स्टेडियम में कोचिंग लेती है। ग्रामीणों ने सुषमा की इस उपलब्धि के लिए उसका भव्य स्वागत किया और उसको मंगोलिया में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतनें की शुभकामनाऐं भी दी।

खास ख़बर

अब मुस्लिम महिलाऐं भी तलाकशुदा पति से ले पायेंगी गुजारा भत्ता- हाईकोर्ट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/उत्तर प्रदेश/भावना शर्मा। तीन तलाक के बाद अब मुस्लिम महिलाओं को एक बार फिर कोर्ट की तरफ से बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सोमवार को मुस्लिम महिलाओं के हक में बड़ा फैसला दिया है। अब तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी होंगीं। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं को भी धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। वे इद्दत की अवधि के बाद भी इसे ले सकती हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि तलाकशुदा महिलाओं को यह अधिकार तभी तक है, जब तक वे दूसरी शादी नहीं कर लेतीं। यह फैसला न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने रजिया के आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर दिया। साल 2008 में दाखिल इस याचिका में प्रतापगढ़ के एक सेशन कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। सेशन कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया था। साथ ही कहा था कि मुस्लिम वीमन (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन डिवोर्स) एक्ट के आने के बाद याची और उसके पति का मामला इसी अधिनियम के अधीन होगा। सेशन कोर्ट ने कहा कि उक्त अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत ही मुस्लिम तलाकशुदा पत्नी गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी है। ऐसे मामलों में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 लागू नहीं होती। हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट के इस फैसले को निरस्त करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के शबाना बानो मामले में दिए गए निर्णय के बाद यह तय हो चुका है कि मुस्लिम तलाकशुदा महिला धारा 125 के तहत इद्दत की अवधि के बाद भी गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी है, जब तक वह दूसरी शादी नहीं कर लेती। मुस्लिम कानून के तहत 'इद्दत' का मतलब महिला के पति की मौत अथवा तलाक के बाद एक निश्चित अवधि के लिए पर-पुरुष (जिनसे निकाह की संभावना हो) से दूर रहने से है। महिला इस अवधि के दौरान अपने पिता, सगे भाई और बेटे के सामने आ सकती है। इस अवधि के दौरान उसे पर्दे में रहना होता है। 'इद्दत' की अवधि तीन तरह की होती है। बुजुर्ग महिला को चार महीने 10 दिन इद्दत में रहना होता है। जवान महिला को तीन मासिक माहवारी के दौरान पर-पुरुष के सामने आने से बचना होता है। वहीं, गर्भवती महिला की इद्दत अवधि बच्चे को जन्म देने के तुरंत बाद खत्म हो जाती है।

ड्रूम ने व्हीलचेयर, ईवी गोल्फ कार्ट और अर्थ मूविंग इक्विपमेंट जैसी श्रेणियों में प्रवेश कर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया

droom

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/शिव कुमार यादव। भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ड्रूम ने हरतरह के परिवहन को सुलभ बनाने के एक प्रयास में, अपने मौजूदापोर्टफोलियो का विस्तार करने की घोषणा की है। कंपनी ने अपने पोर्टफोलियो में 5 और वाहन श्रेणियों का संकलन किया है, जिससे इन श्रेणियों की कुल संख्या 10 से बढ़कर 15 हो गई है। नई लॉन्च हुई श्रेणियां इस प्रकार हैंः व्हीलचेयर, ईवी गोल्फ कार्ट, कंस्ट्रक्शन, माइनिंग और एग्रीकल्चर इक्विपमेंट। ऑनलाइन ऑटोमोबाइल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में अग्रणी होने के नाते, ड्रूम अपने प्लेटफॉर्म पर साइकिलों से लेकर प्लेन्स तकऑटोमोबाइल श्रेणियों की एक व्यापक श्रृंखला की पेशकश कर रही है। वह अपने डोमैन में पहली कंपनी है, जिसने खासकर बुजुर्गों और दिव्यांगोंके लिये ऐसी श्रेणी पेश की है। यह पहल सभी के लिये परिवहन समाधान प्रदान करने केड्रूम के विचार पर जोर देती है। नई पेश हुई व्हीलचेयर श्रेणी में ऐसे वाहन होंगे, जो व्हीलचेयर केलिये अनुकूल हैं।

बिना परमिशन के निकाली गई थी शोभा यात्रा

पुलिस ने बजरंग दल व वीएचपी के खिलाफ किया केस दर्ज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली के जहांगीरपुरी हिंसा मामले में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों पर भी केस दर्ज किया है। उन पर बिना परमिशन के शोभायात्रा निकालने का आरोप है। पुलिस ने वीएचपी के जिला सेवा प्रमुख प्रेम शर्मा को भी गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी तरफ हनुमान जयंती दंगों के मुख्य आरोपी अंसार और असलम सहित 14 लोगों को दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने असलम और अंसार की दो दिन की पुलिस रिमांड बढ़ा दी है। बाकी 12 आरोपियों को जुडिशियल कस्टडी में भेजा है। दिल्ली के जहांगीरपुरी में सोमवार को एक बार फिर पथराव की घटना हुई है। दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम वीडियो फुटेज के आधार पर सोनू चिकना की पत्नी को हिरासत में लेने के लिए जहांगीरपुरी के सी- ब्लॉक स्थित मकान में गई थी। उसी दौरान कुछ लोगों ने घरों से पुलिस पर पत्थरबाजी कर दी। बता दें कि सोनू चिकना वही शख्स है जिसने 16 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के दिन हिंसा के दौरान फायरिंग की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने कहा कि सोशल मीडिया पर हमारी नजर हैं। कुछ लोग ऐसे हैं जो चाहते हैं कि माहौल न सुधरे। सोशल मीडिया पर ऐसी गलत जानकारी और माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शनिवार को दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हिंसा मामले में अब तक 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। 2 नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। हमारी अपील है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। अगर कोई फैक्ट वैरिफाई करना है, तो आप सीधे पुलिस से बात करिए। हिंसा में 8 पुलिसकर्मियों और एक नागरिक सहित 9 लोग घायल हुए हैं। अब तक इस हिंसा से जुड़े करीब 100 वीडियो सामने आ चुके हैं। इनके आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है। दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर मेदालाल मीणा हिंसा के दौरान वहां सुरक्षा में तैनात थे। उनके हाथ में गोली लगी है। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों पक्षों को अलग कर रही थी, लेकिन देखते ही देखते वहां पथराव शुरू हो गया। दिल्ली पुलिस के कमिश्नर राकेश अस्थाना ने रविवार रात जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर मेदालाल मीणा से उनके घर जाकर मुलाकात की। उन्होंने मेदालाल को विभाग की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मेवालाल ने बताया कि किसी ने भीड़ में 7-8 राउंड गोलियां भी चलाईं। मेदालाल मीणा कहते हैं कि मैं देख नहीं सका कि गोलियां किसने चलाईं और भीड़ की वजह से यह भी नहीं देख सका कि लड़ाई किसने शुरू की। रविवार दोपहर पुलिस ने हिंसा के 14 आरोपियों को रोहिणी कोर्ट में पेश किया।

यूपी में अब धार्मिक जुलूस के लिए इजाजत जरूरी -सीएम योगी ने किये आदेश जारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

उत्तर प्रदेश/भावना शर्मा। महाराष्ट्र में मस्जिदों में लाउडस्पीकर बंद कराने की आग अब यूपी तक भी पंहुच गई है लेकिन यूपी के सीएम योगी ने दिल्ली में हनुमान जयंती पर निकली शोभायात्रा के दौरान हुए उपद्रव की घटना पर संज्ञान लेते हुए सतर्कता बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए योगी सरकार ने अफसरों के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक 4 मई तक सारे अफसरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है। जो अवकाश पर हैं उन्हें 24 घंटे के अंदर ऑफिस जॉइन करने को कहा गया है। इसके साथ ही उन्होने लाउडस्पीकर पर पूरी तरह से बैन लगाने की बजाये नया आदेश जारी कर कहा है कि लाउडस्पीकर की आवाज बाहर न आये। साथ ही उन्होने यूपी में निकलने वाले धार्मिक जुलुसों के लिए अब इजाजत लेना अनिवार्य कर दिया है। सोमवार को हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी मंडलों के मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त, एडीजी जोन, आईजी और डीआईजी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व-त्योहार हैं। रमजान का महीना चल रहा है। ईद का त्योहार और अक्षय तृतीया एक ही दिन होना संभावित है। ऐसे में वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। सीएम का आदेश है कि थानाध्यक्ष से लेकर एडीजी तक अगले 24 घंटे के भीतर अपने-अपने क्षेत्र के धर्मगुरुओं और समाज के अन्य सम्मानित लोगों के साथ संवाद बनाएं। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। ड्रोन का उपयोग कर स्थिति पर नजर रखें। हर दिन शाम को पुलिस-बल फुट-पेट्रोलिंग जरूर करे। पीआरवी 112 एक्टिव रहे। सीएम ने कहा कि धार्मिक विचारधारा के अनुसार सभी को अपनी उपासना पद्धति को मानने की स्वतंत्रता है। माइक का प्रयोग किया जा सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित हो कि उसकी आवाज परिसर से बाहर न आए। अन्य लोगों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए।

सादगी व सौम्यता के प्रतीक मुकेश अंबानी 65 साल के हुए, जन्मदिन मुबारक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

विशेष खबर/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। एशिया के दूसरे सबसे अमीर और दुनिया के शीर्ष 10 अरबपतियों में शुमार मुकेश अंबानी आज 19 अप्रैल को अपना 65वां जन्मदिवस मना रहे हैं। मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन है। लेकिन आज भी वह अपने जीवन में सादगी व सौम्यता को ही अहमीयत देते है। इस मुकाम तक पंहुचने के लिए उनके जीवन का सफर कैसा रहा और ऐसी कौन सी बाते है जो आज उनके लिए अहमीयत रखती हैं। आईये उनके 65वें जन्मदिन पर जानते है उनके जीवन के कुछ खास पलों के बारें में वैसे तो एशिया के दूसरे और दुनिया के 10वें सबसे अमीर मुकेश अंबानी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। लेकिन भविष्य में उनकी योजना ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भारी-भरकम निवेश करने की है। भारत के दूसरे सबसे ज्यादा अमीर मुकेश अंबानी मंगलवार को 65 वर्ष के हो गए। उनका जन्म जन्म 19 अप्रैल 1957 को हुआ था। आपको बता दें कि मुकेश का जन्म भारत में नहीं बल्कि देश से बाहर हुआ था। दिवंगत धीरूभाई अंबानी और कोकिला बेन अंबानी के बेटे मुकेश यमन में पैदा हुए थे। दरअसल, धीरूभाई उस समय यमन में व्यवसाय कर रहे थे। आपको बता दें कि मुकेश अंबानी कॉलेज ड्रापआउट हैं। दरअसल, 1980 के दशक में, मुकेश अंबानी कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन भारत में पिता का कारोबार संभालने के लिए उन्हें भारत लौटना पड़ा और एमबीए की पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। मुकेश अंबानी ने 1981 में अपने पिता धीरूभाई अंबानी के साथ मिलकर रिलायंस पेट्रोलियम रसायन की शुरुआत की। भले ही मुकेश अंबानी आईपीएल में खेलने वाली क्रिकेट टीम के मालिक हों, लेकिन खेलों की बात करें तो उनकी पहली पसंद क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी रही है। अपने स्कूल के दिनों में मुकेश को हॉकी के खेल से गहरा लगाव था। ये लगाव इतना अधिक था कि उनकी पढ़ाई पर भी इसका असर पड़ा था। मुकेश अंबानी स्वभाव से काफी शर्मीले इंसान हैं, इसलिए दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार होने .के बावजूद आपने उन्हें काफी सरलता से बात करते और साधारण रहते हुए देखा होगा.। एक इंटरव्यू में मुकेश अंबानी ने खुद कहा था कि वो काफी शर्मीले हैं और पब्लिक स्पीकिंग से काफी डरते हैं। पिता के साथ लंबे वक्त तक काम करने के चलते मुकेश पर उनका काफी प्रभाव भी दिखता है. इसलिए अक्सर मुकेश अंबानी अपनी स्पीच में उनकी बातों का उदाहरण देते दिखते हैं। अपने शमीर्ले स्वभाव की वजह से मुकेश अंबानी मीडिया में बहुत ज्यादा इंटरव्यू वगैरह देते दिखाई नहीं देते.। वहीं सोशल मीडिया पर भी वह ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं। उनकी ज्यादातर स्पीच किसी बड़े इंवेस्टर समिट या उनकी कंपनी की, एजीएम में ही सुनने को मिलती हैं।

अब दिल्ली नगर निगम के नाम से जानी जायेगी दिल्ली एमसीडी

राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही तीनों निगमों का हुआ विलय, भारत सरकार ने दिल्ली नगर निगम (संशोधन) कानून, 2022 को किया अधिसूचित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली के तीनों निगमों के एकीकरण की प्रक्रिया राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही पूरी हो गई है। अब दिल्ली एमसीडी को दिल्ली नगर निगम के नाम से जाना जायेगा। भारत सरकार ने दिल्ली नगर निगम संशोधन कानून 2022 को अधिसूचित कर दिया है। जिसके तहत अब भारत सरकार दिल्ली नगर निगम के लिए एक विशेष अफसर की नियुक्ति करेगी जो निगम के सभी कार्यों का निर्वहन करने के लिए उत्तरदायी होगा। गौरतलब है कि लोकसभा और राज्यसभा से पास हो जाने के बाद नगर निगम विधेयक पर राष्ट्रपति ने भी हस्ताक्षर कर दिए। उनके हस्ताक्षर के साथ ही यह विधेयक कानून में बदल गया। इसी के साथ ही भारत सरकार ने इसे अधिसूचित भी कर दिया है। दिल्ली नगर निगम के चुनाव नहीं होने तक उसकी कमान राजनीतिक व्यक्ति के बजाए नौकरशाह के हाथ में होगी। अब भारत सरकार दिल्ली नगर निगम के लिए एक विशेष अफसर की नियुक्ति करेगी जो निगम के सभी कार्यों का निर्वहन करने के लिए उत्तरदायी होगा। राज्यसभा में दिल्ली नगर निगम अधिनियम संशोधित विधेयक पर जवाब देने के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री ने एलान किया था कि दिल्ली नगर निगम का प्रशासक किसी भी राजनीतिक व्यक्ति को नहीं बनाया जाएगा। इस तरह नगर निगम की कमान प्रशासक के तौर पर कोई नौकरशाह संभालेगा। तीनों नगर निगमों का विलय होने के बाद अस्तित्व में आने वाले दिल्ली नगर निगम में करीब 80 हजार की आबादी पर एक वार्ड बनाया जायेगा। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में दिल्ली नगर निगम अधिनियम संशोधन विधेयक पारित करने के दौरान भी संकेत दिए थे।

पांच साल पहले तीनों नगर निगमों के 272 वार्ड बनाने के दौरान करीब 50 हजार की आबादी शामिल की गई थी। केंद्र सरकार ने दिल्ली नगर निगम अधिनियम में संशोधन विधेयक में वार्डों की संख्या 272 से कम करके अधिकतम 250 की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली नगर निगम में अधिकतम 250 वार्ड बनाने की मंशा से पर्दा उठाते हुए खुलासा किया था कि वर्तमान समय में दिल्ली में करीब दो करोड़ आबादी है और उसे 250 वार्डों में बांटा जाएगा। लिहाजा एक वार्ड में 80 हजार आबादी शामिल की जाएगी। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वार्डों का परिसीमन वर्ष 2021 की जनगणना की रिपोर्ट आने के बाद किया जाएगा, क्योंकि वर्ष 2011 की जनगणना के तहत वार्डों का गठन 80-80 हजार की आबादी शामिल करके नहीं हो सकता। 80 हजार आबादी पर एक वार्ड का गठन करने की दिशा में 48 विधानसभा क्षेत्रों में वार्डों की संख्या कम होने का अनुमान है। दिल्ली की वर्तमान जनसंख्या की अपुष्ट रिपोर्ट के अनुसार 48 विधानसभा क्षेत्रों में एक से लेकर दो वार्ड कम हो जाएंगे,

ईडब्ल्यूएस कोटे के बच्चों को दाखिला ना देने पर 105 स्कूलों की छिन सकती है मान्यता

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। कम आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के बच्चों को खाली सीटों पर दाखिला नहीं देने वाले 105 निजी स्कूलों की मान्यता समाप्त हो सकती है। दाखिला नहीं देने वाले निजी स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर यह बताने के लिए कहा गया है कि क्यों न उनकी मान्यता समाप्त कर दी जाए। सरकार ने उच्च न्यायालय में यह जानकारी देते हुए निर्देशों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों के खिलाफ समुचित कार्रवाई करने के लिए वक्त देने की मांग की है। पीठ ने सरकार को 19 मई तक कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। जस्टिस नज्मी वजीरी और स्वर्णकांता शर्मा की पीठ के समक्ष सरकार की ओर से स्थायी अधिवक्ता संतोष त्रिपाठी ने यह जानकारी दी है। सरकार ने गैर सरकारी संगठन जस्टिस फॉर ऑन की ओर से दाखिल याचिका पर यह जवाब दिया है। याचिका में सरकार को निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस की सभी खाली सीटों को भरने का आदेश देने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता खगेश झा और शिखा बग्गा ने पीठ को बताया कि निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी में 50,000 सीटें भरी जानी हैं।

स्कूलों में फिर लग सकता है लॉकडाउन? दिल्ली में अब तक 50 छात्र हुए कोरोना संक्रमित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली में एक बार फिर कोरोना रफ्तार पकड़ने लगा है। कोरोना संक्रमण की चपेट में स्कूली छात्र भी आ रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों में 50 स्कूली छात्रों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। सभी छात्र निजी स्कूल के बताए जा रहे हैं। हालांकि सरकार ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों को एहतियात बरतने के सख्त निर्देश दिये हैं। बता दें कि हाल में शिक्षा निदेशालय की ओर से कोरोना संक्रमण के मामले रिपोर्ट करने के संबध में परामर्श जारी किया गया था। साथ ही स्कूलों को लेकर दिशा-निर्देश भी जारी हुए थे, जिसमें स्कूल में छात्रों, शिक्षकों और दूसरे कर्मचारियों के लिए मास्क का इस्तेमाल अनिवार्य तौर पर करने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करने, सैनिटाइजर का इस्तेमाल व हाथों को नियमित धोने, कोरोना संक्रमण की रोकथाम के संबंध में जागरूक करने को लेकर निर्देश दिए गए थे। कोरोना संक्रमण को लेकर निजी और सरकारी स्कूलों की ओर से पूरा एहतियात बरतने का दावा किया जा रहा है। निजी स्कूलों ने प्रवेश और निकासी को लेकर बड़ी और छोटी कक्षा के छात्रों के समय में बदलाव किया है। कक्षा को दो बार सैनिटाइज किया जा रहा है। प्रार्थना सभा पर रोक और खेल से जुड़ी गतिविधियों को कम कर दिया गया है। द्वारका स्थित एक निजी स्कूल की ओर से सोमवार को छात्रा में संक्रमण के लक्षण दिखने पर उसे वापस घर भेज दिया गया। यह कदम दूसरे बच्चों की सुरक्षा को लेकर उठाया गया है। छात्रा 12वीं कक्षा की बताई गई है। वहीं, दिल्ली अभिभावक संघ की अध्यक्ष अपराजिता गौतम ने कहा कि हमारे पास कई स्कूली बच्चों के कोविड संक्रमण के मामले संज्ञान में आए हैं। हालांकि, स्कूल ऐसे मामलों को छिपा रहे हैं। अभिभावकों के साथ सूचना जरूर साझा की जानी चाहिए। दिल्ली सरकार ने स्कूलों से कोरोना के पॉजिटिव केस की संख्या मांगी है।

खुलासा — असलम का भी चौंकाने वाला राज आया सामने

जहांगीरपुरी से ही जुड़े है दिल्ली दंगों के तार

पुलिस जांच में हुआ बड़ा खुलासा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। जैसे-जैसे जहांगीरपुरी हिंसा पर पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे ही नये-नये खुलासे सामने आ रहे है। पुलिस की जांच में जहांगीरपुरी हिंसा में एक बड़ा खुलासा सामने आया है। दरअसर जहांगीरपुरी में जिस कुशल चौक, सी-ब्लाक में शोभा यात्रा पर पथराव के बाद हिंसा हुई थी, उस कुशल चौक का 2020 में हुए दिल्ली दंगों का कनेक्शन सामने आया है। दिल्ली दंगों के दौरान कुशल चौक से करीब सात बसों में भरकर बांग्लादेशी महिलाएं, बच्चों व पुरुषों को शाहीन बाग प्रदर्शन में शामिल होने के लिए ले जाया गया था। दंगा करने के लिए लोग कुशल चौक से गए थे। दिल्ली पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि असलम को फायरिंग करने के लिए बदमाश गुल्ली ने भड़काया था। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कोर्ट में जो चार्जशीट दाखिल की है उसमें लिखा हुआ है कि सीएए व एनआरसी के दौरान सी-ब्लाक, कुशल चौक से छह से सात बसों में भरकर अवैध बांग्लादेशी महिलाएं, बच्चों और पुरुषों को शाहीनबाग प्रदर्शन में शामिल करने के लिए ले जाया गया था। करीब 300 लोगों को ले जाया गया था। इतना ही नहीं चार्जशीट में ये भी लिखा है कि पथराव और दंगा करने यहां से लोग गए थे। दिल्ली पुलिस अब इन तमाम चीजों को ध्यान में रखते हुए जहांगीर पुलिस हिंसा की जांच की जा रही थी। दूसरी तरफ जहांगीरपुरी हिंसा की जांच भले ही अपराध शाखा को सौंप दी गई हो, मगर स्थानीय थाना पुलिस भी लगातार दबिश दे रही है। दंगों में दो बड़े बदमाश अंसार और असलम के अलावा अब तक 21 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। दो नाबालिग को भी पकड़ा गया है। जांच में ये बात सामने आई है कि असलम को फायरिंग करने के लिए इलाके के एक बदमाश गुल्ली ने भड़काया था। अपराध शाखा व स्थानीय थाना पुलिस गुल्ली को पकडने के लिए धरपकड़ कर रही है। पुलिस के अनुसार अली पुत्र जसीमुद्दीन का पार्किंग को लेकर झगड़ा हुआ था। वह इलाके में ही पार्किंग चलाता है और इसी झगड़े में उसने आकाश उर्फ अक्कू और उसके दोस्तों पर पत्थर फेंके थे।

दखल

मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस

विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देशी ज्ञान को महत्व व मान्यता नहीं देता। बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देशी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है। जबकि इनमें ज्ञान और अनुसंधान अंतर्निहित हैं। साफ है, बड़ी कंपनियां देशी ज्ञान पर एकाधिकार प्राप्त कर समाज को ज्ञान और उसके उपयोग से वंचित करना चाहती हैं।

महंगी दवाओं के चलते अपना इलाज न करा पाने वाले दुनिया के करोड़ों गरीब मरीजों के लिए भारत हमदर्द बनने जा रहा है। बड़ी मात्रा में सस्ती जेनेरिक दवाओं का निर्माण एवं विश्वव्यापी वितरण करके भारत देशी फार्मा उद्योग को तो बढ़ावा देगा ही, निर्यात भी बढ़ाएगा। फार्मा विशेषज्ञ पदोन्नति परिषद् के मुताबिक 2021-22 में भारत ने 24.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था। जिसके 2030 तक 70 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। फिलहाल भारत का कुल दवा बाजार 47 अरब डॉलर का है। इसमें 22 अरब डॉलर का व्यापार देश में होता है। फिलहाल भारत भारत सस्ती यानी जेनेरिक दवाओं के वैश्विक सकल निर्यात में 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। दुनिया में लगने वाली 60 प्रतिशत वैक्सीन का सप्लायर भी भारत है। इस नाते भारत वर्तमान में भी वैश्विक दवाखाना कहलाता है। वर्तमान में दुनिया के 206 देशों में भारत दवाओं का निर्यात करता है। इनमें जेनेरिक दवाएं तो कम है, किंतु ब्रांडेड दवाओं का निर्यात ज्यादा होता है।

हाल में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया से जो द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया है, उसके तहत भारत से दवाओं का निर्यात बढ़ जाएगा। आस्ट्रेलिया को भारत अभी एक वर्ष में 34 करोड़ डॉलर की दवाएं निर्यात करता है, जो एक अरब डॉलर तक पहुंच जाएंगी। यूएई के बाजार से भारतीय दवाएं अफ्रीका के देशों में जाएंगी। दक्षिण अमेरिका के देश भी भारत की सस्ती दवाओं के लिए अपने द्वार खोल रहे हैं। यूक्रेन से लड़ाई के चलते पश्चिमी व नाटो देशों ने रूस को अनेक प्रकार की दवाएं देने पर रोक लगा दी है। इसलिए अब रूस भारत से दवाएं मांग रहा है। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और कनाडा के साथ भी ऐसे कारोबारी समझौते हुए हैं, जो भारत की जेनेरिक दवाएं खरीदेंगे। इन दवाओं के निर्यात में कमी न आए इस दृष्टि से रसायन मंत्रालय ने 35 एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रिडिएंट्स इकाइयों को उत्पादन बढ़ाने की अनुमति दे दी है।

पीएलआई योजना के तहत 53 एपीआई को भी उत्पादन के लिए चिन्हित किया गया है, इस मकसद पूर्ति के लिए 32 नए षड्यंत्र लगाए गए हैं। इन षड्यंत्रों में दवा निर्माण के लिए कच्च माल तैयार किया जाएगा। फिलहाल भारत दवा संबंधी 2.8 अरब डॉलर के कच्चे माल का आयात चीन से करता है। इसके बदले में कुल 4.8 अरब डॉलर की एपीआई और दवा निर्माण के अन्य कच्चे माल का निर्यात भी करता है। बावजूद चीन से निर्यात में बड़ा असंतुलन है। भारत दवा निर्माण व निर्यात में अग्राणी देश न बन पाए, इसके लिए विदेशी शक्तियां अंकुश लगाने का काम भी लासेंट जर्नल के माध्यम से करती रहती हैं। कोरोना महामारी के समय चीन के इशारे पर वैश्विक प्रसिद्धि प्राप्त मेडिकल जर्नल लांसेट ने भारत को बदनाम करने की बहुत कोशिश की थी। जबकि मेडिकल जर्नल होने के नाते इस पत्र को राजनीतिक लेखों व पूर्वाग्रही व्यावसायिक वैचारिक धारणाओं से बचना चाहिए था। इसमें छपे लेखों को भारतीय मीडिया ने भी अनुवाद करके छापा और अपने ही देश को बदनाम किया।

बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स स्थित न्यूज वेबसाइट इयू रिपोर्टर ने तत्काल दावा किया था कि इन भ्रामक रिपोर्ट के पीछे कंपनियों की मजबूत लॉबी है, जो नहीं चाहती कि कोई विकासशील देश कम कीमत पर दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध कराएं। दरअसल भारत ने इस दौरान पड़ोसी देशों को मुफ्त वैक्सीन देने के साथ कई देशों को बेची भी थी। इस कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उसकी टीका उत्पादन क्षमता पर सवाल उठाए और उन्हें अन्य देशों की तुलना में कमतर बताया। ऐसा इसलिए किया गयाा, जिससे टीका उत्पादक बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियां आर्थिक लाभ से वंचित न रह जाएं। ये कंपनियां अपने आर्थिक हितों के लिए तब और सजग हो गईं थीं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी टीकों को पेंटेट से मुक्त करने की गुहार विश्व व्यापार संगठन से कर दी थी। कोरोना की पहली लहर में जब वायरस चीन की वुहान प्रयोगशाला से निकलकर दुनिया में हाहाकार मच रहा था, तब इससे निपटने का दुनिया के पास कोई उपाय नहीं था।

भारतीय चिकित्सकों ने हाइड्रोक्सीक्लॉरोक्वीन जिसे एचसीक्यू कहा जाता है, उसे इस संक्रमण को नष्ट करने में सक्षम पाया। भारत में पहली लहर का संक्रमण इसी दवा के उपचार से खत्म किया गया। यह दवा इतनी सफल रही कि अमेरिका समेत दुनिया के डेढ़ सौ देशों में इस दवा की आपूर्ति भारत ने की थी। दवा के असर और बढ़ती मांग के दौरान लांसेट ने एक कथित शोध लेख छापा कि एचसीक्यू दवा कोरोना के इलाज में प्रभावी नहीं है। इस रिपोर्ट के आधार पर विष्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दवा के क्लिनिकल परीक्षण पर रोक लगा दी थी। दरअसल लांसेट बड़ी टीका उत्पादक कंपनियों और चीन के एजेंडे को आगे बढ़ा रहा था। ऐसा इसलिए था, क्योंकि लांसेट के एशियाई संस्करण की संपादक चीनी मूल की नागरिक हैं और उन्होंने ही इस पत्र में भारत विरोधी लेख लिखे थे। लांसेट के तथ्यहीन इन रिपोर्ट पर कई विशेषज्ञों ने तत्काल सवाल खड़े किए थे, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया था। पश्चिमी देशों द्वारा अस्तित्व में लाया गया पेटेंट एक ऐसा कानून है, जो व्यक्ति या संस्था को बौद्धिक संपदा का अधिकार देता है। मूल रूप से यह कानून भारत जैसे विकासशील देशों के पारंपरिक ज्ञान को हड़पने की दृष्टि से लाया गया है। क्योंकि यहां जैव विविधता के अकूत भंडार होने के साथ, उनके नुस्खे मानव व पशुओं के स्वास्थ्य लाभ से भी जुड़े हैं।

इन्हीं पारंपरिक नुस्खों का अध्ययन करके उनमें मामूली फेरबदल कर उन्हें वैज्ञानिक शब्दावली दे दी जाती है और फिर पेटेंट के जरिए बहुसंख्यक ज्ञान को हड़पकर इसके एकाधिकार चंद लोगों के सुपुर्द कर दिए जाते हैं। यही वजह है कि वनस्पतियों से तैयार दवाओं की ब्रिकी करीब तीन हजार बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। हर्बल या आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर सबसे ज्यादा दोहन भारत की प्राकृतिक संपदा का हो रहा है। ऐसे ही बेतुके दावे और तरकीबें ऐलोपैथी दवाओं के परिप्रेक्ष्य में पश्चिमी देशों की फार्मा कंपनियां अपना रही हैं। अब तक वनस्पतियों की जो जानकारी वैज्ञानिक हासिल कर पाए हैं, उनकी संख्या लगभग दो लाख 50 हजार है। इनमें से 50 प्रतिशत उष्णकटिबंधीय वन-प्रांतरों में उपलब्ध हैं। भारत में कुल 81 हजार वनस्पतियां और 47 हजार प्रजातियों के जीव-जंतुओं की पहचान सूचीबद्ध है। अकेले आयुर्वेद में पांच हजार से भी ज्यादा वनस्पतियों का गुण व दोषों के आधार पर मनुष्य जाति के लिए क्या महत्व है, विस्तार से विवरण है।

हमारे प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में जिन 84 लाख जीव-योनियों का विवरण है, उनमें 10 लाख वनस्पतियां और 52 लाख इतर जीव-योनियां बताई गई हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि इन्हीं योनियों में से असंख्य जीवात्माएं प्रत्येक क्षण जीवन-मरण का क्रम जारी रखे हुए हैं और यही सारे लोक में फैली हुई हैं। ब्रिटिश वैज्ञानिक रॉबर्ट एम ने जीव व वनस्पतियों की दुनिया में कुल 87 लाख प्रजातियां बताई हैं, इनमें जीवाणु व विषाणु शामिल नहीं है। विदेशी दवा कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर टिकी हैं। इसलिए वर्ष 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में नए संशोधन किए गए।

विचार

बच्चों को टीका सबसे जरूरी

ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 6-12 आयुवर्ग के लिए कोवेक्सीन की आपात इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। वयस्कों के टीकाकरण में कोविशील्ड के साथ कोवैक्सीन का भी इस्तेमाल हुआ था। देश में कोरोना की रफ्तार के बीच यह फैसला अच्छा है।

कोरोना फिर से डराने लगा है। इस बार बच्चों को अपने चपेट में ले रहा है। दिल्ली-एनसीआर में ही पिछले 10 दिनों के अंदर संक्रमित होने वालों में 25 से 30 फीसदी बच्चे हैं। कई स्कूलों में बच्चों में संक्रमण के ज्यादा मामले आने का एक कारण वैक्सीनेशन का न होना भी है। 18 साल से ऊपर के ज्यादातर लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। बूस्टर डोज भी लगने लगी है, लेकिन छोटे बच्चों का टीकाकरण अभी नहीं हो पाया है। अब तक देश में 187 करोड़ 95 लाख 76 हजार 423 डोज लगाए जा चुके हैं। वहीं, 12-14 साल के बच्चों के मामले में पहले डोज की संख्या 2 करोड़ 70 लाख 96 हजार 975 है। जबकि, 37 लाख 27 हजार 130 दूसरे डोज लगाए गए हैं। कोरोना वायरस से बचाव के लिए बच्चों को नया हथियार मिल गया है। खबर है कि ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 6-12 आयुवर्ग के लिए कोवैक्सीन की आपात कालीन इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। वयस्कों के टीकाकरण में कोविशील्ड के अलावा कोवैक्सीन का भी इस्तेमाल हुआ था। फिलहाल, 15 से 18 साल के बच्चों को वैक्सीन दी जा रही है।

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच एक बार फिर बच्चों के टीकाकरण के प्रति ध्यान बढ़ा है। फिलहाल, कॉर्बिवैक्स 12 से 14 साल के बच्चों को दी जा रही है। भारत में 15-18 साल के बच्चों का टीकाकरण जनवरी से शुरू हो गया था। मार्च में इसे 12 साल से ऊपर के बच्चों के लिए भी हरी झंडी दी गई। कॉर्बिवैक्स के बाद कोवैक्सीन की मंजूरी मिलना टीकाकरण की दिशा में किसी बड़े कदम से कम नहीं है। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि कोरोना बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए भी बच्चों का टीकाकरण जरूरी हो गया था। अगर समय रहते बच्चों का टीकाकरण नहीं किया गया तो खतरा सामने खड़ा रहेगा। बच्चों को टीके इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि अब सभी राज्यों में स्कूल-कालेज खुल चुके हैं। जब बच्चे बाहर घरों से बाहर निकलेंगे, तो जाहिर है भीड़ से बचाव संभव नहीं होगा और संक्रमण का खतरा बढ़ेगा। इसलिए जितनी जल्दी 18 से कम उम्र वालों का टीकाकरण होगा, महामारी का जोखिम उतना ही कम किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 83 करोड़ से अधिक यानी 60 फीसद से ऊपर लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। करीब 72 फीसद लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है। फिलहाल पंद्रह साल से ऊपर के लोगों का टीकाकरण चल रहा है, उसमें भी कम से कम 96 फीसद लोगों को पहली खुराक दी जा चुकी है। इस तरह अब पहले की तरह टीके के उत्पादन और उसे लगाने को लेकर अधिक मारामारी नहीं है। एहतियाती खुराक के लिए बहुत भीड़भाड़ का भय नहीं है। खतरा लगातार बड़ा होता जा रहा है। सो, वैक्सीन की गति बढ़ाना सबसे जरूरी काम होना चाहिए क्योंकि कोरोना फिर से अपना स्वरूप बढ़ाता जा रहा है।

रोजगार और ग्रामीण प्रतिभाएं

कारपोरेट क्षेत्र के लाभ का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से आता है। इस दृष्टि से भी ग्रामीण भारत के प्रति उनकी जिम्मेदारी बनती है। इससे न केवल उनका संगठन मजबूत होगा, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विषमता दूर करने और सामाजिक संतुलन कायम करने में भी मदद मिलेगी। कार्मिकों का चयन उनमें मौजूद संभावनाओं के आधार पर किया जाना चाहिए।

तमाम चिंताओं के बावजूद रोजगार की उपलब्धता में कोई ज्यादा सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। जिस तेजी से पढ़े-लिखे नौजवानों की फौज तैयार होती जा रही है, उस अनुपात में रोजगार के नए अवसर नहीं बन रहे हैं। देश में वैसे तो बहुत-सी समस्याएं हैं, पर इनमें बेरोजगारी को सबसे ऊपर रखा जा सकता है। विशेषज्ञ कहते भी रहे हैं कि सरकार को आर्थिक विकास के उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना चाहिए और इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि यह निजी क्षेत्र के साथ पूरा हाथ बंटाए। साथ ही यह भी कहा जाता है कि प्रतिभा का मोल हर जगह होता है, पर हकीकत यह है कि देश में प्रतिभाएं उपेक्षित भी हैं। यदि किसी योग्य व्यक्ति को उसकी काबिलियत के अनुसार काम न मिले, तो यह एक प्रकार से उसकी प्रतिभा की उपेक्षा ही कही जाएगी। यहां यह समझ लेने की जरूरत है कि हर मामले में प्रतिभाएं ही काम की मोहताज नहीं हैं। लोग अच्छे संगठनों में कार्य करने को उत्सुक हैं, तो संगठनों को भी लोगों की जरूरत होती है।

एक का काम दूसरे के बिना नहीं चल सकता। उद्योग व्यापार के कई क्षेत्रों में आज उपयुक्त प्रतिभाओं की कमी महसूस की जा रही है। भारत भले गांवों का देश हो और इसकी करीब दो तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती हो, पर वास्तविकता यह है कि संगठित क्षेत्र में नियोजित व्यक्तियों में वर्चस्व शहरी आबादी का ही है। यदि यह सवाल उठाया जाए कि क्या प्रतिभा केवल शहर के लोगों में होती है, तो इसका उत्तर यही मिलेगा कि प्रतिभाशाली लोग शहर या गांव कहीं भी हो सकते हैं। पर यह भी एक सत्य है कि साधनों के बंटवारे में, चाहे ये शिक्षा, उद्योग या किसी भी क्षेत्र से जुड़े हुए हों, देश में शुरू से ही गंभीर असंतुलन रहा है। शहर ज्यादा साधन संपन्न बने हैं और तमाम परिवर्तनों के बाद भी गांव उपेक्षित बने हुए हैं। सरकारी नौकरियों में तो ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का प्रतिनिधित्व फिर भी है, पर निजी क्षेत्र की उत्तम कंपनियों में शहरी पृष्ठभूमि के लोगों का ही बाहुल्य है।

यह स्थिति सामाजिक-आर्थिक समानता स्थापित करने के आदर्श से कतई मेल नहीं खाती। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों को देखें तो स्पष्ट होगा कि सरकारी नौकरियों की संख्या दिनोंदिन घटती जा रही है। रोजगार के क्षेत्र पर कोरोना संकट की छाया का असर अब भी बना हुआ है। ऐसे में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों की कमी तब तक रहेगी, जब तक अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं आ जाती। जो भर्तियां हो रही हैं, उनमें ज्यादा उम्मीद कारपोरेट क्षेत्र से ही है। कारपोरेट जगत को चाहिए कि वह ग्रामीण प्रतिभाओं को जनशक्ति में शामिल करने के लिए कुछ अभिनव कदम उठाए। ग्रामीण युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की भारी कमी है। केवल कृषि स्थानीय ग्रामीण युवाओं को नियोजित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। वैश्विक मानकों से तुलना करें तो भारत में कृषि में लगे लोगों की संख्या वास्तविक जरूरत से अधिक रही है। जोत भले ही छोटी हो, लेकिन पूरा का पूरा परिवार उसी पर लगा दिखता है। पर अब यहां एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

दरअसल कृषि उत्पादन बढ़ने के बावजूद इसमें लगे लोगों की संख्या में निरंतर कमी आ रही है। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि कई खेतिहर परिवारों के युवा खेती को छोड़ कर कोई और काम अपनाना चाहते हैं। जो ग्रामीण युवा पहले से बेरोजगार हैं और जो अब खेती से हट कर कुछ और करना चाहते हैं, कारपोरेट जगत उन्हें रोजगार प्रदान कर एक प्रकार से सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह कर सकता है। जो लोग प्रतिभा प्रबंधन के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और जिन्हें ग्रामीण युवाओं से मिलने, उनका साक्षात्कार लेने या उन्हें काम पर रखने का अवसर मिला है, वे यह दृढ़ मत रखते हैं कि इन युवाओं में फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने की क्षमता भले न आ पाई हो, पर उनके जज्बे और कर्मठता में कोई कमी नहीं है। बात केवल अवसर मिलने की है। अंग्रेजियत का वर्चस्व टूटने के बाद सिविल सेवाओं में ग्रामीण युवाओं का बोलबाला बढ़ा है। इसके कई निहितार्थ हो सकते हैं। अनुभव बताता है कि सामान्य शिक्षा व साधारण पृष्ठभूमि के युवाओं को संगठन की जरूरतों के अनुसार ढालना अपेक्षाकृत आसान होता है।

कारपोरेट जगत में ग्रामीण युवाओं के प्रवेश के कई मॉडल हो सकते हैं। कंपनियां गांवों के युवाओं को शुरू में प्रशिक्षण पर रख सकती हैं और कामकाज संतोषजनक पाए जाने के बाद नियमित रोजगार दे सकती हैं। यह भी हो सकता है कि कंपनियां ग्रामीण इलाकों में पढ़ाई पूरी करने वालों में से युवाओं को चुन कर उन्हें प्रशिक्षण दें और बाद में नियोजित कर लें। यदि कंपनियां कुछ ग्रामीण किशोरों या युवाओं के लिए इंजीनयरिंग, प्रबंधन जैसे पेशेवर पाठ्यक्रम प्रायोजित करें और इनके पूरा होने के बाद उन्हें रखें, तो यह भी अच्छी पहल हो सकती है। कंपनियां अपने पास यह विकल्प भी रख सकती हैं कि वे पढ़ाई का कुछ या पूरा खर्चा नियोजित व्यक्ति को नौकरी में मिलने वाले वेतन से किस्तों में वसूल कर लें। यह सभी के लिए फायदे का सौदा होगा। सेंटर फार क्रिएटिव लीडरशिप के अनुसार करीब 70 फीसद सीख काम के दौरान ही मिलती है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकले लोगों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करने की जरूरत ज्यादा हो सकती है, पर काम करते-करते वे भी वह सब कुछ सीख जाने में सक्षम हैं जो शहरों के युवा सीखते हैं।

यहां कंपनियों को सीआईआई और फिक्की जैसे उद्योग संगठनों की उन रिपोर्ट को भी ध्यान में रखना चाहिए जिनमें इंजीनियरिंग व प्रबंधन स्नातकों में से तीन चौथाई से अधिक युवाओं को नौकरी पर रखे जाने लायक नहीं समझे जाने की बातें कही गई हैं। जाहिर है, इस वर्ग में भी शहरी युवाओं का ही बाहुल्य है। यदि ऐसा है तो ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित कर काम पर रखने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण प्रतिभाओं के नियोजन की नीति अपना कर कंपनियां जनशक्ति में विविधता भी बढ़ाएंगी, जो इन दिनों कारपोरेट क्षेत्र की मानव संसाधन नीतियों का एक प्रमुख लक्ष्य है। संगठनों को निष्ठावान, उत्साही, कर्मठ व लंबे समय तक टिके रहने वाली जनशक्ति मिलेगी। एक व्यापक दृष्टिकोण वाले संगठन को इससे फर्क नहीं पड़ता कि उनके द्वारा नियोजित कार्मिक शहरी पृष्ठभूमि के हैं या ग्रामीण पृष्ठभूमि के। उनका सरोकार तो काम और परिणाम से होता है।

बहुत से संगठन खुद को समान अवसर प्रदान करने वाला नियोजक बताते हैं, उनकी मंशा पर कोई संदेह नहीं होता, पर कहीं न कहीं उनकी प्रणालियों में कुछ ऐसा होता है जो कम अंग्रेजी जानने वालों और छोटी जगहों से आने वालों को दूसरों से पीछे कर देता है। इस विभेदकारी स्थिति को दुरुस्त करना अब बेहद जरूरी हो चुका है। प्रतिभा प्रबंधन के विशेषज्ञों का मानना है कि कार्मिकों का चयन केवल उनकी डिग्रियों से नहीं, बल्कि उनमें मौजूद संभावनाओं के आधार पर किया जाना चाहिए। ग्रामीण युवा पीढ़ी में ऐसी भरपूर संभावना मौजूद है। कारपोरेट क्षेत्र ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में काफी योगदान दिया है।

ट्विटर

हर उम्र के बच्चों को कोरोना वैक्सीन की दिशा में काम चल रहा है। वैज्ञानिकों से मिले सुझाव के आधार पर टीके लगाने का फैसला सरकार कर रही है।

मनसुख मंडाविया,, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

अब तक जितनी भी वैक्सीन जिस उम्र वर्ग के लिए उपलब्ध है, उसे लगवाना चाहिए। वैक्सीन को लेकर लापरवाही पूरे देश के लिए खतरा बढ़ा सकती है।

रणदीप गुलेरिया, निदेशक एम्स

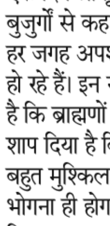

सत्यार्थ

दक्ष प्रजापति का शाप

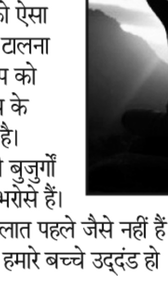

महाभारत के समय की बात है। एक दिन श्रीकृष्ण द्वारिका में अपने बुजुर्गों से कह रहे थे, हमारी द्वारिका में हर जगह अपशकुन हो रहे हैं, उत्पात हो रहे हैं। इन सब का मुख्य कारण ये है कि ब्राह्मणों ने हमारे कुल को ऐसा शाप दिया है कि इस शाप को टालना बहुत मुश्किल है। हमें इस शाप को भोगना ही होगा। अब इस शाप के निदान का अवसर चला गया है। श्रीकृष्ण की बातें सुनकर सभी बुजुर्गों ने कहा, कृष्ण, हम तो तुम्हारे भरोसे हैं। ये तो सही है कि द्वारिका में हालात पहले जैसे नहीं हैं। लोग आपस में ही लड़ रहे हैं। हमारे बच्चे उद्दंड हो गए हैं। अब हमें क्या करना चाहिए? ये तो तुम ही बताओ। श्रीकृष्ण बोले, अगर हम अपने प्राणों की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें ये जगह छोड़ देनी चाहिए। स्थान से मोह होता है, लेकिन अगर वह स्थान हमारे लिए विपरीत हो जाए, हमें वह दुख देने लगे तो उस स्थान को छोड़ देने में ही भलाई है। यहीं हमारे पास एक प्रभास क्षेत्र है। बहुत पवित्र जगह है, हमें वहां चलना चाहिए। श्रीकृष्ण ने उस जगह का महत्व बताने के लिए एक उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, जब दक्ष प्रजापति ने अपने दामाद चंद्र को शाप दिया तो उस शाप के रोग से मुक्त होने के लिए चंद्र ने इस क्षेत्र में स्नान किया था। इसके बाद चंद्र रोग से मुक्त हो गए थे। हम भी वहां स्नान करेंगे, अपने पितृों का तर्पण करेंगे, सत्संग सुनेंगे और संकटों से मुक्त होने के लिए जो आत्मबल चाहिए, वह उस स्थान से मिलेगा। इसके बाद श्रीकृष्ण के कहने पर सभी लोग प्रभाष क्षेत्र में प्रवेश कर गए। इस घटना में श्रीकृष्ण ने हमें संदेश दिया है कि जब ऐसा लगे कि समय विपरीत आ गया है तो अपने स्थान पर जरूर ध्यान देना चाहिए। हो सकता है कि वह जगह आपके लिए सुरक्षित न हो। मौका मिलते ही वह जगह हमें छोड़ देना चाहिए। साथ ही ये भी ध्यान रखें कि वह स्थान हम क्यों छोड़ रहे हैं और नए स्थान पर हमें कौन-कौन से लाभ मिल सकते हैं।

खास खबर

नरेश कुमार बने दिल्ली के मुख्य सचिव, 20 अप्रैल को संभालेंगे पदभार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में सेवा दे रहे नरेश कुमार को दिल्ली का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है.। वह निवर्तमान मुख्य सचिव विजय देव के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद गृह मंत्रालय द्वारा इस पद पर नियुक्त किये गये हैं। नरेश कुमार एनडीएमसी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके है। 2018 में नरेश कुमार को अरुणाचल प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया था। निवर्तमान मुख्य सचिव विजय देव के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद गृह मंत्रालय ने यह फेरबदल किया है.। 2018 में नरेश कुमार को अरुणाचल प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया था.। वहां का कार्यकाल पूरा करने के बाद दिल्ली में उन्हें मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। नरेश कुमार 20 अप्रैल से विधिवत अपना पदभार ग्रहण करेंगे. यहां बता दें कि नरेश कुमार 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, जबकि धर्मेंद्र 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। यह महज संयोग है कि धर्मेंद्र और नरेश कुमार दोनों ने ही एनडीएमसी के अध्यक्ष पद संभाले हैं और केवल एक कार्यकाल के अंतर से दोनों ही दिल्ली और अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव भी बनाए गए हैं। इसके साथ ही गृहमंत्रालय ने पुदूचेरी, दिल्ली व अरूणचल प्रदेश के मुख्यसचिवों का तबादला किया है।

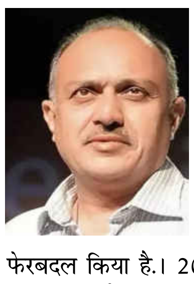

सीआरपीएफ शहीदों के लिए नई योजनाओं की घोषणा ही उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि

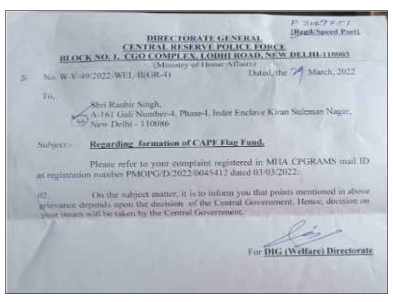
DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
BLOCK NO. 1, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI-110003
(Ministry of Home Affairs)
No. W.V-49/2022-WEL-II(GR-4) Dated, the 29 March, 2022

To,
Shri Ranbir Singh,
A-161 Gali Number-4, Phase-I, Inder Enclave Kiran Suleman Nagar,
New Delhi - 110086

Subject:- Regarding formation of CAPF Flag Fund.

Please refer to your complaint registered in MHA CPGRAMS mail ID as registration number PMOPG/D/2022/0045412 dated 03/03/2022.

02. On the subject matter, it is to inform you that points mentioned in above grievance depends upon the decision of the Central Government. Hence, decision on your issues will be taken by the Central Government.

For DIG (Welfare) Directorate

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। कॉनफैडरएसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह ने प्रधानमंत्री द्वारा 21 अप्रैल को गुरु तेग बहादुर के 400वे जन्मोत्सव के मौके पर लालकिले के लॉन से देश के नाम महत्वपूर्ण सन्देश देने को लेकर उम्मीद जताई कि इस विशेष अवसर पर उन सीआरपीएफ शहीदों के लिए भी नई योजनाओं का ऐलान करेंगे जो आए दिन देश की आन बान शान के लिए जान कुर्बान करते रहते हैं। यही उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। उन्होने कहा कि यहां हम याद दिलाना चाहेंगे जब 24 अप्रैल 2017 में चिंतागुफा- चिंतलनार में 26 सीआरपीएफ जवान नक्सली भेंट व 4 अप्रैल 2021 नक्सलियों द्वारा वहशियाना हरकत जब सुकमा बीजापुर छत्तीसगढ़ के बीहड़ों में सीआरपीएफ के जवानों ने नक्सली मुठभेड़ में सुप्रीम शहादत दी ये दोनों अप्रैल महीने के जघन्य घटनाएं है जो हमे हमारे जवानों की शहादत याद दिलाती है और साथ ही उन सरकारी दावों की पोल खोलती हैं जिनमें ये दावा किया जाता है कि सरकार जवानों की सुरक्षा के हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही उन्होने कहा कि हम पुलवामा व गलवान के शहीदों की शहादत को कैसे भूला सकते हैं। कॉनफैडरएसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह ने कहा कि इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री जी उन सीआरपीएफ शहीदों के लिए भी नई योजनाओं का ऐलान करें जो आए दिन देश की आन बान शान के लिए जान कुर्बान करते रहते हैं। यही उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। महासचिव ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 8 सालों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के भलाई संबंधित मुद्दों को पूरी तरह से केंद्रीय सरकार द्वारा इग्नोर किया जाता रहा है जिसका ताजा उदाहरण सीआरपीएफ हैडक्वार्टर से दिनांक 29 मार्च 2022 को मिले जवाब को देख कर देशवासी अवशय हैरान होंगे।

शाइनिंग स्टार इंडिया-2 का गाजियाबाद में शानदार आगाज

लवीस्टाइल प्रोडक्शन ने किया सफल आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ गाजियाबाद/ भावना शर्मा। दिल्ली एनसीआर के जाने माने फैशन शो कार्यक्रम के आयोजक लवी राज एंड विजय राज ने गाज़ियाबाद में 17 अप्रैल 2022 को शाइनिंग स्टार इंडिया-2 के नाम से एक बहुत बड़ा भव्य ब्यूटी पेजेंट, डांस शो एंड ब्राइडल कम्पटीशन शो का सफल आयोजन किया। पिछले एडिशन में उनके शो में देश भर से बहुत अधिक संख्या में बच्चों ने भाग लिया था। इस बार पहले से दुगने से ज्यादा बच्चो ने इवेंट के लिए रजिस्टर किया। चेन्नई, महाराष्ट्र, जयपुर, दिल्ली एनसीआर, पटना-बिहार, कोलकाता के अलवा कई क्षेत्रों से लोगो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया.। शो में 80 फैशन मॉडल, 35 ब्राइडल मेकअप आर्टिस्ट और मॉडल, 20 डांस प्रतिभागी और 30 मेकअप आर्टिस्ट टीम थीं। लवी-स्टाइल प्रोडक्शन के शाइनिंग स्टार इंडिया-2 को दिल्ली-एनसीआर का अब तक सबसे सफल एंड बड़ा शो माना जा रहा है। शो में मुख्य अतिथि में 360 एडवरटाइजिंग के डायरेक्टर मोहित अरोड़ा जी रहे। शाइनिंग स्टार इंडिया-2 को स्वस्तिका शिखर (कोलकाता) और अभि शर्मा ने कोरियोग्राफ किया। फैशन शो की जानकारी देते हुए लवी राज ने बताया कि फैशन शो के जूरी पैनल में मास्टर जूरी डॉ अजमल (डार्लिन प्रोडक्शन), अभी शर्मा, दिशा कर्माकर एंड प्रज्ञा पांडे रहे. ब्राइडल कम्पटीशन के जूरी पैनल में रितु सिंह, रवि कश्यप, और सुमित ब्लश किंग शामिल रहे। डांस शो के जज में सागर केडीपी, नाजिम और लकी थापा रहे। हेमंत और प्रज्ञा पाण्डेय को लेवी-स्टाइल ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया। फैशन शो की मिस कैटेगरी में जेनिफर विनर, दीपिका फर्स्ट रनर अप और प्रीति मलिक सेकेंड रनर अप, मिसेज कैटेगरी में रमा कर्णवाल विनर, ज्योति फर्स्ट रनर अप और अंजलि सेकेंड रनर अप, मिस्टर कैटेगरी में कृष्णा विनर, कार्तिक फर्स्ट रनर अप, अमन सेकेंड रनर अप रहा. ब्राइडल मेकअप आर्टिस्ट प्रतियोगिता में सोनिया गुप्ता प्रथम, रूही नाज द्वितीय और तन्मय तृतीय स्थान पर रहीं। लवीस्टाइल शो के ओपनर हेमंत, सुहैल, नंदनी, सनी गोरा, ध्रुव शर्मा, नगुला सात्विका, और शो स्टॉपर कृष्णा मणि पांडे, शिवानी चौधरी, दानिश, नवोदित, आफरीन, टेरेसा क्रिस्टैन, पीली कृष्णकुमार, संगीता कोनार, रामा कर्णवाल ने शानदार रैंप वॉक किया. अमित सूद, देव सरन, मुकुल मिश्रा, अभियान सिंह, विशाल सिंह राणावत, अरहान अंसारी, गुरु राज, ऋतिक कश्यप, विशाल कनौजिया, साध खान, रोहित कुमार, शिवानी, प्रियंका दीक्षित, सोनाली, भावना, कुसुम सांगा, सोनिया, सचिका वर्मा, परी पूजा, कोमल पांडे, वैभव, और अभिनव ने स्पेशल वॉक कैटेगरी में भाग लिया। मेल ड्रेस डिज़ाइनर में टीम सहजाद, फीमेल में प्रभजोत एंड अंजलि रहे. मेकअप आर्टिस्ट में टीम अक्रांशा एंड टीम ज्योति ने बेहतरीन काम किया. इस बार शो में बच्चों के लिए आईफा ट्रॉफीज, पोर्टफोलियो, गिफ्ट हैंपर्स, सर्टिफिकेट्स, फ़ूड, मीडिया कवरेज, मैगज़ीन कवरेज, वेब कवरेज के अलावा कई उपहार रखे गए. इवेंट में 130 से ज्यादा प्रतियोगी के अलावा बहुत से गणमान्य लोग जैसे अजय आर्या (होलिस्टि कोच), वर्मा सोनिया (आपकी सेहत पत्रिका) अनिल अरोड़ा (चेतन विज्ञापन) जुनेद खान (बॉलीवुड अभिनेता) लकी कश्यप (नटराज क्लब), नदीम पी न्यूज़ समाचार, दिल्ली दिव्या मीडिया, सोशल मीडिया सेलिब्रिटीज गीता कश्यप, हिमानी खरे, न्यूज़ मीडिया से भी लोग उपस्तिथ रहे. रोहित राजपूत और रिया सिंह (गार्गा क्रिएशन्स) ने आयोजन का प्रबंधन किया।

सूर्य ने उगली आग, तेज रोशनी से ठप्प पड़ सकते है सैटेलाइट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ कोलकाता/ शिव कुमार यादव। एक तरफ भीषण गर्मी की शुरूआत हो चुकी है तो दूसरी तरफ सूर्य भी आग उगल रहा है। सूर्य से निकली तेज रोशनी पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्पेस साइंसेज (सेसी) का कहना है कि सूर्य से काफी अधिक तेज रोशनी पैदा हुई थी. इससे रेडियो संचार, इलेक्ट्रिक बिजली ग्रिड, सैटेलाइट कम्यूनिकेशन पर असर पड़ सकता है। सूर्य से बुधवार को विपुल सौर चमक पैदा हुई जिसपर कोलकाता स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में सेसी के एसोसिएट प्रोफेसर एवं कॉर्डिनेटर दिब्येंदु नंदी ने कहा कि सौर मैग्नेटिक सक्रिय क्षेत्र एआर 12992 से समन्वित सार्वभौमिक समय 3 बजकर 57 मिनट पर एक्स 2.2 श्रेणी की सौर चमक पैदा हुई। जिससे उपग्रह संचार एवं वैश्विक स्थैतिकी प्रणाली पर प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है। सौर चमक ऊर्जा का इतना सशक्त उद्गागार है, जो रेडियो संचार, इलेक्ट्रिक बिजली ग्रिड, नौवहन सिग्नल पर असर डाल सकता है और अंतरिक्षयान एवं अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस चमक को एक्स श्रेणी में रखा जाता है, जो सबसे तीक्ष्ण चमक है. आंकड़ा इसकी ताकत के बारे में और सूचना उपलब्ध करता है। सेसी ने ट्वीट किया कि भारत, दक्षिणपूर्व एशिया एवं एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मजबूत आयन मंडलीय उभार जारी है।

दिल्ली के स्वयं सहायता समूह ने बेंगलुरू में लगाया आजीविका मेला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

कर्नाटक/शिव कुमार यादव। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और राष्ट्रीय ग्रमीण आजीविका मिशन द्वारा कर्नाटक के बेंगलूरू के नेशनल कॉलेज मे आयोजित 'संजिवनी सरस मेला '2022 का आयोजन किया गया। इस मेले का राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई द्वारा उद्घाटन किया गया जिसमें देश भर से चुनिंदा 200 स्वंम सहायता समूहो एसएचजी ने भाग लिया और अपने हाथ से बने सामान को सेल व प्रदर्शन किया। सरस मेला मे दिल्ली से 6 स्वंम सहायता समूहों ने भाग लिया और लोगों ने सामानों को लोगो ने जम खरीदारी भी की। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन दिल्ली के स्टेट मिशन मैनेजर श्री शीलकान्त शर्मा जी ने एक वार्ता में बताया की हमारे साथ काम करने वाली मनीषा इंटर प्राइजेस स्वंम सहायता समूह, उड़ान स्वंम सहायता समूह, श्री गणेश स्वंम सहायता समूह, जीविका स्वंम सहायता समूह, शिवा स्वंम सहायता समूह एवं संचित स्वंम सहायता समूह ने मेले के दौरान अन्य समूहों को जीएसटी, मार्केटिंग, उद्यम आधार रजिस्ट्रेशन, पेकेजिंग जैसे कई विषयों पर ट्रेनिंग दी। देश के विभिन्न राज्यो के मजेदार व प्रसिद्ध व्यंजनो को भी फ़ूड स्टाल के माध्यम से एसएचजी द्वारा बनाया गया था। उन्होंने बताया कि कर्नाटक सरकार द्वारा ठहरने व खानपान, ट्रांसपोर्ट की उचित व्यवस्था की गई थी। मेले में देश के विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को नजदीक से देखने का और प्रांतीय भाषाओं को सुनने व जानने का सभी एसएचजी को मौका मिला। सरस मेला का आयोजन कर्नाटका सरकार द्वारा 8 अप्रैल से 18 अप्रैल 2022 तक किया गया था जो काफी सफल रहा। दिल्ली राज्य के राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की प्रबंधक निर्देशक डॉ मोनिका प्रियदर्शिनी व चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्रीमती गीता ग्रोवर ने सभी प्रतिभागि स्वंम सहायता समूहों को दिल्ली से अनुमति प्रदान कर मेले में हिस्सा लेने के लिए जागरूक किया गया था। सरस मेला बेंगलुरु मे दिल्ली टीम से कोऑर्डिनेटर नवीन कोटिया, निष्ठा और सिटी मिशन मैनेजर रुक्मणि व धरती स्वंम सहायता समूहों के साथ मौजूद रहे।

अधिकारी कैमिकल स्टोरेज में अग्निशमन व गैस रिसाव से संबंधित सुरक्षा उपायों की करें जांच- दुष्यंत चौटाला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

चंडीगढ़/शिव कुमार यादव। 20 अप्रैल को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रदेश के सभी उद्योगों के कैमिकल स्टोरेज में अग्निशमन व गैस रिसाव से संबंधित सुरक्षा उपायों की जांच करें और इस संबंध में एक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) भी तैयार करें। संबंधित उद्योग अगले 60 दिन में अपनी सभी औपचारिकताएं पूरी कर लें और उसके बाद औचक निरीक्षण कर जांच आरंभ कर दें। डिप्टी सीएम, जिनके पास उद्योग एवं वाणिज्य विभाग का प्रभार भी है, ने आज यहां श्रम विभाग,उद्योग एवं वाणिज्य तथा अग्निशमन सेवाएं निदेशालय के वरिष्ठ्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। श्री दुष्यंत चौटाला ने हाल ही में सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट में मजदूरों की मौत व हिसार में दुकान, भिवानी में खेतों में फसलें जलने जैसी कई अन्य घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सरकार के लिए गरीब, मजदूर, किसान व दुकानदार की जान व माल अनमोल है, इनकी सुरक्षा प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी जिलों में सूचना भेज दें कि जिन उद्योगों के पास किसी ईंधन या कैमिकल का स्टोरेज है तो वे विभाग के पोर्टल पर अगले 60 दिन में जानकारी अपलोड कर दें और साथ ही आगामी अग्निशमन सेवाएं निदेशालय से अग्निशमन की एनओसी लेना सुनिश्चित करें। कैमिकल स्टोरेज के लिए प्रमाणिकरण करवाना भी आवश्यक है। उन्होंने शॉर्ट सर्किट से खेतों में फसलों में आग लगने व दुकानों में सामान जलने के बढ़ते मामलों में बिजली विभाग के अधिकारियों को उक्त घटनाओं की जांच करने व भविष्य में रोक लगाने के लिए ऐहतियात कदम उठाने के निर्देश दिए।

हरियाणा के बाद अब दिल्ली में भी फिर से मास्क पहनना हुआ जरूरी, नियम तोड़ने पर लगेगा जुर्माना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। हरियाणा के बाद दिल्ली में भी फिर से मास्क् पहनने की शर्त को अनिवार्य कर दिया गया है। जो लोग मास्क नही लगायेंगे उन पर प्रशासनिक अधिकारी जुर्माना लगायेंगे। राजधानी में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए डीडीएमए की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली में फिर से मास्क पहनने का आदेश दिया है। साथ ही स्कूलों को बंद करने की बात पर डीडीएमए ने क्लीयर किया कि स्कूल बंद नही होंगे बल्कि स्कूलों में प्रोटोकाल का सख्ती से पालन किये जान के अदेश भी दिये है। दिल्ली में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच एक बार फिर से सख्त पाबंदियों की वापसी होती दिख रही है. ताजा फैसले में राजधानी में मास्क पहनने

को फिर से अनिवार्य कर दिया गया है। मास्क न पहनने पर 500 रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं कोरोना के मामलों में प्रतिदिन आ रही उछाल के बाद मास्क की वापसी हो गई है। इसके लिए एक एसओपी भी जारी की जाएगी, जिसमें कोविड प्रोटोकॉल के सख्ती से पालन की बात दर्ज हो सकती है। इसके अलावा डीडीएमए की बैठक में फिलहाल स्कूलों को बंद नहीं करने पर सहमति बनी है। बता दें कि इसी साल दिल्ली में कोरोना मामले कम होने के बाद फेस मास्क न पहनने पर लगने वाले 500 रुपये के जुर्माने को हटा दिया गया था, तब से बहुत कम लोग मास्क पहन रहे थे.। मौजूदा समय में जिस तेजी से कोरोना संक्रमण फैल रहा है, उसे देखते हुए फिर से मास्क की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। राजधानी में कोरोना मामलों में लगातार कमी के बाद एक बार फिर नए संक्रमणों में तेजी देखने को मिल रही है. 11-18 अप्रैल के बीच दिल्ली में संक्रमण दर में करीब तीन गुना बढ़ गई है। इसके बाद से माना जा रहा था कि डीडीएमए बैठक के दौरान कुछ सख्त फैसले ले सकता है। दिल्ली में मंगलवार को कोरोना के 632 नए मामले सामने आए थे, जिनके साथ कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 1900 से ज्यादा हो चुकी है।

कार्रवाई एमआईई बहादुरगढ़ में हुई गांव सिद्धिपुर निवासी तस्वीर की हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

झज्जर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, ब्लाइंड मर्डर की वारदात का किया पटाक्षेप

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

बहादुरगढ़/शिव कुमार यादव। पुलिस अधीक्षक झज्जर श्री वसीम अकरम आईपीएस के कुशल नेतृत्व में झज्जर पुलिस की एक टीम द्वारा मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए एमआईई बहादुरगढ़ में हुई एक व्यक्ति की हत्या व उसकी मोपेड लूटने की वारदात का पटाक्षेप कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत भुषण के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए थाना शहर बहादुरगढ़ पुलिस की टीम ने हत्या की उपरोक्त वारदात के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई। पुलिस की टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर तत्परता से सटीक कार्यवाही करते हुए दोनों

आरोपियों को काबू करके ब्लाइंड मर्डर की उपरोक्त वारदात का खुलासा कर दिया गया। उपरोक्त वारदात के संबंध में प्रथम दृष्टया खुलासा हुआ कि यह वारदात लूटपाट की नियत से हमला करने पर हुई थी। सोमवार को थाना शहर बहादुरगढ़ के प्रांगण में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उपरोक्त वारदात के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत भूषण ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते 25/26 मार्च 2022 की रात को आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र पार्ट ए बहादुरगढ़ में स्थित एक फैक्ट्री में गार्ड तस्वीर सिंह निवासी ग्राम सिद्धिपुर जिला झज्जर की चोटे मारकर हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया था। हत्या की वारदात के पश्चात अज्ञात आरोपी उसकी टीवीएस मोपेड, उसका मोबाइल फोन तथा फैक्ट्री कार्यालय से लैपटॉप को भी लुटकर मौका से फरार हो गए थे। हत्या की वारदात के संबंध में सूचना मिलने पर तुरंत स्थानीय पुलिस की टीम मौका पर पहुंची। जहां स्थानीय लोगों से बातचीत करके विस्तृत जानकारी लेते हुए उपरोक्त वारदात के संबंध में थाना शहर बहादुरगढ़ में अज्ञात दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। उपरोक्त वारदात की सूचना पर पुलिस अधीक्षक महोदय झज्जर श्री वसीम अकरम द्वारा स्वयं घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई थी। एसपी के दिशा निर्देश अनुसार तत्परता एवं गहनता से कार्यवाही करते हुए ब्लाइंड मर्डर की उपरोक्त वारदात को सुलझाने में कामयाबी हासिल की गई। उन्होंने बताया कि उपरोक्त वारदात को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए थाना प्रबंधक शहर बहादुरगढ़ निरीक्षक जय भगवान के नेतृत्व में एमआईई चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक रोहतास की टीम ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए उपरोक्त के मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर वांछित आरोपियों को टिकरी बॉर्डर के नजदीक बहादुरगढ़ के एरिया से काबू किया गया।

ख़ास ख़बर

इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी अनिकेत व दीपिका ने कराटे में जीते गोल्ड व अन्य पदक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। लॉसवेगस में आयोजित अमेरिका ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में भारत से कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के खिलाड़ियों ने भी इस चैंपियनशिप में भाग लिया। चैंपियनशिप में इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी अनिकेत गुप्ता व दीपिका धीमान ने गोल्ड मेडल सहित कुल पांच पदक जीते।

जबकि सुप्रिया जाटव व भुवनेश्वरी जाधव ने भी गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कीओ की कोच कीर्थन कोंडरू ने बताया कि 14 से 17 अप्रैल को अमेरिका के लासवेगस शहर में अमेरिका 2022 ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था जिसमें कई देशों के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में भाग लिया था। भारत से भी कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के तहत पांच खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गा में भाग लिया था। जिसमें इन्कम टैक्स के अधिकारी अनिकेत गुप्ता ने एक गोल्ड व एक ब्रांज मेडल तथा दीपिका धीमान ने एक गोल्ड, एक सिल्वर व एक ब्रांज मेडल जीता है। इसके साथ ही खिलाड़ी सुप्रिया जाटव ने एक गोल्ड व एक ब्रांज व भुवनेश्वरी जाधव ने एक सिल्वर व एक ब्रांज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में मिक्स काटा, इलाईट टीम कुमाईट तथा इलाईट कुमाईट में पदक जीते है। यहां सबसे विशेष बात यह है कि अनिकेत गुप्ता व दीपिका धीमान इन्कम टैक्स विभाग में कार्यरत हैं। इस चैंपियनशिप में भारत ने कुल 3 गोल्ड, 2 सिल्वर व 4 ब्रांज मेडल जीते हैं। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष विजय तिवारी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके सुनहरे भविष्य की कामना की हैं।

स्पेशल सीपी संजय सिंह ने दिया आपसी भाईचारें के साथ रहने का संदेश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली के स्पेशल सीपी लाइसेंसिंग ने जहांगीरपुरी में धार्मिक शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा के बाद ईलाके में बने तनाव को दूर करने के लिए अपने ट्विटर अकांउट पर शायराना अंदाज में आपसी भाईचारे के साथ रहने का संदेश दिया। उन्होने कहा कि दिल्ली पुलिस लगातार ईलाके में तनाव व लोगों की आपसी दूरी को दूर करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पुलिस अधिकारी अमन कमेटी का आयोजन कर रहे हैं। ताकि दोनों समुदायों में पहले जैसा भाईचारा कायम हो सके और ईलाके में अमन-चैन लौट सके। इन्हीं प्रयासों के बीच स्पेशल सीपी लाइसेंसिंग संजय सिंह ने शायराना अंदाज में समाज को आपसी भाईचारे से रहने का संदेश दिया। उन्होने अपने सोशल मीडिया ट्विटर हैंडल पर एक ट्वीट करते हुए लिखा है कि चमन में इठलाते रंगों की खुशबू से बात बनती है हम ही हम हैं तो क्या हम है, तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो, बात तो तब बनती है

जहांगीरपुरी में यूपी की तर्ज पर चला बुल्डोजर सुप्रीम कोर्ट को तीन बार करना पड़ा दखल

अवैध निर्माण पर -सुप्रीम कोर्ट कल करेगा सुनवाई, तब तक यथास्थिति बनाये रखने के आदेश किये जारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली के जहांगीरपुरी में हिंसा के बाद एमसीडी और प्रशासन सख्त हो गया है। यूपी में अपराधियों के घरों पर सीएम योगी की बुल्डोजर चलाने की नीति अब दिल्ली में भी आ गई है। जिसके चलते अब जहागीरपुरी में हनुमान जयंती के दौरान भड़की हिंसा के आरोपियों पर यूपी की तर्ज बुल्डोजर चलाया जा रहा है। हालांकि पूरे देश में इस कार्यवाही पर कई पार्टियों के नेता इसे भाजपा की गुंडई बताकर गरीबों को उजाड़ने के आरोप लगा रहे हैं। हालांकि इस कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट के स्थगन आदेश के दो घंटे बाद तक प्रशासन कार्यवाही करता रहा जिसकारण सुप्रीम कोर्ट को इस मामले पर तीन बार दखल देना पड़ा तब जाकर बुल्डोजर शांत हुए और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि वीरवार को यानी कल सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर विस्तृत रूप से सुनवाई करेगी तब तक के लिए सुप्रीमकोर्ट ने प्रशासन से यथास्थिति बनाये रखने के आदेश दिये हैं। जहांगीरपुरी में बुधवार को दिल्ली नगर निगम ने अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई शुरू की। एक घंटे के भीतर ही सुप्रीम कोर्ट ने इस ऑपरेशन पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है, जिसमें दंगे के आरोपियों के घर गिराने का विरोध किया गया है। अदालत ने कहा कि कल सुनवाई तक जहांगीरपुरी में यथास्थिति बरकरार रखी जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जहांगीरपुरी में एमसीडी की कार्रवाई कुछ जगहों पर जारी थी। जब याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट को इस बात की जानकारी दी तो सीजेआ एनवी रमना ने तुरंत रजिस्ट्रार को आदेश दिया कि एमसीडी दिल्ली पुलिस और मेयर तक हमारा आदेश तुरंत पहुंचाया जाए। सुप्रीम कोर्ट के पहले ऑर्डर के करीब 2 घंटे बाद निगम की कार्रवाई पूरी तरह रोकी गई। जब ऑपरेशन बुलडोजर को लेकर दिल्ली के स्पेशल पुलिस कमिश्नर दीपेंद्र पाठक से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन फैसला लेगी। हम यहां पर एमसीडी को सुरक्षा और मदद पहुंचाने के लिए मौजूद हैं। वहीं, अब इस मामले पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी नेता जीवीएल नरसिंह राव ने एक विवादित ट्वीट किया- 'श्रब्ठ= जिहाद कंट्रोल बोर्ड'। हालांकि, बाद में उन्होंने ट्वीट डिलीट कर दिया। इधर, विपक्षी पार्टियों ने भी बीजेपी पर जमकर निशाना साधा।

कांग्रेस - 'बुलडोजर से सिर्फ मकान ध्वस्त नहीं हो रहे, आपका-हमारा संविधान ध्वस्त हो रहा है!' राहुल गांधी ने कहा कि नफरत का बुलडोजर चलाना बंद करो, पावर प्लांट शुरू किया जाए।

एआईएमआईएम - बीजेपी ने गरीबों के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। साथ ही उन्होंने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

आप - देश भर में दंगे हो रहे हैं। जगह-जगह गुंडई और लफंगई हो रही है। ये सभी दंगे भाजपा करवा रही है। हम गारंटी देते हैं, भाजपा भ्फ पर बुलडोजर चला दो, पूरे देश के दंगे रुक जाएंगे।

बीजेपी - कानून के तहत बुलडोजर से अवैध निर्माण हटाए जाने की कार्रवाई की गई। इसे सियासी रंग देना गलत है।

समाजवादी पार्टी - संविधान और सुप्रीम कोर्ट की भावना के विरुद्ध दिल्ली के जहांगीरपुरी में चलाया गया बुलडोजर। गंगा जमुनी तहजीब, अमन, सद्भावना और गरीब की रोटी छीनने का एक और भाजपाई प्रयास है।

टीएमसी - हम लोगों को बांट के नहीं रखते। धर्म, जाति, कर्म के आधार पर अलग नहीं करते। हमारी नजर में सब एक हैं।

जहांगीरपुरी हिंसा के सबसे बड़े अपडेट्-जहांगीरपुरी हिंसा के आरोपियों को आज फिर दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में पेशी की गई। कोर्ट ने अंसार, सलीम, दिलशाद और गुल्ली की पुलिस कस्टडी 3 दिन तक बढ़ा दी है।

नॉर्थ एमसीडी के मेयर ने अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सही ठहराया है। उन्होंने कहा कि जो भी एक्शन लिया जा रहा है, वो नियमों के मुताबिक है। सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

जमात-ए-इस्लामी हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जहांगीरपुरी हिंसा के बाद मुस्लिम समुदाय से मुलाकात की। जेआईएच ने हिंसा के लिए दिल्ली पुलिस की ढ़िलाई को वजह बताया है।

दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी हिंसा के दौरान एक आरोपी को पिस्टल देने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इसकी पहचान गुल्ली के रूप में हुई है। इससे पहले हिंसा मामले में गिरफ्तार हुए 5 आरोपियों पर रासुका लगाया गया है। इनमें अंसार, सलीम, सोनू, दिलशाद, आहिर शामिल हैं। अब दंगे में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के शामिल होने की भी जांच होगी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को ही 5 लोगों को अरेस्ट किया है। ये सभी एक ही परिवार के हैं। इससे पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी सोनू चिकना उर्फ इमाम उर्फ यूनुस ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। सोनू ने बताया कि हनुमान जयंती के दिन मैंने कुशल चौक के पास फायरिंग की थी। पुलिस ने सोनू के पास से एक पिस्टल भी बरामद की है। जहांगीरपुरी हिंसा मामले में अब तक 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही 2 नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है। हिंसा में 8 पुलिसकर्मी और एक नागरिक घायल हो गए थे। 16 अप्रैल को जनुमान जयंती के जुलूस में जामा मस्जिद के पास हुई मामूली बहस ने हिंसा का रूप ले लिया था। देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया और शोभायात्रा में भगदड़ मच गई।

नगर निकाय ने अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस से 400 कर्मियों को बुलाया गया। दिल्ली के जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने से पहले लोगों ने अपना सामान हटाया, इनमें से ज्यादातर लोग कबाड़ का काम करते हैं। भारी सुरक्षा के बीच जहांगीरपुरी इलाके में बुलडोजर की एंट्री हुई। प्रशासन ने 9 बुलडोजर के जरिए बुधवार को कार्रवाई शुरू की। बुलडोजर ने कई अवैध मकानों को तोड़ दिया। इस बीच एमसीडी के ड्राइवर ने बताया कि सड़कों पर बनी झुग्गियों और दुकानों को हटाया जाना है।

एहसास चैरिटेबल ट्रस्ट नव्या सर्जना के द्वारा एहसास द सेकंड इनिंग का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। एहसास चैरिटेबल ट्रस्ट नव्या सर्जना संस्था के द्वारा एहसास द सेकंड इनिंग आजादी के 75 अमृत महोत्सव का आयोजन। 16 अप्रैल को इस्कॉन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों और हमारे सीनियर को कला के प्रति लोगों को जागरूक करना था। टीम एहसास को स्पेशल कीडस, स्लम किड्स, दिव्यांग और समान्य बच्चों को एक साथ एक ही मंच पर लाना है। नव्या सर्जना संस्था पिछले कई सालों से इस तरह के कार्यक्रम करवाते आ रहे हैं। इस प्रोग्राम में बच्चे रैंप वॉक, डांस और पेंटिंग भाग लेते हैं। इस प्रोग्राम में अवार्ड भी रखे जाते हैं जो भिन्न भिन्न क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाता है। इस साल इस कार्यक्रम में कई सारे थीम थे- वुमन एंपावरमेंट, सीनियर वॉक लता मंगेशकर जी को ट्रिब्यूट किड्स वॉक, स्पेशल प्रोग्राम बाय निरवाना किड्स डिजाइनर किड्स वॉक, सीनियर वॉक लेकर आयोजन दिल्ली में पहली बार हुआ स इस प्रोग्राम मे नव्या सर्जना के बच्चे और

चाइल्ड होम के बच्चों ने डांस का परफॉर्मेंस भी दिया। यहां आजादी के 75 अमृत महोत्सव थीम पर पेंटिंग कंपटीशन भी रखा गया, जिसमे चाइल्ड होम और एहसास एक पाठशाला मंगोलपुरी के बच्चों ने पार्टिसिपेट किया, इस कंपीटीशन की जज थी आरती मेहता जी, मोही जी और जोया और किड्स फैशन शो के जज रहे सुप्रीम कोर्ट की वकील स्वेतलाना एंड क्रिस्टफर जी एंड तपस दास जी, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीति आयोग से मनोज उपाध्याय जी, बीएन राव जी, अन्नपूर्णा सत्यपति व खास मेहमानों में दूरदर्शन के डायरेक्टर ओ पी राजपुरोहित जी, रजनी सुब्बा जी, इंडिरॉक्स के दिनेश देसवाल जी, आसिष चौधरी जी, बी एस राजपुरोहित जी, सुनील मिश्रा जी, संजय राजदान, स्वेता जी, चेताली जी, मीनाक्षी अनुपम, मीनू जी मोहित बजाज जी व कई प्रबुद्ध हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर एक्टर शिवाकुमार, अमित आंतिल, अनिल अरोड़ा, ऐक्ट्रेस शालिनी सिंघल, शामिल हुए।कार्यक्रम में अवॉर्डी रहीं रजनी सुब्बा अन्नपूर्णा सत्यपति, नीलिमा ठाकुर, स्वेतलाना जी स्वेतलाना जी रूबी शर्मा जी, मिस्टर एंड मिसेज जस्सी, शिल्पा एन, के साथ कई और प्रबुद्ध व्यक्तित्वों को दिया गयास किड्स डिजाइनर पल्लवी, बंदना डिजाइनर किडिका काउचर बाय सलमान अंसारी, फीमेल डिज़ाइनर रेणु वर्मा, करिश्मा शर्मा के कलेक्शन, और हर्षिता जी जो कि हमारे सीनियर मॉडल्स की डिजाइनर थी उनके कलेक्शन को खूब सराहना मिली, मेकअप के लिए अलका एंड टीम, , कविता जी और हेयर स्टाइल के लिए यश कुंवर और रोहित एंड टीम को अवार्ड दिया गया।

यंग अचीवेरस में जगदलपुर बस्तर के युवराज सिंह, नवनीत कौर, अर्पित पांडे को एहसास यंग अचीवर का सम्मान दिया गया। इस कार्यक्रम में आये वान्या सिंह द्वारा छोटे बच्चों को गिनीज रिकॉर्ड होल्डर आरती मेहता जी द्वारा ड्राइंग वर्कशाप भी दी गयी। बच्चों की मोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों की एक रैम्प वाक भी रखी गयी थी। ये रंजीत सिंह जी व कंचन सिंह जो कि नव्या सृजना के फाउंडरस है उनका एक सराहनीय प्रयास समाज के लिए रहा। ऐ आर के फॉउन्डेशन ने इस कार्यक्रम में सहयोगी की भूमिका निभाई।

कालागढ़ नेशनल पार्क में बढ़ रहा हाथियों का परिवार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

कालागढ़/शिव कुमार यादव। कालागढ़ पार्क में हाथियों की संख्या बढ़ाने के लिए पिछले काफी समय से वन विभाग जी तोड़ मेहनत कर रहा था। लेकिन अब जाकर काफी समय बाद कालागढ़ में एक खुशी की खबर सामने आई है। जिसमें कालागढ़ स्थित एलीफेंट कैंप में आज़ एक पालतू हथिनी ने नये शावक को जन्म दिया है। इस नये मेहमान के आने के बाद पूरा एलीफेंट कैंप प्रशासन खुश हैं। आज शनिवार को सुबह चार बजे गंगा नाम की पालतू हथिनी ने एक शावक को जन्म दिया। फ़रवरी 2017 में कर्नाटक से यहां पर हाथी लाये गये थे। करीब तीन साल पहले कंचंबा नाम की हथिनी ने एक शावक को जन्म दिया था। इसका नाम सावन रखा गया था। इस हाथीशाला में नर शावक के बाद अब हथिनी ने मादा शावक को जन्म दिया है। इस समय सावन सहित छह हाथी हाथीशाला में है। छह हाथियों के परिवार में नव शावक के आने से खुशी का माहौल बना हुआ है। इस नवजात शावक की सुरक्षा को लेकर एलीफेंट कैंप प्रशासन खासा चिंतित हैं। हाथियों के नवजात शावकों पर टाईगर के हमले अधिक होने की संभावना हमेशा बनी रहती है। इसकी इंचार्ज श्रीमती सादाब आलम ने बताया कि नवजात शावक एवं उसकी मां गंगा पूरी तरह स्वस्थ हैं। कार्बेट पार्क के पशुचिकित्साधिकारी डा दुष्यंत कुमार शर्मा द्वारा दोनों का स्वास्थ परिक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि हाथियों के शावक पर टाईगर के हमले की संभावना हमेशा बनी रहती है। इस कारण हथिनी और उसके शावक को सुरक्षित कवर बाड़े में रखा गया है। वन कर्मी हमेशा नजर बनाए रखेंगे। नवजात शावक का नाम पूछे जाने पर सादाब आलम ने बताया कि अभी उच्चाधिकारियों से विचार विमर्श करने के बाद शावक का नामकरण की तारिख तय की जायेगी।

दिल्ली सरकार निशानेबाजी को देगी बढ़ावा, दिल्ली में बनाई जायेंगी दो शूटिंग रेंज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली में खेलों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में निशानेबाजी में रूचि रखने वाले खिलाड़ियों के लिए अब सरकार नई शूटिंग रेंज बनाने जा रही है। दिल्ली सरकार विकासपुरी व कालका जी में

दो शूटिंग रेंज बना रही है। विकासपुरी के एफ-ब्लॉक में स्थित खेल परिसर में 10 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल व एयर राइफल शूटिंग इंडोर रेंज तैयार की जा रही है। यहां बता दें कि ये दिल्ली सरकार द्वारा तैयार की जा रही पहली शूटिंग रेंज है। खेल विभाग की मानें तो आगामी दो माह के भीतर ये तैयार हो जाएगी। अब सभी खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए तुगलकाबाद स्थित डा. कर्णी सिंह चांदमारी शूटिंग रेंज का रुख नहीं करना पड़ेगा।

आजादी के 75 साल पूरे होने पर 'सुपर-7' महिलाओं को किया गया सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर 'सुपर-7' महिलाओं को सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को सात महिलाओं को विमान उड़ाने, सर्फिंग और पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया है। सरकार ने कहा कि इन 'सुपर-7' महिलाओं की उपलब्धियों पर शॉर्ट फिल्में बनाई जाएंगी और उन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दिखाया जाएगा। जिन सुपर सात को सम्मानित किया जा रहा है उनमें बसंती देवी शामिल हैं, जिन्होंने उत्तराखंड में कोशी नदी के संरक्षण के लिए लड़ाई लड़ी है और पद्म पुरस्कार से सम्मानित हैं। इसके अलावा माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली अंशु सेम्पा; हर्षिनी खांडेकर, पूनम नौटियाल, डॉ टेसे थॉमस, आरोही पंडित और तन्वी जगदीश को भी सम्मानित किया गया। यह आयोजन भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य का हिस्सा है। सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने महिलाओं को सम्मानित किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जनभागीदारी का मुद्दा आंदोलन के मूल में रहा है। यह महिलाओं की भागीदारी और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने की पहलों में से एक है।

आयोजन | वास्थ्य मेंले की जानकारी देते हुए अध्यक्ष डॉ नवल कुमार वर्मा ने बताया

रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन द्वारा अटल स्वास्थ्य मेला का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन द्वारा श्रीनगर, महिंद्र पार्क, रामलीला मैदान, दिल्ली में अटल स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन के ग्लोबल अध्यक्ष डॉ नवल कुमार वर्मा एवं फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष डॉ प्रीति वर्मा ने आयोजन को अंजाम दिया। स्वास्थ्य मेले में करीब 1000 रोगियों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हे मुफ्त दवाईयां दी गइ। स्वास्थ्य मेंले की जानकारी देते हुए अध्यक्ष डॉ नवल कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में नेहरू होम्योपैथिक हॉस्पिटल से 10 होम्योपैथिक डॉक्टर, सफदरगंज हॉस्पिटल से 2 ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर, तिबिया कॉलेज से 3 आयुर्वेद डॉक्टर, संतोष मेडिकल कॉलेज से दंत चिकित्सक, दिल्ली यूनिवर्सिटी से 25 विद्यार्थियों ने एवं रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन से 15 स्वयंसेवकों ने कैम्प में भाग लिया और अपनी सेवा प्रदान की। डॉ नवल कुमार वर्मा की देखरेख में सभी डॉक्टरों द्वारा 1000 से ज्यादा मरीजों को होम्योपैथिक उपचार एवं दवाइयां, आयुर्वेदिक उपचार एवं दवाइयां, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा बुजुर्गों को जोड़ों के दर्द का उपचार एवं दवाइयां, 50 से ज्यादा महिलाओं को 6 महीने के लिए सेनेटरी नेपकिन पैड एवं सभी मरीजों को सुखा राशन निशुल्क मुहैया कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में आए दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर आर. पी. मीना ने रेजॉइस हेल्थ फाउंडेशन के ग्लोबल अध्यक्ष डॉ नवल कुमार वर्मा, संस्थापक अध्यक्ष डॉ प्रीति वर्मा की प्रशंसा करते हुए उनको और उनकी टीम को साधुवाद एवं धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ नवल कुमार वर्मा ने वस्त्र ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर त्रिलोक सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल संजीव श्रीवास्तव, मातृशक्ति संस्था की संस्थापक अध्यक्ष एवं दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोनिका गुप्ता, सफदरजंग हॉस्पिटल से ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर जुझार सिंह, संतोष मेडिकल कॉलेज से प्रोफेसर परविंदर कौर, तिबिया कॉलेज से डॉक्टर कौशिक महापात्र, होम्योपैथी डॉक्टर राजीव चोपड़ा, आयुर्वेदिक डॉक्टर अक्षय डोगरा, रेजॉइस युथ ग्रुप से रीना वर्मा, मेडिकल किट के सहयोग के लिए रवि सोनी, नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं दिल्ली यूनिवर्सिटी से आए स्वयंसेवियों को धन्यवाद दिया।

ख़ास ख़बर

हनीप्रीत नही राम रहीम ही रहेंगे डेरा सच्चा सौदा के गुरू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देहरादून/शिव कुमार यादव। हनीप्रीत को डेरा सच्चा सौदा की गद्दी मिलने की चर्चा पर राम रहीम ने विराम लगाते हुए कहा कि भगवान ने उन्हे डेरे का गुरू बनाया है जिसे देखते हुए हम ही गुरू हैं और हम ही रहेंगे।

संगत को भेजे पत्र में राम रहीम ने लिखा कि वह अभी भी डेरा के प्रमुख है और आगे लिखा कि हम ही गुरु हैं और हम ही रहेंगे, किसी के बहकावे में मत आना। हालांकि हनीप्रीत को लेकर कुछ दिनों से डेरे की गद्दी सौंपने का मामला चर्चा में चला हुआ था। जिसपर रामरहीम को पत्र लिखकर जवाब देना पड़ा। हनीप्रीत को डेरा सच्चा सौदा की गद्दी सौंपने की सोशल मीडिया पर चल रहीं अफवाहों के बीच डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने डेरा के स्थापना दिवस पर एक बार फिर सुनारिया जेल से अनुयायियों के लिए पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने लिखा परमपिता परमात्मा जी ने हमें अपना गुरु बनाया था गुरु हैं और हम ही गुरु रहेंगे। किसी के बहकावे में मत आना, वचन सिर्फ गुरु और गुरु के ही होते हैं, बाकी सब की तो सिर्फ बातें होती हैं।

श्री केदारनाथ धाम के रावल ने की सीएम धामी से मुलाकात, सीएम ने लिया आशीर्वाद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देहरादून/शिव कुमार यादव। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में श्री केदारनाथ के रावल श्री भीमा शंकर लिंग ने भेंट की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गणेश जोशी एवं विधायक मोहन सिंह मेहरा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जाहिर की कि इस बार पर्यटक पूरी श्रद्धा के साथ श्री केदारनाथ जी के दर्शन कर सकेंगे। सरकार श्रद्धालुओं के लिए हर संभव सहायता देने को तत्पर है तथा श्री केदानाथ जी के सुगम दर्शनों के लिए सभी व्यापक उपाय किये गये हैं।

पहलवान सुषमा ने एशियन चैंपियनशिप में जीता ब्रांज मेडल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में आयोजित हुई एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में छावला की बेटी सुषमा शौकीन ने कड़ी टक्कर देते हुए ब्रांज मेडल जीता है। उनकी इस कामयाबी से एकबार फिर नजफगढ़ देहात सुर्खियों में आ गया है। नजफगढ़ वासियों ने उनका

स्वागत करते हुए कहा कि बेटी ने देश का मान बढ़ाया है। नजफगढ़ स्टेडियम के कोच विरेन्द्र दहिया ने बताया कि लखनऊ में नेशनल रेसलिंग कैंप में सुषमा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पिछली नेशनल चैंपियन को हराकर एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए अपना चयन पक्का किया। उन्होने बताया कि सुषमा ने नजफगढ़ स्टेडियम में प्रैक्टिस की है और हमेशा अपनी प्रैक्टिस के प्रति गंभीर रही है। उसने मंगोलिया में 55 किलोग्राम भारवर्ग में ब्रांज मेडल जीतकर नजफगढ़ के साथ-साथ देश का मान बढ़ाया है।

नजफगढ़ देहात में पानी के लिए हाहाकार, लोग पीने का पानी खरीदनें को मजबूर

दिल्ली में पानी की किल्लत से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार ने बनाया समर एक्शन प्लान 2022

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़ देहात/शिव कुमार यादव। पिछले कई दिनों से नजफगढ़ देहात में पेयजल सप्लाई ना आने से पानी की किल्लत बनी हुई है। लोग रात-दिन पानी के लिए नलों पर टकटकी जमाये बैठे है लेकिन फिर भी पानी नही आ रहा है। हालात अब यह हो गये है कि लोग पीने का पानी तक खरीदकर पीने को मजबूर हो गये है। हालांकि दिल्ली सरकार लोगों की इस परेशानी को समझ रही है जिसे देखते हुए मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली में पानी की सप्लाई को लेकर समर ऐक्शन प्लान-2022 बनाया है ताकि लोगों को समय पर स्वच्छ पानी मिल सके। गर्मिया शुरू होते ही नजफगढ़ देहात में पानी के लिए हाहाकार मचना शुरू हो गया है। लोग लगातार पानी आने का इंतजार कर रहे है लेकिन पिछले 5 दिन से लोगों को पानी नही मिल पाया है। जिससे पानी की टंकियां पूरी तरह से खाली हो गई है। लोगों का आरोप है कि एक तरफ तो सरकार दिल्ली का यूएनओं तक बखान कर रही है वहीं दूसरी तरफ लोग पानी के लिए मारे-मारे फिर रहे है। अब तो हालात यह हो गये है कि लोग पानी खरीद कर पीने को मजबूर हो गये हैं। वहीं लोगों का आरोप है कि जलबोर्ड के अधिकारी पानी की सप्लाई को लेकर कुछ भी नही बता रहे है। वहीं जब लोगों ने विधायक व मंत्री कैलाश गहलोत से इस समस्या को लेकर बात करनी चाही तो उन्हे निराशा ही हाथ लगी। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में गर्मी के मौसम में पीने के पानी

की समस्या से निपटने के लिए 'समर एक्शन प्लान 2022' तैयार किया है। इस संबंध में गुरुवार को जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने आज दिल्ली सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक की। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने बैठक में अधिकारियों से पेयजल आपूर्ति से संबंधित कार्य, पानी की लाइनें बिछाने, ट्रीटमेंट प्लांट को दुरुस्त करने आदि कार्यो को लेकर प्रगति रिपोर्ट मांगी है। साथ ही, दिल्ली के विभिन्न इलाकों में टैंकरों से पानी पहुंचाने के कार्य में सुधार लाने और शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा करने का निर्देश दिया है। इन सभी कामों की प्रगति पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निगरानी भी रखी जाएगी, ताकि सभी कामों को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार ने अपने जल उपचार संयंत्रों को नए और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर अपग्रेड किया है। सिस्टम को कुशल और मजबूत बनाया गया है, ताकि गर्मी में लोगों को पानी की कमी के चलते परेशानी न झेलनी पड़े। लोगों के घरों तक साफ पानी पहुंचाने के साथ- साथ कम से कम समय में शिकायतों को हल करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दिल्लीवालों के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले पानी आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने पर्याप्त व्यवस्था की है। पिछले साल की गर्मियों में दिल्ली में 935 एमजीडी पानी सप्लाई की जाती थी। वहीं, इस साल बढ़ती गर्मी के मद्देनजर केजरीवाल सरकार ने पानी का उत्पादन बढ़ाकर 1000 एमजीडी तक करने का लक्ष्य रखा है। यानि की इस बार गर्मी में राजधानी में 65 एमजीडी अधिक पानी की आपूर्ति होगी। हरियाणा से आने वाले पानी में कई बार अमोनिया का स्तर बढ़ जाता है। इससे दिल्ली के प्लांट की क्षमता कम हो जाती है और कई इलाकों में पानी का संकट गहरा जाता है। ऐसे में केजरीवाल सरकार इस समस्या से निपटने के लिए एडवांस में तैयार है। इसके लिए नई निगरानी प्रक्रिया तैयार की है, ताकि लोगों को भविष्य में पानी की किल्लत से न जूझना पड़े। पानी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को बंद होने से रोकने के लिए जल मंत्री सत्येंद्र जैन व्यक्तिगत रूप से हरियाणा सरकार के साथ कोआर्डिनेट कर स्थिति की निगरानी करेंगे। दिल्ली की जेजे कॉलोनियों में पाइपलाइन के जरिए वाटर सप्लाई की जाएगी। दिसंबर 2021 तक 1642 कॉलोनियों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। 65 कॉलोनियों में पाइपलाइन के जरिए जल्द ही पानी की आपूर्ति चालू कर ली जाएगी। वहीं, 38 कॉलोनियों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है। बता दें सभी जेजे क्लस्टरों में पब्लिक वॉटर हाइड्रेंट व टैंकरों के माध्यम से पानी की सुविधा है। दिल्ली जल बोर्ड की ओर से राजधानी में जीपीएस आधारित टैंकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे टैंकरों की पर्याप्त निगरानी हो रही है। टैंकर किस रूट पर चल रहा है। इसका रियल टाइम पर पता चल जाता है। वह अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंचा या नहीं, कब पहुंचा, इसका भी रिकॉर्ड रखा जा रहा है। ज्यादा पारदर्शिता लाने और सेवा की गुणवत्ता सुधारने के मकसद से केजरीवाल सरकार ने सभी टैंकरों में जीपीएस लगवाए है। पीने योग्य पानी के वितरण के लिए भूमिगत जलाशयों और विभिन्न उपकरणों का मेंटेनेंस जल्द ही पूरा किया जाएगा।

इंडियन यूथ पावर ने द्वारका कोर्ट बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को किया सम्मानित

सामाजिक कार्यों के लिए मधुविहार आरडब्ल्यूए प्रधान रणबीर सिंह भी किये गये सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/शिव कुमार यादव। इंडियन यूथ पावर ने द्वारका में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज सेवियों व विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों को एक सम्मान समारोह में सम्मानित किया। इस मौके पर इंडियन यूथ पावर ने द्वारका कोर्ट बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व मधुविहार आरडब्लयूए के प्रधान को सम्मानित किया। यहां बता दें कि द्वारका कोर्ट बार एसोसिएशन 2022 के चुनाव में अध्यक्ष(प्रेसिडेंट) के रूप में एडवोकेट डॉक्टर एन सी शर्मा को चुना गया तथा उपाध्यक्ष मंजू सहरावत एवम सचिव जितेंद्र सोलंकी चुने गए। अधिवक्ताओं से भरे सभागार में इंडियन यूथ पावर के प्रेसिडेंट एडवोकेट राकेश कुमार ने सभी चुने हुए पदाधिकारियों को शिशु पुष्प पौध एवम स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। भारत बैंक्विट हॉल ,सोलंकी मार्केट में आयोजित स्वागत समारोह में इंडियन यूथ पावर की ओर से आरडब्ल्यूए ,मधु विहार के प्रधान एवं राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणबीर सिंह सोलंकी को उनके सामाजिक कार्यों के लिए पुष्प पौध एवम मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में सोलंकी ने बार एसोसिएशन से मांग की कि पांच साल तक मेहनत कर निकले हुए नव वकीलों को प्रोत्साहित करने के लिए किसी प्रकार कुछ मासिक राशि की व्यवस्था हो ताकि अपने शुरुआती कार्यकाल में उन्हे कोई परेशानी न हो और वे अच्छे अधिवक्ता बन सकें क्योंकि अधिवक्ता बनने के बाद अभिभावकों से पॉकेट मनी मांगना संकोच का विषय बनता है।

महाराष्ट्र में मनसे बनेगी शिवसेना की कांट, भाजपा व संघ ने चला बड़ा दांव

महाराष्ट्र में भाजपा-मनसे में गठबंधन पर बनी सहमति, 14 जून को हो सकती है घोषणा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

मुंबई/शिव कुमार यादव। महाराष्ट्र में मस्जिदों से लाउड स्पीकर हटाने व हनुमान चालीसा का पाठ करने के अभियान का अब पटापेक्ष हो गया है। मनसे प्रमुख के ट्वीट के बाद से तो यह धारणा और जोर पकड़ गई है कि भाजपा अब महाराष्ट्र में शिव सेना को पटखनी देने की पटकथा लिख चुकी है। महाराष्ट्र में शिव सेना से गठबंधन टूटने के बाद से भाजपा प्रदेश में उसकी कांट तलाश रही थी जो उसे अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के रूप में मिल गई है। भाजपा अब मनसे से गठबंधन करने की पूरी तैयारी कर चुके है। वहीं मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी के स्पष्ट संकेत दे दिये है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी 14 जून को दोनो पार्टियां गठबंधन की घोषणा कर सकती है। वहीं गठबंधन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी हरी झंडी दे दी है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि गठबंधन से जुड़ी सभी बाधाएं दूर हो गई हैं। दरअसल राज्य में भाजपा बड़े भाई की भूमिका निभाना चाहती है जो शिवसेना को मंजूर नहीं है। तल्ख-नरम रिश्ते के बीच दोनों दलों ने बीते लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया था। बीते विधानसभा चुनाव में भी दोनों दल साथ थे। हालांकि नतीजे आने के बाद शिवसेना मुख्यमंत्री पद को लेकर अड़ गई और बाद में गठबंधन तोड़कर कांग्रेस-राकांपा से हाथ मिला लिया। उद्धव ठाकरे बतौर मुख्यमंत्री इस सरकार की अगुवाई कर रहे हैं। लेकिन भाजपा को शिवसेना की यह बात रास नही आ रही है और अब भाजपा ने शिवसेना के तोड़ के रूप में मनसे से गठबंधन करने का पूरा मन बना लिया है। मनसे को भाजपा मुंबई और पुणे में कुछ सीटें देगी। शेष राज्य में भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। इस संदर्भ में अंतिम अहम बैठक 21 अप्रैल को हुई। इसमें संघ के लोग भी मौजूद थे। इसी बैठक में गठबंधन पर सैद्धांतिक सहमति बनी। सीटों के बंटवारे सहित कुछ अन्य सवाल पर बाद में फैसला होगा। इसके लिए दोनों दलों के बीच कुछ और बैठकें होंगी। मनसे प्रमुख ने ट्वीट किया, धार्मिक स्थलों, खासकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को लेकर मैं योगी सरकार को पूरे दिल से बधाई देता हूं। मैं उनके इस फैसले में पूरी तरह उनके साथ खड़ा हूं। दुर्भाग्य से महाराष्ट्र में कोई योगी नहीं है। हमारे पास सिर्फ सत्ता के भोगी हैं। मैं ईश्वर से उन्हें सदबुद्धि देने की प्रार्थना करता हूं। मनसे प्रमुख राज ठाकरे इन दिनों महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों को लेकर महाविकास अघाड़ी सरकार पर हमलावर हैं। महाराष्ट्र सरकार ने मामले में केंद्र सरकार के स्तर पर निर्णय लेने की बात कही है। राज ने इसकी आलोचना करते हुए इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के साथ राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की। मनसे प्रमुख ने ट्वीट किया, धार्मिक स्थलों, खासकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को लेकर मैं योगी सरकार को पूरे दिल से बधाई देता हूं। मैं उनके इस फैसले में पूरी तरह उनके साथ खड़ा हूं।

दिल्ली सरकार ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। राजधानी में दिल्ली सरकार व एमसीडी के बीच जारी जंग कम होने का नाम नही ले रही है। ऊपरी तौर पर जनभलाई के लिए मिलकर काम करने की बात करने वाले हर अवसर पर एक दूसरें को नीचा दिखाने का काम कर रहे है जिससे विकास की राह मुश्किल में पड़ गई है। गुरूवार को दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम पर भलस्वा लैंडफिल में आग को रोकने में लापरवाही का आरोप लगाते हुए 50 लाख का जुर्माना ठोक दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नॉर्थ एमसीडी ने आग को रोकने में लापरवाही की। साथ ही आग को रोकने के लिए उचित कदम भी नहीं उठाया। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने भलस्वा लैंडफिल में आग को रोकने के लिए लापरवाही बरतने और उचित कदम नहीं उठाने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने भलस्वा लैंडफिल में आग को रोकने के लिए लापरवाही बरतने और उचित कदम नहीं उठाने के लिए उत्तरी नगर निगम पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एक अधिकारी ने कहा कि उत्तरी एमसीडी ने आग को रोकने और उस पर काबू पाने के लिए उचित कदम नहीं उठाए।

एनएचआरडीएफ व डॉ वाईएसआरएचयू के बीच हुआ फसल अनुसंधान समझौते पर हस्ताक्षर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। देश में फसलों की नई प्रजातियों को विकसित करने व संस्थानों की टेक्नोलॉजी के आदान-प्रदान को लेकर राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान और डॉ. वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किये गये हैं। इस अवसर पर डॉ. वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ टी जानकीराम और डॉक्टर बिजेंद्र सिंह अध्यक्ष राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान कुलपति महोदय ने राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के साथ अपना अनुभव सांझा किया और बताया कि इस संस्थान ने प्याज और लहसुन की बहुत सी प्रजातियों को विकसित किया है जिससे पूरे भारतवर्ष के किसान लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही साथ यह भी बताया कि इसके अलावा भी यह संस्थान अलग-अलग विषयों जैसे मशरूम उत्पादन, माली प्रशिक्षण, बीज उत्पादन व मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर एनएचआरडीएफ के अध्यक्ष डॉ विजेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय के साथ यह अनुबंध देश के किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक होगा जिसमें राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान विश्वविद्यालय के साथ मिलकर प्याज व लहसुन की प्रजातियां वहां के जलवायु परिवेश के हिसाब से विकसित करेगा। जिसके परिणाम स्वरूप आंध्र प्रदेश के किसान इससे लाभान्वित होंगे। इस प्रोग्राम का संचालन डॉ पी के गुप्ता निदेशक राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान ने किया और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ पी के गुप्ता ने इस प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कहा कि अनुबंध से दोनों विभागों की टेक्नोलॉजी का आपस में आदान-प्रदान किया जाएगा और अपने अपने क्षेत्र में किसानों को नई टेक्नोलॉजी से अवगत कराया जाएगा। जिससे किसानों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष के ओएसडी श्री प्रवीण जैन तथा संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव उपनिदेशक, डॉ एके सिंह सहायक निदेशक, श्री संजय सिंह सहायक निदेशक डॉ एस के तिवारी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री एससी तिवारी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं श्री आकाश उपाध्याय तकनीकी अधिकारी भी समारोह में सम्मिलित हुए और इस समझौते के साक्षी बने।

पंजाब में बिजली कटौती पर शुरू हुआ सरकार का विरोध

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। पंजाब में दिनो दिन गहराते बिजली संकट ने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार की परेशानी बढ़ा दी है। हालांकि पंजाब में आप नेता अभी पार्टी की जीत व अपने फ्री बिजली के वादे को पूरा करने का जश्न मना ही रहे थे कि अचानक बिजली संकट आ गया। इस बात को दो सप्ताह ही बीते हैं और अब राज्य के किसान बिजली कटौती को लेकर सरकार का पुतला जला रहे हैं। विपक्षी नेता भी आप सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यहां बता दें कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर मुफ्त बिजली के फैसले पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि '... हमने हमारा पहला वादा पूरा किया। हम जो कहते हैं करते हैं। हम दूसरी पार्टियों की तरह झूठे वादे नहीं करते।' पंजाब में कई कारणों से बिजली का उत्पादन कम हो गया है, जिसके चलते राज्य ब्लैकआउट की कगार पर है। खबर है कि राज्य सरकार बिजली की बढ़ती मांग और उपलब्धता के बीच संतुलन नहीं बना पा रही है।

पैरामिलिट्री फोर्सेस में कमांडेंट पदों पर आईपीएस अधिकारियों के डेपुटेशन प्रस्ताव का विरोध करेगी एसोसिएशन- रणवीर सिंह

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन जो कि पिछले 7 सालों से पैरामिलिट्री फोर्स वेलफेयर संबंधित मुद्दों को लेकर सड़क से लड़ाई जारी रखें हैं ने आईपीएस अधिकारीयों के लिए कमांडेंट पद खोलने पर ऐतराज जताया है तथा सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध करने की बात भी कही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए महासचिव रणबीर सिंह द्वारा जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि इससे हमारे कैडर आफिसर्स यानी सहायक कमांडेंट के कमांडेंट पदों पर पदोन्नति के अवसर कम हो जाएंगे और साथ ही कमांडेंट लेवल के पदों पर आईपीएस अधिकारी फोर्सेस हैडक्वार्टर, सैक्टर या फ्रंटियर एचक्यू में सभी सुविधाओं से लाभ उठायेंगे। इससे खासकर कमांडेंट व निचले स्तर के कैडर आफिसर्स में कुंठा का आभास एवं मनोबल आत्म सम्मान में कमी महसूस होगी। अभी पहले ही डीआईजी स्तर के 40 पर्सेंट पद आईपीएस अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं भले ही पद खाली पड़े हों। रणबीर सिंह आगे कहते हैं कि आईपीएस प्रोबेशनरी पीरियड यानी ट्रेनिंग के बाद 3 साल के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सहायक कमांडेंट के तौर डेपुटेशन पर रखा जा सकता है। बजाय हैड क्वार्टर पोस्टिंग के नक्सल बहुल इलाकों, उत्तरी पूर्वी राज्यों, लाइन ऑफ कंट्रोल यानी बॉर्डर आउट कम्पनी पोस्ट,15 से 20 हजार फीट ऊंचाइयों वाले हिमवीरों आईटीबीपी के बर्फीले कम्पनी पोस्ट, सुबरबन, रण-कच्छ, जैसलमेर, बाड़मेर जैसे इलाकों में तैनात कम्पनियों की कमान सौंपी जाए ताकि आइपीएस अधिकारी जवानों की दिनचर्या, ड्युटी, होने वाली कठिनाइयों से रुबरु हो सके।

REVIEW

सुपरस्टार के साथ किया बॉलीवुड में डेब्यू, ब्लॉकबस्टर हुई फिल्म, फिर भी अनुष्का को था इस बात का गम

साल 2008 में अपने करियर की शुरुआत करने के बाद बॉलीवुड में अपने दम पर पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपना 34वां जन्मदिन मना रही हैं। 14 साल लंबे अपने करियर में अनुष्का ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री बड़ी स्क्रीन के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। सोशल मीडिया पर अनुष्का की अच्छी फैन फॉलोविंग हैं। अभिनेत्री के फैंस भी उनकी झलक पाने के लिए तरसते रहते हैं। अनुष्का शर्मा ने साल 2008 में अभिनेता शाहरुख़ खान स्टारर फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से अपनी बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी। फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही और साल 2008 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गयी। अपनी पहली ही फिल्म से अनुष्का लोगों के दिलों में उतर गयी थीं और उन्हें अपने अभिनय के लिए फिल्मफेयर की बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस की कैटेगरी के लिए नॉमिनेट किया गया था। एक इंटरव्यू में अनुष्का ने बताया था कि फिल्म रब ने बना दी जोड़ी हिट होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें कोई अवार्ड मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ जिसके बाद वह घर जाकर खूब रोई थीं। इसके दो साल बाद 2010 में अभिनेत्री अपनी दूसरी हिट फिल्म बैंड बाजा बारात में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभाती नजर आयीं। अनुष्का की यह फिल्म भी बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही। इसके बाद शर्मा पटियाला हाउस, लेडीज वर्सेज रिकी बहल, जब तक है जान, मटरू की बिजली का मंडोला जैसी फिल्मों में नजर आयीं पर उन्हें कोई ख़ास पहचान नहीं मिल पायी। साल 2014 में, अनुष्का शर्मा फिल्म फ्पीकेफ् में मुख्य भूमिका में नजर आयी और इस फिल्म में अभिनय करना उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही और अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गयीं। इसके बाद अनुष्का ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपने एक्टिंग करियर के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुर्खियों में बनी रहती थीं। अभिनेत्री भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ लंबे समय तक रोमांटिक रिश्ते में रही। दोनों ने 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी की। 11 जनवरी 2021 को, अनुष्का और विराट कोहली एक बेटी वामिका के माता-पिता बने। बेटी के जन्म के बाद से ही अनुष्का सिल्वर स्क्रीन पर दिखाई नहीं दी हैं पर अभिनेत्री जल्द ही फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' से वापसी करने वाली हैं। अनुष्का इस फिल्म में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कैप्टन झूलन गोस्वामी की भूमिका निभाती नजर आएँगी।

दृश्यम 2 में अजय देवगन और तब्बू के साथ नजर आएंगे अक्षय खन्ना

मलयालम फिल्म 'दृश्यम 2' के हिंदी रीमेक में अभिनेता अजय देवगन और अभिनेत्री तब्बू के अलावा अक्षय खन्ना भी नजर आएंगे। अजय और तब्बू इस फिल्म में प्रमुख किरदार निभा रहे हैं। तब्बू ने फिल्म में अक्षय के शामिल होने की खबर इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, '' दृश्यम 2 में अहम किरदार के रूप में प्रतिभाशाली अभिनेता अक्षय खन्ना के शामिल होने पर बेहद खुशी हुई।'' अक्षय 'दिल चाहता है', 'हंगामा', 'रेस' और 'मॉम' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। 'दृश्यम 2' में अक्षय के किरदार के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गयी है। फिल्म के पहले संस्करण का निर्देशन दिवंगत निशिकांत कामत ने किया था। यह 2013 की मलयालम फिल्म दृश्यम का हिंदी रीमेक था।

भूल भुलैया 2 मनोवैज्ञानिक थ्रिलर नहीं बल्कि हॉरर कॉमेडी है: अनीस बज्मी

फिल्म निर्माता अनीस बज्मी का कहना है कि वह अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 2 को पूरी तरह से एक हॉरर कॉमेडी के रूप में बनाना चाहते थे, ताकि किसी भी तरह की सीधी तुलना से बचने के लिए मूल फिल्म के मनोवैज्ञानिक थ्रिलर तत्व को छोड़ दिया जाए। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 2007 की हिट फिल्म भूल भुलैया में अक्षय कुमार को एक मनोचिकित्सक के रूप में दिखाया गया था, जिसे एक हवेली में अलौकिक गतिविधियों के पीछे के कारण का पता लगाने का काम सौंपा गया है। भूल भुलैया , 1993 की मलयालम फिल्म मणिचित्रथ्जु का हिंदी रीमेक मोहनलाल की भूमिका को दर्शाती है, जो क्लाइमेक्स यानी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में बदलने से पहले एक हॉरर कॉमेडी के रूप में दिखाई गई थी। अगली कड़ी (भुल भूलैया-2) में, अभिनेता कार्तिक आर्यन कुमार की भूमिका में दिखाई देंगे, बज्मी ने कहा कि वह चीजों को बदलना चाहते हैं। मैं स्पष्ट था कि मैं एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर नहीं बनाना चाहता था। अगर मैंने इसे इस तरह बनाया होता, तो यह एक सीधी तुलना होती। जब आप इस फिल्म को देखते हैं, तो यह आपको भाग एक की याद दिलाएगा, लेकिन यह वास्तव में एक जैसा नहीं है। फिल्म निर्माता ने पीटीआई- से कहा, अगर मैं आपको वही फिल्म ऑफर करता हूं, तो सीक्वल बनाने का क्या मतलब है? मेरी फिल्म मूल रूप से एक हॉरर कॉमेडी है। आपको उसी दुनिया की झलकियां मिलती रहेंगी लेकिन फिर भी आप एक नई फिल्म देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, भूल भुलैया भी एक रीमेक थी। मेरे पास यह विशेषाधिकार नहीं था, कि ओह, यहां एक सुपरहिट फिल्म है, चलो इसे रीमेक करते हैं। इसका मतलब था कि हमें शुरू से शुरुआत करनी थी, सब कुछ ठीक करने के लिए स्क्रिप्ट के स्तर पर कड़ी मेहनत करनी थी। बज्मी ने कहा, मुझे बस इस अधिकार को पाने के लिए ध्यान केंद्रित करना था। चूंकि मैंने कभी हॉरर फिल्में नहीं बनाई थीं, मैं उत्साहित था। यह मेरे लिए एक नया क्षेत्र था, एक नई चुनौती। चूंकि मेरी कॉमेडी फिल्में सफल रही हैं।

ईडी का बड़ा एक्शन!

जैक्लीन फर्नांडिज़ की बढ़ी परेशानी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और अन्य के खिलाफ आपराधिक जांच के संबंध में धनशोधन रोधी कानून के तहत बॉलीवुड अभिनेत्री जैक्लीन फर्नांडिज़ की सात करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छत्तीस वर्षीय अभिनेत्री की 7.12 करोड़ रुपए की सावधि जमा और 15 लाख रुपए नकद कुर्क करने के लिए एक अस्थाई आदेश जारी किया है। निदेशालय ने इसे अपराध से हासिल धन करार दिया। गौरतलब है कि सुकेश चंद्रशेखर ने जैक्लीन फर्नांडिज़ को जबरन वसूली सहित आपराधिक गतिविधियों से हासिल आय से 5.71 करोड़ रुपए के विभिन्न उपहार दिए थे। ईडी ने एक बयान में कहा, चंद्रशेखर ने इस मामले में अपनी लंबे समय से सहयोगी और सह-आरोपी पिंकी ईरानी को जैक्लीन तक उपहार पहुंचाने का जिम्मा सौंपा था। इन उपहारों के अलावा, चंद्रशेखर ने सह-आरोपी अवतार सिंह कोचर, एक अंतरराष्ट्रीय हवाला ऑपरेटर, के माध्यम से अपराध से हासिल धन से फर्नांडिज़ के करीबी परिवार के सदस्यों को।,72,913 अमेरिकी डॉलर (वर्तमान विनिमय दर के अनुसार लगभग 1.3 करोड़ रुपए) और एयूडी 26740 (लगभग 14 लाख रुपए) की धनराशि भी दी। निदेशालय ने अपने बयान में कहा कि उसकी जांच में पाया गया कि चंद्रशेखर ने फर्नांडिज की ओर से एक पटकथा लेखक को उसकी वेबसीरीज परियोजना की पटकथा लिखने के लिए अग्रिम के रूप में 15 लाख रुपए की नकद राशि दी थी। यह नकद राशि भी कुर्क की गई है। ईडी ने कहा कि अपराध से हासिल शेष रकम का पता लगाने के संबंध में जांच जारी है। गौरतलब है कि फर्नांडिज़ श्रीलंका की मूल नागरिक हैं और उनसे इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कई बार पूछताछ की है। ईडी ने पिछले साल दिसंबर में उन्हें अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरने से पहले मुंबई हवाई अड्डे पर रोक दिया था और जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था।

ईडी ने आरोप लगाया है कि चंद्रशेखर ने फर्नांडिज़ को उपहार देने के लिए अवैध धन का इस्तेमाल किया, जिसे उसने फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह सहित कई नामी-गिरामी लोगों को धोखा देकर अर्जित किया था। उस पर आरोप है कि उसने अदिति सिंह और उसकी बहन के साथ फोन पर बातचीत में खुद को केंद्रीय गृह सचिव और कानून सचिव के रूप में पेश किया। ईडी ने कहा कि उसकी जांच में पाया गया कि एक व्यक्ति लोगों को ठगने के लिए स्पूफिंग कॉल से संपर्क कर रहा था क्योंकि उनके फोन पर दिखाई देने वाले नंबर सरकारी अधिकारियों के थे और उन्होंने एक सरकारी अधिकारी होने का दावा किया था जो लोगों को धन के बदले मदद करने का दावा कर रहा था। उस व्यक्ति ने स्वयं को केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय कानून सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी और अन्य कनिष्ठ अधिकारी बताकर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से संपर्क किया और पार्टी के फंड में योगदान के बहाने उनसे। साल की अवधि में 200 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली की। ईडी ने कहा, उक्त व्यक्ति ठग सुकेश चंद्रशेखर था, जो जेल अधिकारियों की मिलीभगत से दिल्ली (तिहाड़ जेल) की केंद्रीय जेल से अपना अवैध वसूली का कारोबार चला रहा था। जैक्लीन ने पिछले साल अगस्त और अक्टूबर में ईडी को दिए अपने बयान में बताया था कि उन्हें चंद्रशेखर से उपहार स्वरूप गुची के तीन डिजाइनर बैग, जिम में पहनने के लिए दो गुची की ड्रेस, लुई वीटन कंपनी के एक जोड़ी जूते, हीरे के दो जोड़े झुमके और दो हेमीज़ ब्रेसलेट मिले थे। अभिनेत्री ने ईडी को बताया कि उसने एक मिनी कूपर कार लौटा दी, जो उसे इसी तरह उपहार में मिली थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी जांच में पाया कि चंद्रशेखर फरवरी से जैक्लीन के साथ नियमित संपर्क में था, जब तक कि उसे पिछले साल 7 अगस्त को (दिल्ली पुलिस द्वारा) गिरफ्तार नहीं किया गया था। बाद में उसे ईडी ने भी गिरफ्तार किया था।

दीपिका पादुकोण हुईं सम्मानित

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण वैसे तो अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। लेकिन इस बार उनके सुर्खियों में आने की वजह कुछ खास है, जिससे न केवल उनकी बल्कि पूरे देश की शान बढ़ गई है। इस साल जूरी के सदस्य के रूप में दीपिका पादुकोण कान फिल्म महोत्सव की शोभा बढ़ाएंगी। 75वां वार्षिक कान फिल्म महोत्सव 17 से 28 मई 2022 तक होने वाला है। ये जवानी है दीवानी फेम अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर आधिकारिक घोषणा का पोस्टर साझा किया, जिसमें दुनिया भर के अन्य जूरी सदस्य भी शामिल थे। समारोह से पहले जूरी सदस्य के रूप में घोषित किए जाने के बाद, अमूल ने ओम शांति ओम फेम अभिनेत्री को एक ट्रिब्यूट दिया है। अपने स्पेशल विज्ञापनों के लिए मशहूर अमूल ने एक सुंदर गाउन पहने हुए दीपिका पादुकोण के एक कैरिकेचर का इस्तेमाल किया है। अपने इस विज्ञापन को अमूल ने दीपिकान्स टाइटल देकर अभिनेत्री को सम्मानित किया। अमूल ने एक खास टैगलाइन का भी इस्तेमाल किया, जिसमें लिखा था,हर जूरी इसे प्यार करती है। बाजीराव मस्तानी फेम अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस विज्ञापन को एक स्माइली के साथ रीपोस्ट किया। दीपिका पादुकोण के अलावा, अभिनेत्री और निर्देशक रेबेका हॉल, नूमी रेपेस, और इटैलियन अभिनेत्री और निर्देशक जैस्मिन ट्रिनका, इनके साथ ही निर्देशक असगर फरहादी, लाडज ली, जेफ निकोल्स और जोआचिम ट्रायर जूरी पैनल का हिस्सा होंगे।

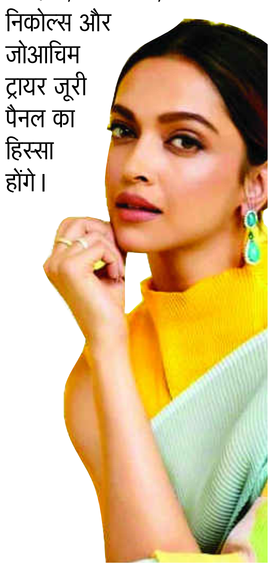

'राम सेतु' जैसी गंभीर फिल्म का 'पोस्टर' के कारण उड़ा मजाक!

पत्रकार
मानसी शर्मा

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री जिस तेजी से पीछे की ओर जा रही है उसे लेकर सोशल मीडिया पर आय-दिन चर्चा होती रहती है। किस कदर लोगों के दिल और दिमाग पर दक्षिण फिल्मों ने राज कर लिया है इसका जीता-जागता उदाहरण हम सभी ने अप्रैल में रिलीज हुई फिल्मों की ओपनिंग को देखते हुए महसूस किया है। फिल्म आरआरआर की पहले दिन कमाई 50 करोड़ से भी ज्यादा की हुई वहीं केजीएफ चैप्टर टू की हफ्तेभर की बुकिंग पहले ही हो गयी थी। वहीं दूसरी तरफ बॉलीवुड फिल्में दर्शकों के लिए तरफ रही हैं। दर्शक न होने के कारण सिनेमागरों में शो कैंसिल किए जा रहे हैं। यह हालात कैसे और क्यों आये इसपर बॉलीवुड को जरूर मंथन करना चाहिए लेकिन एक उदाहरण हम आपको एकदम ताजा देते हैं हाल ही में अक्षय कुमार ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म राम सेतु का पोस्टर लॉन्च किया। अक्षय कुमार द्वारा साझा किए गए फिल्म के पोस्टर में अभिनेता को जैकलीन फर्नांडीज और सत्यदेव के साथ देखा जा सकता हैं। तीनों उपर की ओर देख रहे हैं। इस पोस्टर में अक्षय कुमार के हाथ में जलती हुए मशाल है लेकिन वहीं दूसरी तरफ जैकलीन फर्नांडीज के हाथ में टॉर्च है। अब टॉर्च है तो अक्षय ने इतनी बड़ी मशाल क्यों पकड़ी हुई है। इस तरह के तर्कों को अब दर्शक पसंद नहीं करते हैं। इसी लिए जैसे ही फिल्म का पोस्टर रिलीज हुए लोगों ने पोस्टर पर मजाकिया मीम बनाने शुरू कर दिए। राम सेतू जैसी गंभीर फिल्म को सोशल मीडिया पर मजाक का पात्र बना दिया गया।

नेटिज़न्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मशाल जलाने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया, उन्होंने लिखा कि जब किसी के हाथ में आसानी से तेज जलने वाली टॉर्च है तो उसे नीचे करके खतरे वाली मशाल को हाथ में क्यों लिया गया है? दूसरे ने कहा, टॉर्च है तो मशाल की क्या जरूरी भाई? इसे प्रफुल्लित करने वाला पोस्टर कहते हुए, एक ने लिखा, पूरा आस-पास इतनी अच्छी तरह से रोशनी है, उस महिला के पास तेज बिजली वाली टॉर्च जल रही है फिर भी अक्षय आप भगवान को देखने के लिए आग की मशाल पकड़े हुए क्यों!

खास ख़बर

ईस्ट बंगाल ने रहमान के साथ तीन साल का करार किया

कोलकाता। ईस्ट बंगाल ने शनिवार को 24 साल के प्रतिभाशाली मिडफील्डर मोबाशीर रहमान से करार करने की घोषणा की, जो इंडियन सुपर लीग शील्ड विजेता टीम जमशेदपुर एफसी की टीम के साथ थे। टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षण लेने वाले रहमान ने आईएसएल में जमशेदपुर फ्रैंचाइजी के लिए 53 मैच खेले है। वह पिछले सत्र में टीम के लिए 13 मैचों में मैदान पर उतरे थे। क्लब से यहां जारी बयान में कहा, ईस्ट बंगाल ने रहमान को तीन साल का करार किया है। ईस्ट बंगाल ने आईएसएल के दोनों सत्र में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया है।

कोलिंस, ओसाका मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में

मैड्रिड। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने शुक्रवार को यहां मैड्रिड ओपन के पहले दौर में क्वालीफायर अनास्तासिया पोटापोवा पर 6-3 6- । की आसान जीत दर्ज की। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने अवसाद का हवाला देते हुए पिछले साल फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया था। आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंची डेनियल कोलिंस ने 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मोनिका पुईग पर 7-5 6-0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। जेसिका पेगुला और मारिया सकारी ने भी अपने मुकाबले जीते।

जडेजा ने सीएसके की कप्तानी छोड़ी, बाकी मैचों में धोनी संभालेंगे कमान

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में आठ में से छह मैच गंवाने के बाद रविंद्र जडेजा ने शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स टीम की कप्तानी छोड़ दी और अब बचे हुए मैचों में महेंद्र सिंह धोनी ही कमान संभालेंगे। सीएसके ने एक बयान में कहा , रविंद्र जडेजा ने कप्तानी छोड़कर अपने खेल पर ध्यान देने का फैसला किया है। उन्होंने एम एस धोनी से टीम की कप्तानी का आग्रह किया है। धोनी ने वृहद हितों को देखते हुए इस अनुरोध का मान लिया है ताकि जडेजा अपने खेल पर फोकस कर सकें। कप्तानी के दबाव से जडेजा का खेल भी प्रभावित हुआ है और वह आठ मैचों में 112 रन ही बना सके जबकि उनकी झोली में पांच ही विकेट गिरे।

तेवतिया और मिलर की अटूट साझेदारी से गुजरात ने बेंगलोर को हराया

एजेंसी ■ मुंबई

मैन ऑफ द मैच राहुल तेवतिया (25 गेंद में नाबाद 43) और डेविड मिलर (24 गेंद में नाबाद 39) के बीच पांचवें विकेट के लिए 6.4 ओवर में 79 रन की अटूट साझेदारी से गुजरात टाइटन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में शनिवार को यहां रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को चार विकेट से शिकस्त देकर प्ले ऑफ अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। गुजरात के नौ मैचों में आठ जीत से 16 अंक हो गए है जबकि बेंगलोर के 10 मैचों में पांच जीत से 10 अंक है। बेंगलोर की टीम ने पूर्व कप्तान विराट कोहली (58) के 14 पारियों के बाद लगाए गए अर्धशतक और दूसरे विकेट के लिए रजत पाटीदार (52) के साथ 99 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 170 रन बनाए थे। गुजरात ने तीन गेंद शेष

रहते चार विकेट पर 174 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऋद्धिमान साहा (29) और शुभमन गिल (31) ने 51 रन की साझेदारी कर गुजरात को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन टीम ने 95 रन तक चार विकेट गंवा दिए। इसके बाद तेवतिया ने अपनी नाबाद पारी में पांच चौके और दो छक्के जबकि मिलर ने चार चौके और एक छक्का जड़ा। बेंगलुरु के लिए चार विकेट स्पिनरों ने लिए वानिंदु हसरंगा ने चार ओवर में 28 रन देकर दो तो वही शाहबाज अहमद ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। इससे पहले कोहली ने 53 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया जबकि पाटीदार ने 32 गेंद की आक्रामक पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाए। ग्लेन मैक्सवेल ने आखिरी ओवरों में 18 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 33 रन और महिपाल लोमरोर ने आठ गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाए। गुजरात के लिए सत्र का पहला मैच खेल रहे प्रदीप सांगवान ने चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में साहा और गिल ने पारी के पहले ओवर में मैक्सवेल के खिलाफ चौका जड़कर लक्ष्य का शानदार तरीके से पीछा करना शुरू किया। साहा ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में मोहम्मद सिराज के खिलाफ दो चौके जड़े, जिससे छह ओवर के बाद टीम का स्कोर 46 रन हो गया। आठवें ओवर में हसरंगा की गेंद पर पाटीदार ने शानदार कैच लपक कर साहा की 22 गेंद में 29 रन की पारी को खत्म किया। शाहबाज अहमद के अगले ओवर में चौका और छक्का लगाने के बाद गिल पगबाधा हो गए। गिल ने 28 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। इस गेंदबाज ने अपने अगले ओवर में शानदार लय में चल रहे हार्दिक पंड्या की पांच गेंद में तीन रन की पारी को खत्म कर गुजरात की मुश्किलें बढ़ा दी। अगले ओवर में साई सुदर्शन और मिलर ने हर्षल पटेल के खिलाफ चौके जड़कर रन गति को पटरी पर लाने की कोशिश की लेकिन 13वें ओवर में हसरंगा ने विकेटकीपर अनुज रावत के हाथों कैच कराकर सुदर्शन की पारी को खत्म किया।

लखनऊ सुपर जायंट्स की जीत के बाद भी अपने बल्लेबाजों से नाखुश हैं कप्तान राहुल

एजेंसी ■ पुणे

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को यहां पंजाब किंग्स पर 20 रन से जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया लेकिन अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर नाखुशी जताई। इस मैच में तेज गेंदबाजों ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल का पूरा फायदा उठाया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 153 रन बनाये लेकिन उसके गेंदबाजों ने पंजाब को आठ विकेट पर 133 रन पर ही रोक दिया। राहुल ने मैच के बाद कहा, ''हम अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खुश नहीं थे। हमारे बल्लेबाजी क्रम में अनुभव है और हमें इसका फ़ायदा उठाना चाहिए

था। पिच बल्लेबाजी के लिये मुश्किल थी, लेकिन हमें 160 से अधिक रन बनाने चाहिए थे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमारे गेंदबाजों ने काफ़ी अच्छी गेंदबाजी की। क्रुणाल (पंड्या) ने इस पूरे आईपीएल में बढ़िया प्रदर्शन किया है। उन्होंने किफायती गेंदबाजी की और अहम मौकों पर विकेट लिये। इसके अलावा तेज गेंदबाजों ने जिस तरह से गेंदबाजी की, उससे हमारी टीम को फायदा हुआ।'' राहुल ने कहा, ''हमें किसी भी मैच में परिस्थितियों को अच्छे तरीके से समझने की आवश्यकता है। हमें पता होना चाहिए कि हमें कब क्या करना है।'' पंजाब के कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन उनके बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। अग्रवाल ने कहा, ''हमने नियमित अंतराल में विकेट गंवाये। हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। नयी गेंद से अच्छी उछाल मिल रही थी लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी आसान थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें यह लक्ष्य हासिल करना चाहिए था। हमारे गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन बल्लेबाजों ने हमें निराश किया।'' मैन ऑफ द मैच पंड्या ने कहा, ''पिछले सात-आठ महीने से मैं अपनी गेंदबाजी पर काम कर रहा था, जिसका मुझे फायदा मिल रहा है। राहुल संघवी ने इस दौरान मेरी काफ़ी मदद की। बल्लेबाजी में मैं कुछ ख़ास नहीं कर पा रहा हूं।

नैतिक्ता अधिकारी ने एआईएफएफ महासचिव दास को छेड़छाड़ के आरोपो में क्लीन चिट दी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के महासचिव कुशल दास को कार्यस्थल पर कर्मचारियों से छेड़छाड़ के आरोपों से महासंघ के नैतिकता अधिकारी ने क्लीन चिट देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा कि ए आरोप घिनौने और सच्चाई से परे हैं। आई लीग क्लब मिनर्वा पंजाब एफसी के मालिक रहे उद्योगपति रंजीत बजाज ने सोमवार को आरोप लगाया था कि दास ने कार्यस्थल पर कर्मचारियों से छेड़छाड़ की थी। एआईएफएफ और उसके शीर्ष अधिकारी ने इस आरोप का खंडन किया था। एआईएफएफ के नैतिकता अधिकारी जावेद सिराज ने कहा कि वह जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचे हैं। उन्होंने महासंघ की आंतरिक शिकायत समिति के अधिकारियों से भी पूछताछ की।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए चुनी गई आठ सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

यूनान के हेराकलायन में रविवार से शुरू होने वाली आईडब्ल्यूएफ जूनियर पुरूष और महिला विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारत की आठ सदर्स्य टीम हिस्सा लेगी। भारतीय टीम में छह महिलाएं और दो पुरूष भारोत्तोलक शामिल हैं। उनके साथ चार कोच, एक मैनेजर अब्राहम काया टेची (भारतीय भारोत्तोलक महासंघ के उपाध्यक्ष) और एक रैफरी हंसा शर्मा (द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त) भी जाएंगे। अंजलि पटेल और हर्शदा शरद गौड़ महिलाओं की 45 किग्रा में हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के पिछले चरण में अचिंता शेयूली ने सात राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर 73 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था।

टीम इस प्रकार है :

महिला : अंजलि पटेल (45 किग्रा), हर्षदा शरद गौड़ (45 किग्रा), ज्ञानेश्वरी यादव (49 किग्रा), वी रितिका (49 किग्रा), श्रबनी दास (55 किग्रा), माईबाम मार्टिना देवी (87 किग्रा) पुरूष : टी माधवन (61 किग्रा), मुना नायक (61 किग्रा)

सिंधू ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता

एजेंसी ■ मनीला (फिलीपींस)

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पीवी सिंधू को शनिवार को यहां जापान की अकाने यामागुची से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार मिली जिससे इस भारतीय खिलाड़ी ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप (बीएसी) में अपना अभियान कांस्य पदक से समाप्त किया। सिंधू ने अच्छी शुरूआत की लेकिन वह इस लय को जारी नहीं रख सकी और एक घंटे छह मिनट तक चले सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 21-13 19-21 16-21 से हार गईं। यह इस टूर्नामेंट में सिंधू का दूसरा

पदक है, उन्होंने 2014 गिमचियोन चरण में भी कांस्य पदक जीता था। हैदराबाद की खिलाड़ी ने पहला गेम 16 मिनट में आसानी से जीत लिया था। दूसरे गेम में चौथी वरीय सिंधू पर अंक के बीच में ज्यादा समय लेने के लिए एक अंक की पेनल्टी लगाई गई जिससे रैफरी के साथ उनकी बहस हो गई। इस बहस से लय टूट गई और यामागुची ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया। जापान की खिलाड़ी ने लय हासिल कर ली और सिंधू को वापसी का मौका नहीं दिया। निर्णायक गेम में सिंधू शुरू से ही पिछड़ रही थीं। अंत में यामागुची ने पांच मैच प्वाइंट हासिल कर अंक जुटाए। अब सिंधू और यामागुची के बीच जीत का रिकॉर्ड 13-9 हो गया है। सिंधू की हार से भारत की व्यक्तिगत महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में चुनौती भी समाप्त हो गई।

इझिलारसी, नरवाल, पलक एयर पिस्टल चयन ट्रायल में शीर्ष पर रहे

एजेंसी ■ 3नई दिल्ली

तमिलनाडु की एस इझिलारसी शनिवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चयन ट्रायल में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में विजेता बनी जबकि हरियाणा की शिखा नरवाल ने जूनियर वर्ग में जीत हासिल की। युवा वर्ग में हरियाणा की पलक ने स्वर्ण पदक के मैच में राज्य की अपनी साथी रिदम सांगवान को 17-9 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इझिलारसी ने यहा डॉ कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में स्वर्ण पदक के मुकाबले में 16 का स्कोर कर पलक (12) को मात दी। उत्तर प्रदेश की युविका तोमर 248.9 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं जबकि हरियाणा की रिदम 248.4 के कुल स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

शिखा सीनियर वर्ग में 196.4 अंक के साथ छठे स्थान पर रही। इससे पहले क्वालीफिकेशन में पलक (253.5 अंक) शीर्ष स्थान पर थी जबकि इझिलारसी (252.2 अंक) दूसरे स्थान पर थी। शिखा सीनियर श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर सकी लेकिन जूनियर वर्ग के स्वर्ण पदक मैच में उन्होंने युविका तोमर को 16-12 से हराया।

आईपीएल 15

दिल्ली की निगाहें बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन पर, राहुल पर अत्यधिक निर्भरता कम करना चाहेगी लखनऊ

एजेंसी ■ मुंबई

दिल्ली कैपिटल्स उम्मीद करेगी कि रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में उसके बल्लेबाज पिछले मुकाबले की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करें जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कप्तान केएल राहुल पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने के लिए बेताब होगी। दिल्ली की टीम के लिए कोविड-19 के मामले आने और नो-बॉल विवाद से कुछ हफ्ते काफी मुश्किल रहे। लेकिन कप्तान ऋषभ पंत और उनकी टीम ने इससे बाहर निकलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स पर चार विकेट से जीत दर्ज की। इससे टीम का मनोबल बढ़ा और टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है। हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना और छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्यक्रम का चरमराना चिंता का विषय होंगे। डेविड वॉर्नर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है लेकिन साथी सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव अच्छी शुरूआत को लंबी पारी में नहीं बदल सके हैं। टीम ने तीसरे नंबर पर कई बल्लेबाजों को आजमाया जिसमें कप्तान पंत भी शामिल हैं लेकिन अभी तक उसे इस स्थान के लिए उचित खिलाड़ी नहीं मिल सका है। मिशेल मार्श कोविड-19 के बाद पृथकवास पूरा करने के बाद लौट चुके हैं और इस आस्ट्रेलियाई आल राउंडर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पंत खुद भी विस्फोटक पारी नहीं खेल पाए हैं, जिसके लिए वह मशहूर हैं।

टीम इस प्रकार हैं :

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), अश्विन हेब्बर, डेविड वार्नर, मनदीप सिंह, पृथ्वी सॉव, रोवमैन पॉवेल, एनरिक नोर्क्यिा, चेतन सकारिया, खलील अहमद, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, मुस्ताफिजुर रहमान, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, कमलेश नागरकोटी, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, रिपल पटेल, सरफराज खान, विक्की ओस्तवाल, यश धुल, केएस भरत और टिम सीफर्ट।

लखनऊ सुपरजाइंट्स : लोकेश राहुल (कप्तान), मनन वोहरा, एविन लुईस, मनीष पांडे, क्विंटन डिकॉक, रवि बिश्नोई, दुष्मंता चमीरा, शाहबाज नदीम, मोहसिन खान, मयंक यादव, अंकित राजपूत, आवेश खान, एंड्रयू टाय, मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, करण शर्मा, कृष्णप्पा गौतम, आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा, कृणाल पंड्या और जेसन होल्डर।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे शुरू होगा।

आईपीएल 15 | मलिक इस आईपीएल सत्र की खोज है जिन्होंने अपनी रफ्तार से दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजो को पस्त किया।

सीएसके के खिलाफ जीत दर्ज करना चाहेगी हैदराबाद

एजेंसी ■ पुणे

तेज गेंदबाज उमरान मलिक के प्रदर्शन पर एक बार फिर सभी की निगाहें टिकी होंगी जब सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जूझ रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सामने होगी। मलिक इस आईपीएल सत्र की खोज हैं जिन्होंने अपनी रफ्तार से दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों को पस्त किया। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हालांकि हैदराबाद को हार का सामना करना पड़ा लेकिन मलिक ने 25 रन देकर पांच विकेट झटके जो आईपीएल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन से एक था। लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने से यह दाएं हाथ का तेज गेंदबाज मौजूदा आईपीएल में चर्चा का विषय बना हुआ है। जम्मू के इस गेंदबाज ने अभी तक आठ मैचों में 12 के स्ट्राइक रेट से 15 विकेट झटके हैं। लेकिन उनके शानदार प्रदर्शन के

बावजूद टीम को पिछले मैच में गुजरात टाइटन्स से पांच रन का हार का सामना करना पड़ा। रविवार को मलिक चाहेंगे कि उन्हें साथी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, मार्को यानसेन और टी नटराजन से अधिक सहयोग मिले। यानसेन गुजरात के खिलाफ अंतिम ओवर में 22 रन का बचाव करने में विफल रहे जिसमें राशिद खान ने कमाल कर दिया। सनराइजर्स हैदराबाद का टीम प्रबंधन अपने अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर पर काफी निर्भर था लेकिन वह टीम की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सके और वह अपने आलोचकों को गलत साबित करने के लिए बेताब होंगे। कप्तान केन विलियमसन की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है लेकिन अभिषेक शर्मा और ऐडन मार्कराम ने जिम्मेदारी निभाई और वे इसी अच्छे प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद चाहेगी कि राहुल त्रिपाठी और निकोलस पूरन भी बल्ले से और अधिक जिम्मेदारी उठाएं। सनराइजर्स हैदराबाद आठ मैचों में 10 अंक लेकर 10 टीम की तालिका में चौथे स्थान पर है। वहीं सीएसके का यह सबसे खराब आईपीएल रहा है और सीएसके को खुद को टूर्नामेंट में बनाए रखने के लिए एकजुट प्रयास की जरूरत है। वह तालिका में महज चार अंक लेकर नीचे से दूसरे स्थान पर है। उसकी कमजोर बल्लेबाज इकाई के लिए मलिक बड़ा खतरा होंगे। सीएसके की समस्याएं पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 11 रन से हारने के साथ बढ़ गईं। अगर यहां चूक हुई तो गत चैम्पियन के लिए मुश्किल हो सकती है। सीएसके खेल के सभी विभागों में असफल रही है और वे अपने नए कप्तान रविंद्र जडेजा से भाग्य पलटने की उम्मीद करना चाहेंगे। जडेजा गेंद और बल्ले दोनों से अपने फॉर्म में वापसी करना चाहेंगे ताकि अपनी टीम को कम से कम प्ले-ऑफ में जगह बनाने का मौका दे सकें, हालांकि इस समय संभावना कम ही लगती है।

टीम इस प्रकार हैं :

सनराइजर्स हैदराबाद : केन विलियमसन (कप्तान), अभिषेक शर्मा, राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्कराम, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, प्रियम गर्ग, विष्णु विनोद, ग्लेन फिलिप्स, आर समर्थ, शशांक सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रोमेरियो शेफर्ड, मार्को यानसन, जे सुचित, श्रेयस गोपाल, भुवनेश्वर कुमार, सीन एबॉट, कार्तिक त्यागी, सौरभ तिवारी, फजलहक फारूकी, उमरान मलिक, टी नटराजन।

चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा (कप्तान), मोइन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, दीपक चाहर, अंबाती रायडू, रॉबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जॉर्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कॉनवे, शिवम दुबे , ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्ष्णा, राजवर्धन हैंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीसन, सुब्रंशु सेनापति, केभगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी।

मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा।

एशियाड में भारत की भागीदारी पर फैसला मेजबान देश से प्रतिक्रिया मिलने के बाद होगा: ठाकुर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि इस साल के एशियाई खेलों में भारत की भागीदारी पर फैसला कोविड-19 के मामलों से जूझ रहे मेजबान देश चीन से प्रतिक्रिया मिलने के बाद लिया जाएगा। चीन शंघाई और बीजिंग में कोविड-19 के मामलों को नियंत्रण में लाने का प्रयास कर रहा है। देश के वित्तीय केंद्र शंघाई में लगभग एक महीने से लॉकडाउन लगा है, जबकि बीजिंग में इस महामारी के मामले बढ़ने के बाद और अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस तरह की बातें भी सामने आ रही कि 10 से 25 सितंबर तक होने वाले हांगझोऊ एशियाई खेलों को महामारी के कारण स्थगित कर दिया जाएगा। ठाकुर ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, वहां (चीन में) क्या स्थिति है और मेजबान देश स्थिति के बारे में क्या कह रहा है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा,

इसमें भाग लेने वाले अन्य सभी देश भी चर्चा कर रहे हैं और कुछ समय में भारत भी फैसला करेगा, लेकिन इससे पहले मेजबान देश को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे क्या सोच रहे हैं और इसके लिए कितने तैयार हैं। चीन में महामारी के कारण कई अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन रद्द कर दिए गए थे, लेकिन बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक 2022 खेलों का आयोजन कोविड-19 के सख्त दिशानिर्देशों के तहत जैव सुरक्षित माहौल में हुआ।

कभी नहीं बन सकेंगे पायल रोहतगी मां किया बड़ा खुलासा

नजफगढ़ मेट्रो न्यूज़/ बॉलीवुड/ मानसी शर्मा कंगना रनौत के शो 'लॉक अप' में मुनव्वर फारुकी के बाद अब पायल रोहतगी ने अपना सीक्रेट शेयर करा है। उनका यह सीक्रेट जान कर हर किसी के आंख से आंसू बह गए हैं। दरसल, पायल ने माँ न बन पाने का दर्द कई साल से मन में दबाया हुआ था, पायल ने यह दर्द शो में कैमरे के सामने बताया है। अपको बता दें कि , पायल रोहतगी एक मजबूत कंटेस्टेंट है , 'लॉक अप' के कैमरे के जरिए फैंस को अपना सीक्रेट बताते हुए पायल रोहतगी ने रिवील किया कि उन्होंने आईवीएफ भी करवाया था , लेकिन असफल रहा। वह कभी भी माँ नहीं बन सकतीं और इस वजह से ही उन्होंने मंगेतर संग्राम सिंह से शादी नहीं की है। मैंने सोचा कि हम शादी तब करेंगे जब मैं प्रेगनेंट होऊंगी ।इसलिए मुझे मेटली और फिजिकली फिट होना हे, ऐक्टिंग करन है और इस लाइफ के साथ चलते जाना है। 4-5 साल से हम लोग कोशिश कर रहे हैं, नहीं हो रहा है। इसलिए अब संग्रामव को रास्ता ढूंढना है। भावुक संग्राम सिंह ने एक बयान जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा, 'पायल और मैं एक दूसरे को 12 साल से जानते हैं। वह एक बहुत सशक्त महिला और एक बेटी हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। जिंदगी के उतार ङ्क चढाव में हम हमेशा एक ङ्क दूसरे का साथ देते रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। मैंने उनसे बेइंतहा प्यार किया हैं। चाहे कोई भी हालात हो मैं हमेशा उसका साथ दूंगा। अगर वह मां नही बन सकतीं तो क्या हुआ , इसका मतलब यह नही हैं कि मैं कहीं और शादी कर लूं। ऐसा कभी नहीं हो सकता ।मुझे उसमे कोई कमी नहीं दिखाई देती ।मेरे लिए वह एक संपूर्ण जीवन संगिनी हैं। हम प्यार से हर कमी को पूरा कर देंगे।

अगर है विदेश जाने के बड़े सपने तो हो जाइए तैयार मात्र ?40000 में होगी विदेश यात्रा

क्या आप विदेश घूमने का सोच रहें है, लेकिन पैसों की कमी के कारण आप विदेश नही घूम पा रहें है। तो आपको बिल्कुल भी परेशान होने की ज़रुरत नही है। आज हम आपकों कुछ ऐसे विदेशी लोकेशन के बारें में बताने जा रहें है। जहाँ आप सिर्फ मात्र 40 हज़ार रुपये में घूम सकते है। जो कि आपके बजट में होगा। इन देशों में आप सी बीच और नाइटलाइफ का मजा ले सकते हैं बल्कि जमकर शॉपिंग भी कर सकते हैं। तो आइए जानते है वो कौन से देश है।

सिंगापुर- आप 40 हज़ार में घूम सकते है। लेकिन आपको कुछ चीज़ो का ध्यान रखना होगा। सिंगापुर बेहद खूबसूरत शहर है। यहां आप महंगे रेस्तरां में खाना खाने की बजाए, स्ट्रीट फूड्स का मजा ले सकते हैं। यहां की नाइटलाइफ भी बहुत मजेदार है। यहां आप समुद्री तटों और वाइल्डलाइफ का घूम कर विदेश में आनंद ले सकते हो।

वियतनाम- भारत का एक ऐसा करीबी डेस्टिनेशन है, जो कम से कम बजट में घूमने वाले लोगों के लिए बहुत ही अच्छा है। यहाँ आपको ऐतिहासिक स्मारकों, प्राकृतिक सुंदरता, समुद्री तटों और यहां आपको टेस्टी और सस्ता खाना खाने के लिए मिलेगा। वियतनाम में मंदिरों और शिवालयों की कोई कमी नहीं है।

भूटान- एक छोटा सा देश है, लेकिन वह अपने ऐतिहासिक स्थलों और पहाड़ो के नजारों के लिए फेमस है। पहाड़ों, घनी घाटियों और जंगलों के साथ, भूटान में मनोरंजन के लिए कई एक्टिविटीज देखने को मिल जाएंगी। अगर आपको एडवेंचर पसंद है, तो एक बार लैंड ऑफ द थंडर ड्रैगन जरूर जाएं। भूटान भी सस्ते डेस्टिनेशन के रूप में काफी मशहूर है।

मिस्र- यह एक समृद्ध संस्कृति और इतिहास वाला देश है। यहां पर्यटकों के आकर्षण के लिए नील घाटी में कई स्मारक मौजूद हैं, साथ ही यहां कई पिरामिड, मंदिर और मस्जिद भी हैं, जिन्हें आप इजिप्ट यात्रा में शामिल कर सकते हैं।

तो अगर आप विदेश जाने की सोच रहें है तो हमारी द्वारा बताई गई इन लोकेशन पर जाकर घूम सकते है। लेकिन आपको कुछ चीज़ो का ध्यान रखना होगा। जैसे आपको अगर मात्र 40,000 में यह ट्रिप करना चाहते है तो आपको मेहंगे होटल की जगह आप पीजी में रह सकते है। इसके साथ ही, आप रेस्टोरेंट की बजाए आप स्ट्रिट फूड का मज़ा ले सकते है। यह नही आप ट्रेवल के लिए केब बजाए बस या मेट्रो का उपयोग कर सकते है। जिससे आपका फिजूल खर्चा नही होगा।

मानसिक तनाव और एंजाइटी को कहिए बाय बाय

नजफगढ़ मेट्रो न्यूज़/ नई दिल्ली/ मानसी शर्मा ङ्क ज़िंदगी में कुछ चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होती, ऐसे में कई बार हम तनाव,एन्जायटी, मानसिक थकान महसूस करते हैं और मूड अच्छा न होने की वजह से किसी भी काम को करने का दिल नहीं करता। जब आप स्ट्रेस महसूस करें तो कुछ उपाय निकालें, जिससे हमारा मूड बेहतर हो सके।

ऐसे में कुछ चीजें हैं जिनकी मदद से आप खुद को तनाव से दूर रख सकते हैं। आइए जानते है इसके बारें में-

स्माइल करें- स्माइल टॉनिक की तरह आपके माइंड को रिलैक्स करने का काम करता है। गाने सुनें जब आप पॉजिटिव गानें सुनते हैं तो ऐसा करने से आपके शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है जो आपको बेहतर फील कराता है।

जरूरतमंद की करें मदद- कई बार जब आप किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं तो आपके अंदर हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होते हैं। ऐसे में आप किसी की मदद करें।

गहरी सांस लें- गहरी सांस लेने से आपके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है जिससे ब्रेन रिलैक्स होता है और जब ब्रेन रिलैक्स होता है तो फील-गुड हार्मोन रिलीज होते हैं। जिससे आप अच्छा महसूस करने लगते हैं।

कम उम्र के लोग अगर हैं सफेद बालों से परेशान तो अपनाएं यह पांच बेहतरीन नुस्खे

नजफगढ़ मेट्रो न्यूज़/ नई दिल्ली/ मानसी शर्मा अगर आपकी उम्र बढ़ रही है और आपके बाल सफ़ेद हो रहे हैं तो ये कोई नई बात नहीं हैं लेकिन अगर कम उम्र में ही आपके बाल अगर सफ़ेद होने लगे तो चिंता करना जरूरी है। वैसे तो बाल सफ़ेद होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे, प्रदूषण का बढ़ना, स्ट्रेस, बीमारियां, गलत खानपान। इससे बालों का बुरा हाल हो जाता है।

इससे ना सिर्फ बाल झड़ने लगते हैं बलकि समय से पहले ही सफेद होने लगते हैं। फिर होता ये है कि लोग बालों को काला करने के लिए कई तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं लेकिन शायद आप इस बात से अनजान हैं कि हेयर प्रोडक्ट्स का ज्यादा यूज करने से बाल और ज्यादा कमजोर हो जाते हैं और पतले होकर टूटने लगते हैं।

अगर आप इससे तंग आ चुके हैं और छुटकारा पाना चाहते हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं। इससे बाल काले होंगे और मजबूत भी होंगे। तो चलिए जानते हैं क्या हैं वो घरेलू उपाय।

प्याज का पेस्ट

बालों को काला बनाने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए प्याज का पेस्ट कारगर साबित हो सकता है। इसके लिए आपको प्याज का पेस्ट बनाकर अपने बालों पर लगाना होगा और फिर इसे एक घंटे तक ऐसे ही छोड़ना होगा। इसके बाद आप बालों को पानी से धो लें। इससे आपके बाल सफेद से काले हो जाएंगे।

चाय-कॉफी

बालों को काला करने में चाय या कॉफी मददगार साबित हो सकती है। इसके लिए आपको पानी में चाय की पत्ती या कॉफी पाउडर डालकर उसे 10 मिनट तक उबालना होगा। इसके बाद आप इसे अपने बालों पर लगा लें। अगर आप अपने बालों के रंग को काला रखना चाहते हैं तो चाय की पत्ती का प्रयोग करें और भूरा करना हो तो कॉफी पाउडर का प्रयोग कर लें।

नारियल या जैतून का तेल

अगर आप अपने बालों को सफ़ेद होने से रोकना चाहते हैं तो इसमें नारियल या जैतून का तेल फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके लिए आपको आधा कप नारियल या जैतून का तेल को हल्का गर्म करना होगा और इसमें 4 कपूर मिलाना होगा। जब कपूर पूरी तरह से घुल जाए तो इसे अपने सिर पर मालिश करें।

आंवला

आंवला बालों के लिए बेहद फायदेमंद होता हैं। इसके लिए आप आंवले को मसल कर उसकी गुठली निकाल दें और फिर इसे पानी में उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न हो जाए। अब इसमें मेहंदी और नींबू का रस मिलाकर इसे अपने बालों पर लगाएं। ऐसा करने से बालों का सफेद होना कम हो जाएगा।

अदरक

अदरक बालों को काला बनाए रखने में मदद करता है। इसके लिए आप सबसे पहले अदरक को कद्दूकस कर लें। अब इसमें शहद मिलाएं।

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे